ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

2020

शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना (LOCF)

शिक्षा विभाग / Department of Education

शिक्षा विद्यापीठ / School of Education

गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

विस्तृत पाठ्य विवरण

(Detailed Syllabus)

शिक्षा में स्नातकोत्तर – एम.एड.

(Master of Education – M.Ed.)

सत्र 2020-22

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना

Learning Outcome Based Curriculum Framework

ज्ञान शांति मैत्री

शिक्षा विद्यापीठ

(School of Education)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

1. **विभाग/केंद्र का नाम: शिक्षा विभाग**
   (Name of the Department/Centre): Department of Education
2. **पाठ्यक्रम का नाम : शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.)**
   (Name of the Programme): Master of Education (M.Ed.)
3. **पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.डी.**
   (Code of the Programme)
4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs) :**
   (Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• अध्ययन के विषय के क्षेत्र में शिक्षा की प्रकृति एवं प्रक्रिया की आलोचनात्मक समझ विकसित करना। • राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा एन.सी.एफ.टी.ई. 2009 के संदर्भ में अध्यापक शिक्षा की आधारभूत अवधारणाओं, सिद्धांतो एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा करना। • शिक्षा की सामाजिक परिवर्तन, जीवन मूल्यों के विकास और राष्ट्रीय विकास में भूमिका और शिक्षाशास्त्र की बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक तथा तकनीकी संदर्भों में शैक्षिक निहितार्थ का मूल्यांकन करना। • शिक्षा के क्षेत्र में अन्वेषण के माध्यम से नवाचारी सिद्धांतों, प्रतिमानों एवं पद्धतियों की वैचारिक समझ विकसित करना।	• शैक्षिक क्षेत्र में अनुमान लगाने/सिद्धांत बनाने (Theorising) की चुनौतियों की सराहना करना तथा सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच संबंधों को पहचानने की दक्षता का विकास करना। • शिक्षा की बदलती जरूरतों के संदर्भ में अध्यापाक शिक्षा की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर विमर्श एवं चिंतन करना। • शैक्षिक सिद्धांतों का प्रयोग करते हुए पाठ्यचर्या, पाठ्य पुस्तक, शिक्षण प्रतिमान एवं शिक्षण सामग्री के निर्माण तथा शैक्षिक आकलन एवं मूल्यांकन की दक्षता का विकास करना।	• अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रबंधन एवं इसमें नवाचार लाने के दृष्टिकोण से वृत्तिक रूप से दक्ष तथा शैक्षिक शोध में निपुण शिक्षा शिक्षक तैयार करना, जो स्वयं को पाठ्यचर्या विकासकर्ता, शैक्षिक नीति विश्लेषक, शैक्षिक प्रशासक, शैक्षिक पर्यवेक्षक, शोधकर्ता एवं विद्यालय प्रधानाचार्य के रूप में विकसित करने में भी दक्ष हों।

पाठ्यक्रम विवरण :

शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.) पाठ्यक्रम शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में द्विवर्षीय व्यावसायिक कार्यक्रम है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षक, प्रशिक्षकों एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य व्यक्तियों जैसे पाठ्यचर्या विकास ,शैक्षिक नीति विश्लेषकों, योजनाकारों, प्रशासकों, पर्यवेक्षकों, विद्यालय प्रधानाध्यापकों, शोधकर्ताओं सहित अन्य को तैयार करना हैI पाठ्यक्रम के पूरा होने पर प्राथमिक, माध्यमिक या उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञता के साथ एम.एड. डिग्री प्रदान की जाएगी।

अवधि- दो वर्ष

प्रवेश के लिए पात्रता

प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा| एम.एड. कोर्स के लिए प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को एक वर्षीय बी.एड./द्विवर्षीय बी.एड./चार वर्षीय एकीकृत बी.एस.सी.-बी. एड.//बी.एल.एड. या 50 % कुल अंकों के साथ विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त कोई भी समकक्ष अन्य डिग्री (एकीकृत डिग्री कोर्स के मामले में, केवल शिक्षा विषय में 50 % कुल अंक)| हालांकि, 5 % अंक तक की छूट अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर), अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामले में दी जाएगी |

अनुदेशन एवं परीक्षा का माध्यम

अनुदेशन एवं परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा।

लघु शोध प्रबंध

लघु शोध प्रबंध प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य है, जो 8 क्रेडिट (200 अंको) का है एवं प्रत्येक छात्र को लघु शोध प्रबंध के लिए विशेषज्ञता के क्षेत्र से एक विषय का चयन करना होगा जिसे शिक्षा विभाग के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में पूर्ण करना होगा| लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों के द्वारा किया जाएगा। लघु शोध प्रबंध के क्रेडिट संपूर्ण सत्र (चार सेमेस्टर) में विभाजित होंगे।

परीक्षा की योजना

प्रत्येक विषय पत्र के मूल्यांकन के लिए आतंरिक तथा बाह्य दोनों प्रकार के मूल्यांकन की व्यवस्था होगी, आतंरिक मूल्यांकन का अधिभार 25% तथा बाह्य मूल्यांकन का अधिभार 75% होगा | प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में बाह्य परीक्षा का आयोजन किया जाएगा|

मूल्यांकन

सम्पूर्ण सेमेस्टर 80 क्रेडिट (2000 अंको) का होगा, जिसमें प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट (500 अंको) का होगा|

उपस्थिति अनिवार्यता

विश्वविद्यालय के नियमानुसार पाठ्यक्रम का पूरी तरह लाभ लेने के लिये विद्यार्थियों से उम्मीद है कि वे शत प्रतिशत व्याख्यानों में उपस्थित रहें | परन्तु 75 % उपस्थिति अनिवार्य है | इससे कम उपस्थिति होने पर छात्रों को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है|

5. पाठ्यक्रम संरचना:

(Programme Structure)

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या)Core(Course	ऐच्छिक पाठ्यचर्या)Elective(Course	योग
पहला सेमेस्टर	सैद्धांतिक 04 =X 0416 क्रेडिट 02 X 01 =02 क्रेडिट प्रायोगिक 01 X 02 =02 क्रेडिट	-	20 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	सैद्धांतिक 04 =X 0416 क्रेडिट 02 X 01 =02 क्रेडिट प्रायोगिक 01 X 02 = 02 क्रेडिट	-	20 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	सैद्धांतिक 03 =X 0412क्रेडिट प्रायोगिक 01 X 02= 02 क्रेडिट क्षेत्र कार्य 01 X 06= 06 क्रेडिट	-	20 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	सैद्धांतिक 02 =X 0408 क्रेडिट लघु शोध प्रबंध 01 X 08 =08 क्रेडिट	सीबीसीएस 01 X 04 =04 क्रेडिट	20 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**76 क्रेडिट**	**04 क्रेडिट**	**8क्रेडिट 0**

पाठ्यचर्या रुपरेखा

CURRICULUM OUTLINE

आधारभूत विषय पत्र (Core Course)	**परिपेक्ष्य विषय पत्र (Perspective Course)** **क्रेडिट** ज्ञानमीमांसीय एवं शैक्षिक अध्ययन - 4 अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान- 4 शैक्षिक सिद्धांत- 4 शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण- 4 पाठ्यचर्या अध्ययन- 4	**अध्यापक शिक्षा विषय पत्र** **(Teacher Education Course)** अध्यापक शिक्षा: दृष्टिकोण, नीति एवं अभ्यास- 4 **क्रेडिट**	**कौशल आधारित विषय पत्र** **(Skill Based Course)** **क्रेडिट** शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी- 2 शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व- 4 शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधियां- 4 अकादमिक लेखन- 2 शिक्षा में गुणात्मक शोध विधि- 4
विशेषज्ञता क्षेत्र (Specialisation Branches)	**ऐच्छिक (कोई एक) समूह अ:** प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च शिक्षा: विकास, गतिशीलता, मुद्दे एवं संभावनाएं- 4 **ऐच्छिक (कोई एक) समूह ब:** विज्ञान/ सामाजिक विज्ञान/गणित/भाषा का उच्च शिक्षण शास्त्र- 4 **ऐच्छिक कोई)एकसमूह स (-I** :मूल्य शिक्षा /द्वंद समाधान के लिए शिक्षा / गणित शिक्षा का दर्शन /विज्ञान शिक्षा का दर्शन/ शैक्षिक प्रौद्योगिकी- 4 **ऐच्छिक (कोई** एक) **समूह स-II**: शैक्षिक मापन और मूल्यांकन / समावेशी शिक्षा / शिक्षा और प्रदर्शनकारी कला /सामाजिक सिद्धांत / शिक्षा में विकल्प / निमार्णवादी शिक्षा / मानवाधिकार और शांति शिक्षा / शैक्षिक प्रबंधन, नियोजन और वित्त शिक्षा / शैक्षिक नेतृत्व और प्रशासन/ मार्गदर्शन और परामर्श / भारतीय दर्शन और शिक्षा- 4		
प्रायोगिक कार्य	प्रायोगिक क्रियाएं- 6		
इंटर्नशिप/क्षेत्र संलग्नता (Internship/ Field Attachment)	प्रशिक्षण/ क्षेत्र कार्य- 6		
लघु शोध प्रबंध कार्य (Research leading to dissertation)	लघु शोध प्रबंध- 8		
स्व-विकास विषय (Self development courses) सीबीसीएस अन्य विभाग/ विद्यापीठ	आधार भाषा आधार कंप्यूटर	स्वयं या अन्य किसी ऑनलाइन प्लैटफ़ार्म से कोई एक मूक्स कोर्स पूरा करना अन्य विभाग या / विद्यापीठ से कोई विषयअन्य विभाग से कोई विषय (CBCS)- 04 **क्रेडिट** (कुल)	

एम.एड. पाठ्यक्रम (2020-22) की विषय संरचना

कुल क्रेडिट = 80 / पूर्णांक = 2000

सेमेस्टरवार विषय एवं क्रेडिट

सेमेस्टर-I (20 क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**एमईडी 01**	ज्ञानमीमांसीय एवं शैक्षिक अध्ययन	4/100	25	75
2.	**एमईडी 02**	अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान	4/100	25	75
3.	**एमईडी 03**	शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व	4/100	25	75
4.	**एमईडी 04**	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी	2/50	25	75
5.	**एमईडीई 01**	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'अ': प्राथमिक/माध्यमिक/ उच्च शिक्षा: विकास,गतिशीलता,मुद्दे एवं संभावनाएं	4/100	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	**प्रायोगिक**	**प्रायोगिक क्रियाएं**	2/50	100	
7.	**कंप्यूटर अनुप्रयोग में दक्षता (लीला विभाग द्वारा)**				
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-I)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	शैक्षिक साहित्यों का पठन एवं चिंतन*	-किसी एक शैक्षिक साहित्य की विषय वस्तु का विश्लेषण एवं आलोचनात्मक समीक्षा कर आलेख प्रस्तुत करना
2.	मनोविज्ञान के प्रयोग**	-कोई दो प्रयोग: स्मृति, बुद्धि, व्यक्तित्व, समाजमिति, अधिगम, सृजनात्मकता
3.	शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्त्व ***	-शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्त्व विषय-पत्र के किसी एक प्रकरण पर शोध संवाद में प्रस्तुति
4.	'शिक्षा में आईसीटी उपकरण के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला#	-ऑनलाइन एप्प का उपयोग करते हुए ई-पाठ्य-सामग्री/OERs का निर्माण करना/ -ब्लॉग, गूगल ग्रुप, विकिएडुकेटर, सोशल मीडिया का शिक्षा में प्रयोग/ -ई-रुब्रिक्स एवं ई-पोर्टफोलियो का आकलन में प्रयोग
5.	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) ## समूह 'अ': प्राथमिक/माध्यमिक/उच्चशिक्षा: विकास,गतिशीलता,मुद्दे एवं संभावनाएं	-किसी भी प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च शिक्षा स्तर के विद्यार्थी/ शैक्षिक संस्थान/ शैक्षिक कार्यक्रम पर प्रकरण अध्ययन कर प्रतिवेदन तैयार करना
6.	शोध संवाद###	महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर चर्चा

नोट :* शैक्षिक अध्ययन-विषय पत्र से संबंधित

** अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान-विषय पत्र से संबंधित

*** शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्त्व विषय-पत्र से संबंधित

शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी विषय-पत्र से संबंधित

मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक)- समूह 'अ' से संबंधित

लघु शोध प्रबंध कार्य के क्रेडिट में सम्मिलित: लघु शोध प्रबंध कार्य पाठ्यक्रम के विभिन्न सेमेस्टर में वितरित रहेगा, किंतु इससे संबंधित विभिन्न क्रियाकलापों के मूल्यांकन से प्राप्त अंकों की रेपोर्टिंग अंतिम यानि चतुर्थ सेमेस्टर में ही की जाएगी। अतः लघु शोध प्रबंध के क्रेडिट को चतुर्थ सेमेस्टर में सम्मिलित किया गया है।

सेमेस्टर-II (20 क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**एमईडी 05**	शैक्षिक सिद्धांत	4/100	25	75
2.	**एमईडी 06**	अध्यापक शिक्षा: दृष्टिकोण, नीति एवं अभ्यास	4/100	25	75
3.	**एमईडी 07**	शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधियां	4/100	25	75
4.	**एमईडी 08**	अकादमिक लेखन	2/50	25	75
5.	**एमईडीई 02**	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'ब'- विज्ञान/सामाजिक विज्ञान/गणित/भाषा का उच्च शिक्षण शास्त्र	4/100	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	**प्रायोगिक**	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
7.	**हिंदी भाषा में दक्षता (भाषा विद्यापीठ द्वारा)**				
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-II)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	'भारतीय शिक्षा दर्शन' पर परिचर्चा *	-भारतीय शैक्षिक विचारकों के शैक्षिक सिद्धांत तथा वर्तमान शिक्षा में इसके निहितार्थ पर परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
2.	'अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में नवोन्मेष' विषय पर कार्यशाला **	-सेवापूर्व तथा सेवारत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में नवाचारी अभ्यास से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
3.	'परिमाणात्मक अनुसंधान अभिकल्प' विषय पर कार्यशाला***	-प्रयोगात्मक, सर्वेक्षण, सह-संबंधी तथा घटनोत्तर शोध अभिकल्प से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता तथा किसी एक शोध अभिकल्प के अनुसार शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण
4.	'सृजनात्मक तथा निर्माणवादी शिक्षणशास्त्र' पर कार्यशाला[#]	-कक्षा से परे अधिगम की संस्कृति/ -संस्कृति संवेदनशील शिक्षण शास्त्र/ -निर्माणवादी कक्षा की अवधारणा/ -अभिनय शिक्षणशास्त्र संबंधी अधिगम प्रारूप का निर्माण
3.	'अकादमिक लेखन' पर कार्यशाला[##]	-शोध पत्र, आलेख, पुस्तक समीक्षा, मोनोग्राम आदि का लेखन /एवं प्रकाशन
4.	अपने अभिरुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य की समीक्षा, शोध समस्या का चयन तथा शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं शोध संवाद में प्रस्तुति[###]	-'संबंधित शोध साहित्य समीक्षा लेखन' विषय पर कार्यशाला में सहभागिता एवं प्रलेखन -'शोध प्रस्ताव लेखन' विषय पर कार्यशाला में सहभागिता एवं प्रलेखन -लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित साहित्य समीक्षा तथा शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं शोध संवाद में प्रस्तुति

नोट :* शैक्षिक सिद्धांत विषय-पत्र से संबंधित

** अध्यापक शिक्षा: दृष्टिकोण, नीति एवं अभ्यास विषय-पत्र से संबंधित

*** शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधियां विषय-पत्र से संबंधित

[#] विज्ञान/ सामाजिक विज्ञान/गणित/भाषा का उच्च शिक्षण शास्त्र विषय-पत्र से संबंधित

[##] अकादमिक लेखन विषय-पत्र से संबंधित

[###] लघु शोध प्रबंध कार्य के क्रेडिट में सम्मिलित

सेमेस्टर-III (20 क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**एमईडी 09**	शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य	4/100	25	75
2.	**एमईडी 010**	पाठ्यचर्या अध्ययन	4/100	25	75
3.	**एमईडी 011**	शिक्षा में गुणात्मक शोध विधि	4/100	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
4.	**प्रायोगिक**	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	--
5.	**क्षेत्र कार्य**	प्रशिक्षण/ क्षेत्र कार्य#	6/150	100	--
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-III)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	'शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य'विषय पर परिचर्चा *	-शिक्षा बजट, भारतीय शिक्षा पद्धति पर मैकाले के प्रभाव, शिक्षा का राजनीतिकरण आदि विषयों पर परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
2.	'विभिन्न प्रकार के पाठ्यचर्या मॉडल' पर कार्यशाला **	-वर्तमान विद्यालयी शिक्षा में प्रचलित पाठ्यचर्या मॉडल -सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा से संबंधित पाठ्यचर्या मॉडल पर विचारशील चिंतन एवं किसी एक मॉडल के अनुसार पाठ्यचर्या प्रारूप का निर्माण
3.	'गुणात्मक शोध अभिकल्प' विषय पर कार्यशाला ***	-गुणात्मक शोध विधियां एवं प्रविधियां/ -गुणात्मक आकड़ों के विश्लेषण की तकनीक से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता तथा किसी एक गुणात्मक विधि/प्रविधि/तकनीक के आधार पर शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण
4.	पूर्व इंटर्नशिप उन्मुखीकरण कार्यक्रम#	-शिक्षण कौशल और अनुकरणीय (सिमुलेटेड) शिक्षण अभ्यास के दौरान अध्येताओं (बी.एड. प्रशिक्षुओं) का पर्यवेक्षण एवं प्रलेखन
5.	कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन /शिक्षा संस्थान / शिक्षा विभाग में इंटर्नशिप/क्षेत्र कार्य#	-विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान अध्येताओं (बी.एड. प्रशिक्षुओं) का पर्यवेक्षण एवं रिपोर्टिंग -अध्येताओं के दैनिक रिकॉर्ड का अनुरक्षण एवं रिपोर्टिंग -अध्यापक शिक्षा संस्थान में अभ्यास शिक्षण एवं सह-शैक्षणिक गतिविधि का आयोजन एवं रिपोर्टिंग
6.	प्रतिष्ठित अध्यापक शिक्षा संस्थान का क्षेत्र अध्ययन#	किसी एक प्रतिष्ठित अध्यापक शिक्षा संस्थान की संरचना एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन एवं रिपोर्टिंग
8.	शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास##	-'शोध उपकरण का चयन, निर्माण एवं प्रमापीकरण' विषय पर कार्यशाला में सहभागिता एवं प्रलेखन -लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध उपकरण का निर्माण एवं शोध संवाद में प्रस्तुति

नोट : * शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य विषय-पत्र से संबंधित

** पाठ्यचर्या अध्ययन विषय-पत्र से संबंधित; *** शिक्षा में गुणात्मक शोध विधि विषय-पत्र से संबंधित; # प्रशिक्षण/क्षेत्र कार्य में सम्मिलित

##लघु शोध प्रबंध कार्य में सम्मिलित

सेमेस्टर-IV ((क्रेडिट 20

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत/बाह्य मूल्यांकन (अधिभार%)
		मूल पाठ्यचर्या			
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**एमईडीई 03**	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'स'-I:निम्न में से कोई एक: मूल्य शिक्षा/ द्वन्द समाधान के लिए शिक्षा /विज्ञान शिक्षा का दर्शन / गणित शिक्षा का दर्शन / शैक्षिक प्रौद्योगिकी	4/100	25	75
2.	**एमईडीई 04**	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'स'-II: शैक्षिक मापन और मूल्यांकन/ समावेशी शिक्षा/ प्रदर्शनकारी कला और शिक्षा /सामाजिक सिद्धांत / शिक्षा में विकल्प/ निमार्णवादी शिक्षा/मानवाधिकार और शांति शिक्षा/ शैक्षिक प्रबंधन, नियोजन और वित्त शिक्षा / शैक्षिक नेतृत्व और प्रशासन/ शैक्षिक मार्गदर्शन और परामर्श / भारतीय दर्शन और शिक्षा	4/100	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
3.	**प्रायोगिक**	प्रायोगिक क्रियाएं			
4.	**लघु शोध प्रबंध**	लघु शोध प्रबंध कार्य***	8/200	37.50	62.50
		ऐच्छिक पाठ्यचर्या			
5.	**ऐच्छिक**	स्वयं या अन्य किसी ऑनलाइन प्लैटफ़ार्म से कोई एक मूक्स कोर्स पूरा करना /अन्य विभाग या विद्यापीठ से कोई विषय	4/100	25	75
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-IV)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	चयनित विषय-पत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिचर्चा *	परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन की प्रस्तुति
2.	चयनित विषय-पत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिचर्चा **	परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन की प्रस्तुति
3.	लघु शोध प्रबंध पूर्व प्रस्तुतीकरण संगोष्ठी***	- लघु शोध प्रबंध पूर्व प्रस्तुतीकरण संगोष्ठी में अंतिम शोध कार्य रिपोर्ट की प्रस्तुति
4.	लघु शोध प्रबंध जमा***	-लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी

नोट : * मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'स'-I विषय-पत्र के क्रेडिट में सम्मिलित
** मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'स'-II विषय-पत्र के क्रेडिट में सम्मिलित
*** लघु शोध प्रबंध कार्य में सम्मिलित

लघु शोध प्रबंध के लिए क्रेडिट का विभाजन

क्र.	सेमेस्टर	गतिविधियों के अवयव	क्रेडिट
1.	I	महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति	1
2.	II	अपने रुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य का अध्ययन एवं समीक्षा, शोध समस्या का चयन एवं शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुति	1
3.	III	शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास/शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण	1
4.	IV	प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम; शोध कार्य लेखन, जमा पूर्व लघु शोध प्रबंध संगोष्ठी एवं लघु शोध प्रबंध जमा (लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी)	5
कुल क्रेडिट			**8**

नोट: लघु शोध प्रबंध से संबंधित कार्य प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ सेमेस्टर (पूर्ण सेमेस्टर) में विभाजित होंगे |
लघु शोध प्रबंध कार्य के 8 क्रेडिट के अंक चतुर्थ सेमेस्टर में जोड़ें जायेंगे|

एम.एड. पाठ्यक्रम (2020-22) के लघु शोध प्रबंध कार्य (8 क्रेडिट= 200 अंक) के अंतर्गत विद्यार्थियों के आकलन हेतु मानदंड:

- महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति - 25 अंक (आतंरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- संबंधित शोध साहित्य समीक्षा एवं शोध प्रस्ताव - 25 अंक (बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन)
- प्रदत्तों के संकलन हेतु उपकरणों का चयन, निर्माण एवं प्रमापीकरण/शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण- 25 अंक (आतंरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व-प्रस्तुति- 25 अंक (आतंरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट का मूल्यांकन एवं मौखिकी- (50+50) अंक =100 अंक (बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन)

इस प्रकार संपूर्ण लघु शोध प्रबंध कार्य का मूल्यांकन आतंरिक तथा बाह्य परीक्षकों के संस्तुति के आधार पर किया जाएगा तथा लघु शोध प्रबंध कार्य के मूल्यांकन के अंकों को चौथे सेमेस्टर के अंक-पत्र में जोड़ा जाएगा| शोध प्रबंध कार्य के मूल्यांकन का अधिभार निम्नवत होगा-

आतंरिक मूल्यांकन (37.50%- 3 क्रेडिट) + बाह्य मूल्यांकन (62.50%- 5 क्रेडिट)

नोट: विद्यार्थियों द्वारा शोध प्रस्ताव का अनुमोदन इस हेतु गठित समिति के द्वारा किया जाएगा। आवश्यकतानुसार बाह्य परीक्षक इस समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किए जायेंगें।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*अध्येता तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#अध्येता द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. प्रायोगिक पाठ्यचर्या के अंतर्गत सम्मिलित विभिन्न सैद्धांतिक विषय-पत्रों से संबंधित प्रायोगिक क्रियाओं (परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य) तथा प्रशिक्षुता कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों का मूल्यांकन

प्रतिवेदन लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित अंक प्रतिशत	50%	30%	**20%**

प्रथम सेमेस्टर (First Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम: ज्ञानमीमांसीय एवं शैक्षिक अध्ययन
Name of the Course: Epistemological and Educational Studies

2.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 01

3.क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): प्रथम

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **ज्ञान एवं शिक्षा:** यह पाठ्यचर्या अधिगमकर्ता को भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण से ज्ञान, अधिगम, चिंतन, मूल्य निरूपण एवं अस्तित्व की अवधारणा की चर्चा करती है |
- **शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति:** यह पाठ्यचर्या अधिगमकर्ता को शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति: विभिन्न विषयों-जैसे दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, विज्ञान आदि के साथ शिक्षाशास्त्र का संबंध का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है |
- **ज्ञान और उसका संदर्भ:** इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत विद्यालयी ज्ञान एवं विद्यालय के बाहर के जीवन का ज्ञान; अनुभवात्मक ज्ञान(Experiential knowledge) एवं अनुभवजन्य ज्ञान(Empirical knowledge)को अधिगमकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करती है |
- **शिक्षा, शिक्षण और अधिगम, शिक्षक और शिक्षार्थी संबंधित समकालीन विचार:** ज्ञान के सृजनकर्ता के रूप में शिक्षक एवं शिक्षार्थी, सतत व न्यायसम्मत विकास तथा समावेशी शिक्षा का दर्शन को समीक्षात्मक विवरण के रूप में प्रस्तुत करती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण से ज्ञान, अधिगम, चिंतन, मूल्य निरूपण एवं अस्तित्व की अवधारणा की समझ विकसित करने की क्षमता|
2. शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति: विभिन्न विषयोंजैसे दर्शनशास्त्र-, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, विज्ञान आदि के साथ शिक्षाशास्त्र का संबंध का समालोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता |
3. अनुभवात्मक ज्ञान (Experiential knowledge) एवं अनुभवजन्य ज्ञान (Empirical knowledge); विद्यालयी ज्ञान एवं विद्यालय के बाहर के जीवन का ज्ञान एवं सामुदायिक ज्ञान पहचाने की दक्षता |

4. ज्ञान के सृजनकर्ता के रूप में शिक्षक एवं शिक्षार्थी ,सतत व न्यायसम्मत विकास तथा समावेशी शिक्षा का दर्शन को आलोचनात्मक समीक्षा की दक्षता |
5. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 के अनुसार पूर्व ज्ञान के आधार पर नये ज्ञान निर्माण करने की कुशलता |
6. अधिगमकर्ता के परिसर से सम्बंधित प्रदतों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता |
7.कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |
8.समूह गतिशिलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... .** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**ज्ञान एवं शिक्षा** • ज्ञान की अवधारणा की समझ: भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण • ज्ञान, अधिगम, चिंतन, मूल्य निरूपण एवं अस्तित्व की अवधारणा • ज्ञान एवं सूचना • ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ • सीमा रहित ज्ञान • ज्ञान एवं शिक्षणशास्त्र: निर्माणवादी एवं वैकल्पिक दृष्टिकोण	10	2	3	15	25

मॉड्यूल-2	**शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति** ● विभिन्न ज्ञानानुशासनों की अवधारणा का उद्भव ● एक ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षाशास्त्र का समालोचनात्मक विश्लेषण ● शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति: विभिन्न विषयों –जैसे दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, मनोवविज्ञान, संचार अध्ययन, जीव विज्ञान आदि के साथ शिक्षाशास्त्र का संबंध, उदारवादी शिक्षा की अवधारणा, वृत्तिक व व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education and Professional Education) का अर्थ एवं महत्व	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-3	**ज्ञान और उसका संदर्भ** ● विषयवस्तु संबंधी ज्ञान - एवं शिक्षणशास्त्रीय ज्ञान ● विद्यालयी ज्ञान एवं विद्यालय के बाहर के जीवन का ज्ञान	10	2	3	15	25

	• विद्यालयी ज्ञान एवं सामुदायिक ज्ञान • अनुभवात्मक ज्ञान (Experiential knowledge) एवं अनुभवजन्य ज्ञान (Empirical knowledge) • कार्य, चिंतन एवं कार्य के परिणामस्वरूप ज्ञान • सैद्धान्तिक ज्ञान एवं व्यावहारिक ज्ञान • सार्वभौमिक व प्रासंगिक ज्ञान					
मॉड्यूल-4	**शिक्षा, शिक्षण और अधिगम, शिक्षक और शिक्षार्थी संबंधित समकालीन विचार** • शिक्षा के चार स्तम्भ (डेलर्स कमीशन रिपोर्ट) • अर्थ लक्ष्य की खोज के रूप में अधिगम • ज्ञान के सृजनकर्ता के रूप में शिक्षक एवं शिक्षार्थी. • सतत व न्यायसम्मत विकास तथा समावेशी शिक्षा	10	2	3	15	25

	का दर्शन • बहुसांस्कृतिक और विविध शिक्षण अधिगम					
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम **2.** आगमनात्मक उपागम **3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम **5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक **7.**सहयोगपूर्ण **8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**1.**दार्शनिक चिंतन **2.** व्याख्यान-सह चर्चा **3.** सहयोगात्मक अधिगम **4.** ऐतिहासिक विधि **5.** पृच्छा आधारित अधिगम **6.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.**शोध आलेखों की समीक्षा **2.** संगोष्ठी/परिचर्चा, **3.**व्यष्टि अध्ययन **5.** व्याख्यान-सह-चर्चा, **6**. केंद्रित समूह चर्चा, **7**.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, **8.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,

उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	X	-	-	X
8	X	X	-	-	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• MHRD (1992), *National Policy on Education 1986 (Revised)*. New Delhi: MHRD, Gov. of India. • MHRD (1992), Programme of Action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy on Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Naik, J.P. (1975). *Equality, Quality and Quantity: The Elusive Triangle of Indian Education.* Bombay:Allied Publications. • Peters, R.S. (Ed), (1975). *The Philosophy of Education*. Oxford University Press, London. • Beyer, L.E. (Ed.) (1996) *Creating Democratic Classrooms: The Struggle to Integrate Theory and Practice.* NewYork:

		Teachers College Press. • Butchvarov, P. (1970), *The Concept of Knowledge*. Evanston, Illinois: North Western University Press. • Heyes, D., Hills, M., Chistie, P. and Lingard, B. (2007), *Teachers and Schooling: Making a Difference.* Australia: Allen and Unwin. • Delors, Jacques, et al; (1996). Learning: The Treasure within Report of the International Commission on Education for 21st century, UNESCO. • Freire, Paulo (1970). *Pedagogy of the Oppressed*. New York: Continuum. • Freire, P. and Shor, I. (1987). *A Pedagogy of Liberation*. London: Macmillan Education. • Slatterry, Patrick and Dana Rapp. (2002). *Ethics and the Foundations of Education- Teaching Convictions in a Postmodern World.* Allyn & Bacon. • Wall, Edmund (2001). *Educational Theory: Philosophical and Political Perspectives.* Prometheus Books. • Winch, C. (1st edition). (1996). *Key Concepts in the Philosophy of Education*. London: Routledge.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: अधिगम और विकास का मनोविज्ञान
(Name of the Course) Psychology of Learning and Development

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडी 02
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **मनोविज्ञान की प्रकृति तथा अधिगमकर्ता का विकास:** यह इकाई अधिगमकर्ता के संदर्भ का आकलन करने की प्रविधियों, उसके विकास की विभिन्न अवस्थाओं एवं संबन्धित सिद्धांतों का बोध कराती है |
- **अधिगम के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य:** इस इकाई के अंतर्गत संज्ञानात्मक मनोविज्ञान तथा निर्माणवादी अधिगम की उपादेयता की दृष्टि से अधिगम की प्रक्रिया एवं सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है |
- **अधिगमकर्ता में व्यक्तिगत विभिन्नता:** इस इकाई के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के विभिन्न सैद्धांतिक पक्षों तथा संप्रत्ययों को अध्येताओं के समक्ष रखा गया है | इस इकाई के माध्यम से सृजनात्मकता के संप्रत्यय एवं घटकों से अध्येताओं को परिचित कराती है और उन्हें व्यक्तियों में सृजनात्मकता की वृद्धि हेतु प्रोत्साहित करती है |
- **अनुदेशात्मक विन्यास में सामूहिक गतिशीलता:** यह इकाई अनुदेशनात्मक विन्यास में सामूहिक गतिशीलता के विभिन्न पहलुओं को पहचानने के लिए अध्येताओं को अभिप्रेरित करती है तथा समूह अध्ययन की विभिन्न प्रविधियों से परिचित कराती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- अधिगमकर्ता के संदर्भ का आकलन करते हुए उसके विकास की विभिन्न अवस्थाओं एवं संबन्धित सिद्धांतों की समझ का विकास |
- संज्ञानात्मक मनोविज्ञान तथा निर्माणवादी अधिगम की उपादेयता की दृष्टि से अधिगम की प्रक्रिया एवं सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता |
- व्यक्तित्व विकास के विभिन्न सैद्धांतिक पक्षों तथा संप्रत्यय का बोध |
- अनुदेशनात्मक विन्यास में सामूहिक गतिशीलता के विभिन्न पहलुओं को पहचानना तथा समूह अध्ययन की विभिन्न प्रविधियों से परिचय |
- अधिगमकर्ता के परिवेश से संबन्धित प्रदतों को एकत्रित करने तथा विवेचना करने की क्षमता |

- कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |
- अधिगमकर्ता में सृजनात्मकता को विकसित करने की अभिवृत्ति|
- समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**मनोविज्ञान की प्रकृति तथा अधिगमकर्ता का विकास** शिक्षा में मनोविज्ञान की अवधारणा तथा उपादेयता, अधिगमकर्ता को समझने की विधियाँ (अवलोकन, अंतर्दृष्टि और बाह्यदृष्टि), शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षण में सम्बन्ध	**2**	**0**	**0**	**2**	**3.33**
मॉड्यूल-2	व्यक्तिगत विभिन्नता के अध्ययन में शैक्षिक मनोविज्ञान की भूमिका	**1**	**0**	**1**	**2**	**3.33**
मॉड्यूल-3	**मानव विकास की अवस्थाएँ** अधिगमकर्ता की वृद्धि और विकास की अवधारणा तथा विभिन्न अवस्थाएं तथा शिक्षण और अधिगम में इसकी उपादेयता	**2**	**0**	**0**	**2**	**3.33**

मॉड्यूल-4	पियाजे के संज्ञानात्मक विकास की अवधारणा तथा इसका आलोचनात्मक विश्लेषण	**2**	**0**	**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-5	वाग्गात्सकी का सामाजिक –सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य	**1**	**1**	**0**	**2**	**3.34**
मॉड्यूल-6	ब्रोंफेंब्रेनर का सामाजिक सन्दर्भ	**1**	**1**	**0**	**2**	**3.34**
मॉड्यूल-7	कोहलबर्ग का नैतिक विकास का सिद्धान्त	**1**	**0**	**1**	**2**	**3.33**
मॉड्यूल-8	**अधिगम के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य** अधिगम की आवश्यकताओं की पहचान करना और विभिन्न परिस्थितिओं में अधिगम का स्थानांतरण	**1**	**0**	**0**	1	**1.67**
मॉड्यूल-9	ब्रूनर और बंडूरा, गैगने(**Gagne**) का अधिगम – अनुक्रम सिद्धान्त के विशेष सन्दर्भ में अधिगम का व्यवहारात्मक , संज्ञानात्मक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य , अधिगमशैली , भावनात्मक और व्यवहार विकार	**3**	**1**	**1**	**5**	**8.33**
मॉड्यूल-10	स्मृति , याद करना और भूलना , संकल्पना और अधिगम में इनके प्रयास	**2**	**1**	**0**	**3**	**5**
मॉड्यूल-11	ज्ञानात्मक प्रक्रिया : अवधारणा बनाना , तार्किक विचार , समस्या हल करना, सृजनात्मक विचार और भाषा विकास	**2**	**0**	**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-12	निर्माणवाद : अवधारणा तथा शिक्षण और अधिगम	**2**	**0**	**1**	**3**	**5**

	प्रक्रिया में इसका उपयोग					
मॉड्यूल-13	**अधिगमकर्ता में व्यक्तिगत विभिन्नता** अवधारणा , शाब्दिक, अशाब्दिक, व्यक्तिगत और सामूहिक परीक्षण के द्वारा बुद्धि का मापन, अनुवांशिकता तथा वातावरण का बुद्धि पर प्रभाव, बहुबुद्धि तथा भावात्मक बुद्धि की अवधारणा	**3**	**0**	**0**	**3**	**5**
मॉड्यूल-14	सृजनात्मकता की अवधारणा , विशेषताएं , तत्व , घटक और विकास ,सृजनात्मकता का मापन , शिक्षा में सृजनात्मकता का महत्व	**1**	**1**	**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-15	व्यक्तित्व का अर्थ ,प्रकृति और विकास , अनुवांशिकता और वातावरणीय चरों की भूमिका , व्यक्तित्व का मापन और सिद्धान्त- गुण सिद्धान्त और प्रकार सिद्धान्त फ्रायड, एडलर ,रोजर और आल्पोर्ट के विशेष सन्दर्भ में	**4**	**1**	**1**	**6**	**10**
मॉड्यूल-16	शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया में अभिप्रेरणा , सकारात्मक अधिगम के लिये वातावरण का निर्माण और उसे कायम रखना	**1**	**0**	**0**	**1**	**1.67**
मॉड्यूल-17	अभिवृत्ति की अवधारणा	**1**	**0**	**1**	**2**	**3.33**

	और उसका मापन , मनोवृत्ति और अभिरुचि |					
मॉड्यूल-18	**अनुदेशात्मक विन्यास में सामूहिक गतिशीलता** समूह – अवधारणा , परिभाषा ,प्रकार और गुण	**2**	**0**	**0**	**2**	**3.33**
मॉड्यूल-19	समूह का निर्माण और कक्षाकक्ष गतिशीलता	**1**	**1**	**0**	**2**	**3.33**
मॉड्यूल-20	समूह प्रक्रिया – अंतःक्रिया , संरचना , संगतता , सामूहिक निमित्त और लक्ष्य , मानकों अथवा व्यवहार का मानकीकरण	**3**	**0**	**1**	**4**	**6.67**
मॉड्यूल-21	समूह का अध्ययन करने की विभिन्न प्रविधियाँ – अवलोकन , समाजमिति, प्रश्नावली , संचयी अभिलेख	**3**	**1**	**1**	**5**	**8.34**
मॉड्यूल-22	सामूहिक संघर्ष और समस्या का हल निकालना	**1**	**0**	**1**	**2**	**3.33**
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक • निगमनात्मक • निर्माणवादी • चिंतनशील • समेकित/एकीकृत • अंतरानुशासनिक • सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा

	• विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण • पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति, • ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) • ई-संसाधन • शोध पत्र • स्मार्टबोर्ड • मानकीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है , उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X
8.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Mathur, S.S. (1986): Educational Psychology, Revised and Enlarged Text Edition, Vinod PustakMandir, Agra. • सिंह, अरुण कुमार (2017): शिक्षा मनोविज्ञान. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली |
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Segal, J.W. Chipman, S.F., & Glaser, R. (1985). Thinking and learning skills: Relating Instruction to Basic Research. (Vol. I). Hillsdale, NJ: Erlbaum. • Synder, C.R. & Shane J. Lopez (2007). Positive psychology. SAGE Publications. U.K. • Woolfolk, Misra,Jha(2012). Fundamentals of Educational Psychology (10th Ed.).New Delhi:Pearson.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. **पाठ्यचर्या का नाम: शैक्षिक अनुसंधान की आधारभूत अवधारणा**
   (Name of the Course) Fundamental Basis of Educational Research

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. **पाठ्यचर्या का कोड: एमईडी 03**
   (Code of the Course)

3. **क्रेडिट: 04** **(Credit)**

4. **सेमेस्टर: प्रथम** **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **शैक्षिक अनुसंधान की अवधारणा:** यह इकाई शिक्षा में शोध के संप्रत्यय एवं विभिन्न प्रकारों का वर्णन करती है | साथ ही शोध में आने वाली चुनौतियों से भी अध्येताओं को परिचित कराती है |
- **शोध समस्या, परिकल्पना और प्रतिचयन:** शोध समस्या के अध्ययन के विभिन्न सोपनों एवं परिकल्पना निर्माण तथा प्रतिचयन प्रविधियों को प्रस्तुत करने के साथ-साथ यह इकाई अध्येताओं को स्वयं से इन संप्रत्ययों के अनुप्रयोग हेतु अभिप्रेरित करती है |
- **शोध अभिकल्प एवं शोध विधियाँ** : यह इकाई शोध पैराडाइम के संप्रत्यय एवं विभिन्न प्रकारों को प्रस्तुत करते हुए तदानुसार शोध अभिकल्प के चयन के स्तर पर आने वाले परिवर्तनों का वर्णन करती है | इस इकाई के माध्यम से ऐतिहासिक, वर्णनात्मक एवं प्रयोगात्मक शोध अभिकल्पों की भी व्यापक चर्चा करती है | शोध पैराडाइम तथा विभिन्न शोध अभिकल्पों के अवबोध के आधार पर समस्या के अनुरूप उसका अनुप्रयोग कर शोध के निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए अध्येताओं को प्रोतसाहित करती है |
- **शोध के उपकरण एवं प्रविधियाँ और शोध लेखन :** इस इकाई में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न शोध उपकरणों एवं प्रविधियों पर विस्तृत चर्चा की गयी है तथा उनके निर्माण, विकास एवं अनुप्रयोग में अंतर्निहित विभिन्न अवधारणों को प्रस्तुत किया गया है | यह इकाई शोध उपकरण की विश्वसनीयता एवं वैधता की भी व्याख्या करती है | शोध प्रस्ताव एवं शोध प्रतिवेदन लेखन का समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- शिक्षा में शोध के संप्रत्यय एवं विभिन्न प्रकारों की समझ |
- शोध समस्या के अध्ययन के विभिन्न सोपनों से परिचय |

- प्रदत्त संकलन में प्रयुक्त होने वाली प्रविधियों का अवबोध |
- शोध पैराडाइम तथा विभिन्न शोध अभिकल्पों से परिचित होते हुए समस्या के अनुरूप उसका अनुप्रयोग कर शोध के निष्कर्ष तक पहुँचने का ज्ञान |
- शिक्षा में शोध के लिए अभिवृत्ति |
- शिक्षा के उभरते क्षेत्रों पर शोध समस्याओं के निर्माण की क्षमता |
- उचित शोध विधि का उपयोग करने के कौशल का प्रदर्शन |
- शोध उपकरणो के निर्माण की दक्षता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**शैक्षिक अनुसंधान की अवधारणा** ● शैक्षिक शोध: अर्थ, विशेषता, प्रक्रिया एवं क्षेत्र ● शिक्षा में शोध का महत्त्व एवं चुनौतियां	4	0	0	4	6.67
मॉड्यूल-2	● शोध के प्रकार: मौलिक, प्रयुक्त एवं क्रियात्मक शोध	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-3	● गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध	3	1	2	6	10
मॉड्यूल-4	शोध समस्या, परिकल्पना और प्रतिचयन ● शोध समस्या-परिभाषा, चयन	2	0	0	2	3.33

	प्रक्रिया, समस्या चयन के स्रोत, समस्या कथन					
मॉड्यूल-5	• संबंधित साहित्य- उद्देश्य, संबंधित साहित्य के स्रोत के प्रकार, संबंधित साहित्य का संगठन एवं समीक्षा	1	1	0	2	3.33
मॉड्यूल-6	• परिकल्पना- अर्थ, विशेषताएं, महत्त्व, निर्माण	2	0	1	3	5
मॉड्यूल-7	• परीक्षण-सार्थकता स्तर एवं त्रुटियाँ	2	1	**1**	4	6.67
मॉड्यूल-8	• प्रतिचयन- अवधारणा, महत्त्व, प्रतिनिधि प्रतिदर्श की विशेषताएं, प्रतिचयन के प्रकार- संभाव्य एवं गैर संभाव्य प्रतिचयन	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-9	**शोध अभिकल्प एवं शोध विधियाँ** • शोध के पैराडाइम एवं संबंधित शोध अभिकल्प	3	1	0	4	6.67
मॉड्यूल-10	• शोध विधियाँ- ऐतिहासिक, वर्णनात्मक एवं प्रयोगात्मक: सोपान, उपयोगिता एवं सीमाएं	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-11	प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प- पूर्व, सत्य, अर्द्ध एवं समय-श्रृंखला अभिकल्प	4	1	2	7	11.66

मॉड्यूल-12	**शोध के उपकरण एवं प्रविधियाँ और शोध लेखन** ● गुणात्मक एवं मात्रात्मक आँकड़ों के संग्रहण हेतु उपकरण एवं प्रविधियाँ- परीक्षण, प्रश्नावली, अनुसूची, चेक-लिस्ट, इंवेंटरी, निर्धारण मापनी, एनेकडॉट, फील्ड नोट, अवलोकन, साक्षात्कार, फोकस समूह चर्चा, विषय वस्तु विश्लेषण	6	1	2	9	15
मॉड्यूल-13	● शोध उपकरण की वैधता, विश्वसनीयता एवं वस्तुनिष्ठता	2	1	0	3	5
मॉड्यूल-14	● शोध प्रस्ताव एवं शोध प्रतिवेदन लेखन	2	0	1	3	5
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● निर्माणवादी ● चिंतनशील ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासनिक

	• सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा • विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण • पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • विषय-वस्तु विश्लेषण • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति, • ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) • ई-संसाधन • शोध पत्र • स्मार्टबोर्ड • मानकीकृत परीक्षण एवं शोध उपकरण • पूर्व में किए गए शोध

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X		X		X	X
5.	X	X	X		X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X		X	X
8.	X	X	X		X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Best J.W. (1999). Research in Education. Prentice Hall of India Pvt.Ltd: New Delhi.

		• सिंह, अरुण कुमार (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली | • गुप्ता, एस. पी. (2011). अनुसंधान संदर्शिका. शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद। • गुप्ता, एस. पी. (2017). आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन. शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Edwards, A.L., (1957). Techniques of Attitudes Scale Construction. New York • Garrett, H.E. (2004) . Statistics in Education and Psychology. Paragon International Publishers: New Delhi. • Sharma, R.A: (2007). Essentials of Measurement in Education and Psychology. Surya Publication: Meerut. • आहूजा (2015). सामाजिक अनुसंधान. रावत पब्लिकेशन्स: नई दिल्ली।
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx • www.inflibnet.ac.in

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी)
(Name of the Course) Information and Communication Technology (ICT) in Education

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	2
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	4
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	30

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडी 04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 02 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **शिक्षण प्रक्रिया में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी:** यह इकाई शिक्षा, शिक्षण प्रक्रिया, विद्यालय एवं ज्ञान निर्माण में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के महत्व एवं भूमिका पर व्यापक चर्चा प्रस्तुत करती है एवं विद्यालय में विद्यमान चुनौतियों की समीक्षा तथा विश्लेषण करने के लिए अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है |
- **संप्रेषण एवं शिक्षण-अधिगम:** यह इकाई सम्प्रेषण की अवधारणा, प्रक्रिया, घटक एवं प्रकार का वर्णन करती है तथा अध्येताओं को कक्षा-कक्ष सम्प्रेषण को प्रभावशाली बनाने की युक्तियों की चर्चा करती है |
- **ई-शिक्षण की प्रस्तावना एवं शिक्षा तथा स्वयं अधिगम की तकनीक:** यह इकाई वैद्युतिक स्व अनुदेशन कार्यक्रम, संगणक सहकृत अधिगम(CAL), संगणक सहकृत अनुदेशन (CAI), संगणक नियन्त्रित अनुदेशन (CMI) जैसे संप्रत्ययों की समीक्षात्मक एवं अनुप्रोयगात्मक व्याख्या करने के साथ-साथ अध्येताओं को ई अधिगम, वेब-आधारित शिक्षण, आभासी कक्षा तथा सहयोगात्मक अधिगम के अनुप्रयोग हेतु अभिप्रेरित करती है।
- **अन्तर्जाल/अन्तरराष्ट्रीय संगणक तन्त्र का मूल तत्व:** यह इकाई शिक्षा में प्रभावी साधन के रूप में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के समायोजन के द्वारा क्रान्तिकारी परिवर्तन / अन्तरण की व्याख्या करती है और अध्येताओं को अन्तर्जाल व्यवहार के विवादास्पद पक्षों जैसे- सूचना की प्रामाणिकता, व्यसनात्मक प्रयोग(Addiction), साहित्यिक चोरी(Plagiarism) आदि से परिचित कराती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- विभिन्न युक्तिपूर्ण विचारों को कक्षाओं मे प्रयोग करने का अवबोध |
- सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के कक्षागत प्रयोग की समझ |
- सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी की शिक्षा में व्याप्ति एवं आवश्यकता के विषय में विद्यार्थियों में अन्तदृष्टि का विकास |
- शिक्षा में प्रभावी साधन के रूप में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के समायोजन के द्वारा क्रान्तिकारी परिवर्तन / अन्तरण की कल्पना शक्ति |
- सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान |
- प्रभावी सम्प्रेषण का प्रदर्शन |
- सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के उपयोग की दक्षता |
- समकालीन परिस्थितियों में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी को समावेशी एवं सर्वव्यापी शिक्षा सुनिश्चित करने के माध्यम के रूप में स्वीकार करने की तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**शिक्षण प्रक्रिया में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी** सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी – अर्थ, व्याप्ति, महत्व, स्रोत, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में प्रयोग।	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-2	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी की आवश्यकता एवं व्याप्ति – शैक्षिक, प्राशासनिक एवं शोध क्रियाएँ	2	½	1	3.5	11.67

मॉड्यूल-3	विद्यालयी शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के समावेशन में चुनौतियाँ।	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-4	ज्ञान के निर्माण में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी की संभावना।	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-5	**संप्रेषण एवं शिक्षण-अधिगम** संप्रेषण की अवधारणा, प्रक्रिया एवं प्रकार,	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-6	संप्रषण की प्रकृति एवं व्याप्ति – प्रेषक, ग्रहणकर्ता, संदेश, माध्यम	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-7	संप्रेषण के सिद्धान्त	1	0	०	1	3.33
मॉड्यूल-8	संप्रेषण की परिस्थिति – एक से एक, लघु समूह संप्रेषण, लोक/ जन संप्रेषण	1	०	1	2	6.67
मॉड्यूल-9	कक्षा संप्रेषण में प्रभावात्मकता	1	½	1	2.5	8.34
मॉड्यूल-10	**ई-शिक्षण की प्रस्तावना एवं शिक्षा तथा स्वयं अधिगम की तकनीक** वैद्युतिक स्व अनुदेशन कार्यक्रम, संगणक सहकृत अधिगम(CAL), संगणक सहकृत अनुदेशन (CAI), संगणक नियन्त्रित अनुदेशन (CMI)	1	½	0	1.5	5
मॉड्यूल-11	अभिक्रमित अधिगम अथवा वैयक्तिक अनुदेशन, ऑनलाइन वैयक्तिक अनुदेशन	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-12	ई अधिगम – संप्रत्यय एवं प्रकृति, वेब-आधारित	1	0	0	1	3.33

	शिक्षण, आभासी कक्षा।					
मॉड्यूल-13	दृश्य-श्रव्य उपकरणों का अन्तःक्रियात्मक / पारस्परिक प्रभावात्मक प्रयोग, वेब 2.0 तकनीक	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-14	सहयोगात्मक अधिगम।	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-15	**अन्तर्जाल/अन्तरराष्ट्रीय संगणक तन्त्र का मूल तत्व** इंटरनेट एवं इंट्रानेट (वैयक्तिक तन्त्र) का संप्रत्यय – लैन(स्थानीय तन्त्र), मैन (वृहत् क्षेत्रीय तन्त्र), वैन (विस्तृत क्षेत्रीय तन्त्र)	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-16	वर्ल्ड वाइड वेब, वेब साइट, वेब पेज, अन्तर्जाल संपर्क (Internet connectivity)	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-17	ऑनलाइन दृश्य श्रव्य संचार, वैद्यूतिक ग्रन्थालय, ब्लॉग, विकि, अन्तर्जाल संगोष्ठी / वाक्पीठ, वार्ता समूह, शैक्षणिक वाक्पीठ	1	½	0	1.5	5
मॉड्यूल-18	अधिगम संसाधन के रूप में चल दूरभाष यन्त्र (Mobile), भारत आधारित शैक्षणिक जाल स्थलों(वेब साइट) का सर्वेक्षण	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-19	अन्तर्जाल व्यवहार का विवाद् - सूचना की प्रामाणिकता, व्यसनात्मक प्रयोग(Addiction),	1	0	1	2	6.67

	साहित्यिक चोरी(Plagiarism)					
योग		**20**	**2**	**8**	**30**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक • निगमनात्मक • निर्माणवादी • चिंतनशील • समेकित/एकीकृत • अंतरानुशासनिक • सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा • विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण • पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति, • ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट)

	• ई-संसाधन • शोध पत्र • स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है , उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X		X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X		X	X
7.	X	X	X		X	X		X
8.	X	X	X	X		X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Agarwal J. C. (2006). Essential of Educational Technology. Teaching and Learning. Vikas Publishing House Pvt. Ltd: New Delhi. • पापाराव, एन. (2017) शैक्षिक तकनीक एवं प्रबंधन. सदिव्य प्रकाशन: भिलाई। • पांडे, के. पी. (1999) शिक्षण अधिगम की टेक्नालजी . विश्वविद्यालय प्रकाशन: वाराणसी।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Rajaraman, V. (1997). Fundamentals of Computers. Prentice Hall of India Pvt. Ltd.: New Delhi. • Rajasekar, S. Computer Education and Educational Computing. Neelkamal Publications: Hyderabad. • Sharma, R. A. (2008). Technological foundation of education. R.Lall Books Depot: Meerut. • Sharma, R. N. (2008). Principles and Techniques of Education. Surjeet Publications: Delhi. • Srinivasan, T. M. (2002). Use of Computers and Multimedia in education. Aavisakar Publication: Jaipur.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'अ

1.पाठ्यचर्याका नाम :प्राथमिक शिक्षा :विकास, गतिशीलता , मुद्दे और संभावनाएं

(Name of the Course): Primary Education: Develepoment, Dynamics, Issues and Possibilities

2.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई 01

3.क्रेडिट (Credit):04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिटघंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course) एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **प्राथमिक शिक्षा का परिचय :**यह इकाई पाठ्यचर्या अध्येताओं को प्राथमिक शिक्षा की संकल्पना के माध्यम से बच्चों की शिक्षा में उनकी मातृभाषा एवं सामजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की भूमिका से परिचय कराती है|
- **प्राथमिक शिक्षा की स्थिति :** यह इकाई अधिगमकर्ता को आजादी के बाद प्राथमिक शिक्षा की प्रकृति, प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्यों और सम्बंधित विकास का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है|
- **प्राथमिक शिक्षा की नीतियाँ और प्रशासन:**यह इकाई प्राथमिक शिक्षा की लोकव्यापीकरण की वर्तमान स्थिति का आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत करती है |
- **कार्यक्रम और कार्यान्वयन नीतियाँ:** यह इकाई सर्व शिक्षा अभियान से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की आलोचनात्मक समीक्षा करती है|

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning the Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. प्राथमिक शिक्षा की संकल्पना के माध्यम से मातृभाषा एवं सामजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की आलोचनात्मक समझ |
2. आजादी के बाद प्राथमिक शिक्षा की प्रकृति, प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्यों और सम्बंधित विकास का समालोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता |
3. प्राथमिक शिक्षा की लोकव्यापीकरण की वर्तमान स्थिति तथा इससे समबन्धित मुद्दों एवं चुनौतियों के पहचान की दक्षता|
4. सर्व शिक्षा अभियान से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की आलोचनात्मक समीक्षा की दक्षता|
5. अधिगमकर्ता के पृष्ठभूमि से सम्बंधित प्रदतों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता|
6. कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |
7. समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**प्राथमिक शिक्षा का परिचय** • संकल्पनामातृभाषा के , माध्यम से शिक्षण के सन्दर्भ में प्राथमिक प्रकृति और शिक्षा की बहुभाषिक,महत्व संदर्भीकरणविषम , सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि • विकास कार्यबच्चे के : ,विकास पर घरस्कूल और समुदाय से संबंधित कारकों के प्रभाव • शिक्षार्थी और सीखने का वैचारिक विश्लेषण , शिक्षार्थी केन्द्रित गतिविधि,दृष्टिकोण केन्द्रित(कृति) स्वतंत्रता ,दृष्टिकोण और अनुशासन • प्राथमिक शिक्षा में	10	2	3	15	25

	मौजूदा तरीकों पर प्रतिबिंबन • प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान के क्षेत्र					
मॉड्यूल-2	**प्राथमिक शिक्षा की स्थिति** • स्वतंत्रता के पश्चात प्राथमिक शिक्षा की प्रकृति और उसका ध्यान • बचपन की देखभाल और शिक्षा :(.ई.सी.सी.ई) अवधारणा, अर्थ, प्राथमिक शिक्षा में महत्व • महात्मा गाँधी और टैगोर की प्राथमिक शिक्षा के शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता • शिक्षा के संवैधानिक प्रावधान और प्राथमिक शिक्षा के निर्देशक सिध्दांत और उनके निहितार्थ, शिक्षा का अधिकार • प्राथमिक शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE) और ECCE में निर्दिष्ट कार्यवाही की योजना (POA)	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-3	**प्राथमिक शिक्षा की नीतियाँ और प्रशासन** • ,की संकल्पना UEE उद्देश्य अर्थ और महत्व, • प्रारंभिक शिक्षा के लोकव्यापीकरण की वर्तमान (UEE)	10	2	3	15	25

	नामांकन ,प्रवेश) स्थिति (और प्रतिधारणका आलोचनात्मक मूल्यांकन, समानता का सिद्धांत जा,लिंग,बस्ती:ति और अन्य वंचित समूहों के पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी और प्रवासी आबादी में अंतर के सन्दर्भ में • विभिन्न प्रकार के शिक्षार्थियों के प्रवेश और नामांकनऔर मुद्दे: चुनौतियाँ • स्कूल छोड़ने वालों का दर अर्थ एवं – छोड़ने के कारण,गणना • विविध शिक्षार्थियों का उपलब्धी स्तरस्थिति - और मुद्दे					
मॉड्यूल-4	**कार्यक्रम और कार्यान्वयन नीतियाँ** • विकेंद्रीकृत शैक्षिक योजना और प्रबंधनसामुदायिक , सूक्ष्म ,गतिशीलता जिला ,नियोजन प्राथमिक शिक्षा – (DPEP) कार्यक्रम लक्ष्य और रणनीतियाँशैक्षिक , योजना और प्रबंधन में	10	2	3	15	25

	स्थानीय निकायों और ,समुदाय को जोड़ना ग्राम शिक्षा समिति-: भूमिका और कार्य • सर्व शिक्षा अभियान संबंधित राज्य -(SSA) औरराष्ट्रीय स्तर पर नामांकन भागीदारी /प्रतिधारण, और उपलब्धि सुधार हेतु लक्ष्य और विशेष कार्यक्रमों का हस्तक्षेप • वैश्विक परिप्रेक्ष्य में -: ECCEबाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन • मानिटरिंग, दोपहर के भोजन, प्रोत्साहन योजना जैसे- विशिष्ट योजनाओं का मूल्यांकन और अनुसंधान इत्यादि					
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम **2.** आगमनात्मक उपागम **3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम **5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक **7.**सहयोगपूर्ण **8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम

विधियाँ	**1.**दार्शनिक चिंतन **2.** व्याख्यान-सह चर्चा **3.** सहयोगात्मक अधिगम **4.** ऐतिहासिक विधि **5.** पृच्छा आधारित अधिगम **6.**संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.**शोध आलेखों की समीक्षा **2.** संगोष्ठी/परिचर्चा **3.**व्यष्टि अध्ययन **5.**व्याख्यान-सह-चर्चा **6**. केंद्रित समूह चर्चा **7**.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण **8.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट)**3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	-	X	X	X
2	X	X	X	-	X	-	X	X
3	X	X	X	X	X	X	-	X

4	X	X	X	-	X	-	-	X
5	X	X	-	-	X	-	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	-	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. • MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy of Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Government of India (1986), National Policy on Education, New Delhi, MHRD. • Government of India (1987), Programme of Action, New Delhi:

		MHRD. • Government of India (1987), Report of the Committee for Review of National Policy on Education, New Delhi, MHRD. • Hayes, Denis (2008): Primary Teaching Today: An Introduction. Routledge Publications, U.K. • Hurlock, E. (1995). Child Development. McGraw Hill Book Company, USA • Kabra, K.M. (1977), Planning Process in a District, New Delhi: Indian Institute of Public Administration. • Kurrian, J. (1993), Elementary Education in India, New Delhi: Concept Publication. • Lewis, Ramón (2008): Understanding Pupil Behaviour. Routledge Publications, U.K. • MHRD (2001): Convention on the Right of the child. New Delhi. • Mohanty, J. N. (2002): Primary and Elementary Education. Deep & Deep Publications, New Delhi • National Curriculum Framework (NCF)-2005 NCERT, New Delhi. • Rao, V.K. (2007): Universalisation of Elementary Education. Indian Publishers, New Delhi. • Rita Chemicals (2008): Engaging pupil voice to ensure that every child matters: A practical guide. David Fultan Publishers. • Sharma, Ram Nath (2002): Indian Education at the cross road. Shubhi Publications. • Singhal, R.P. (1983) Revitalizing School complex in India, New Delhi. • Tilak, J.B. (1992) Educational Planning at gross roots, New Delhi. • UNESCO (2005): EFA Global Monitoring Report on Quality of Education Finance.
3	ई-संसाधन	• http://www.dise.in/Downloads/Publications/Documents/Urban_2013-14.pdf

		• http://dise.in/Downloads/education-foe-all-in-india-2014-review.pdf • http://dise.in/Downloads/Reports&Studies/GMR2015_FullReport_En.pdf • http://mhrd.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/upload_document/rte.pdf • http://mhrd.gov.in/rte • http://mhrd.gov.in/overview-ee • http://mdm.nic.in/ • http://mhrd.gov.in/sarva-shiksha-abhiyan • http://www.aises.nic.in/surveyoutputs

1.पाठ्यचर्या का नाम: माध्यमिक शिक्षा: विकास, गतिशीलता, मुद्दे और संभावनाएं
(Name of the Course): Secondary Education: Development, Dynamics, Issues and Possibilities
2.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course):एमईडीई01
3.क्रेडिट(credit):04 क्रेडिट
4. सेमेस्टर (Semester): प्रथम
5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):
एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**6**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	**7**
कुल क्रेडिटघंटे	60

- **माध्यमिक शिक्षा की एजेंसी और संगठन:** यह इकाई माध्यमिक शिक्षा पर बने विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों, माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन हेतु कार्यरत विभिन्न एजेंसीयों तथा संगठनों पर व्यापक रूप से चर्चा करती है|
- **माध्यमिक शिक्षा की स्थिति:** यह इकाई भारत में माध्यमिक शिक्षा की स्थितिवर्तमान कार :्यप्रणालीप्रवृत्तियां और , के अनुसार माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत 2005 मुद्दे व एनसीएफकरती है|
- **माध्यमिक शिक्षा पर बनी समितियों और नीतियों के सुझाव:** यह इकाई माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण और इसके अनुप्रयोगन ,विद्यालयी पहुँच -ामांकन धारण और उपलब्धि के मुद्दे ,पर विचारशील चिंतन हेतु अध्येताओं को प्रेरित करती है||
- **माध्यमिक शिक्षा के मुद्दे और सरोकार:** यह इकाई स्कूली विषयों के शिक्षण में आने वाली चुनौतियों से अध्येताओं को परिचित कराती है| यह माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान प्रवृत्तियां, उभरते हुए मुद्दे तथा संभावनाओं पर प्रकाश डालती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):
इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. माध्यमिक शिक्षा पर बने विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों की समालोचना की क्षमता|
2. भारत में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति: वर्तमान कार्यप्रणाली, प्रवृत्तियां और मुद्दे व एनसीएफ 2005 के अनुसार माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम का आलोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता |
3. माध्यमिक शिक्षा की स्थिति और शिक्षण की अवधारणा पर आलोचनात्मक चिंतन की क्षमता|
4. माध्यमिक शिक्षा की विभिन्न एजेंसियों और संस्थाओं की भूमिका और कार्यों का समीक्षात्मक मूल्यांकन|
5. माध्यमिक शिक्षा की संरचना और प्रबंधन का ज्ञान एवं अवबोध|
6. माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान के रुझान, मुद्दों और समस्याओं पर विचारशील चिंतन की दक्षता|

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला....** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**माध्यमिक शिक्षा की एजेंसी और संगठन** ● स्वतंत्रता के बाद माध्यमिक शिक्षा का विकास और इसका आधुनिक समाज से सम्बन्ध ● माध्यमिक शिक्षा से सम्बंधित विभिन्न एजेंसी और संगठन- उसकी भूमिका, कार्य और प्रसार ● माध्यमिक शिक्षा में सहभागिता- स्कूल और समुदाय के साथ, एनजीओ और स्वयं सहायता समूह, स्कूल और उच्च शिक्षा के विभागों के बीच	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-2	**माध्यमिक शिक्षा की स्थिति** ● भारत में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति: वर्तमान कार्यप्रणाली, प्रवृत्तियां	10	2	3	**15**	**25**

	और मुद्दे ● राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान- मुद्दे, प्रसंग और चुनौतियाँ ● माध्यमिक शिक्षा में विभिन्न सरकारी योजनाओं पर चिंतन ● माध्यमिक शिक्षा में कला, शिल्प, संगीत, शारीरिक शिक्षा का महत्त्व ● एनसीएफ 2005 के अनुसार माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम का विश्लेषण ● माध्यमिक शिक्षा को और बेहतर बनाने में सरकार की पहल, एनजीओ और स्वयं सहायता समूह की भूमिका					
मॉड्यूल-3	**माध्यमिक शिक्षा पर बनी समितियों और नीतियों के सुझाव** ● भारत में माध्यमिक शिक्षा की संरचना- गुण और सीमाएं ● माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण और इसके अनुप्रयोग- विद्यालयी पहुँच, नामांकन, धारण और उपलब्धि के मुद्दे ● माध्यमिक शिक्षा पर बनी विभिन्न नीतियों पर चिंतन और मनन- माध्यमिक	10	2	3	15	25

	शिक्षा आयोग(1952-53), कोठारी आयोग (1964-66), राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) और कार्य योजना (1992), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 • लड़कियों और वंचित समूह के माध्यमिक शिक्षा के लिए सरकार द्वारा की जाने वाली पहल • माध्यमिक स्कूल के बच्चों के लिए फैलोशिप, छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन • माध्यमिक शिक्षा पर बनी विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर शोध					
मॉड्यूल-4	**माध्यमिक शिक्षा के मुद्दे और सरोकार** • माध्यमिक शिक्षा में आलोचनात्मक मुद्दे- पर्यावरण सरोकार, लैंगिक असमानता, समावेशन, मूल्य सरोकार और मुद्दे, सामाजिक संवेदनशीलता • माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या और विषय में आये बदलाव की समझ विकसित करना और सीखने के व्यवहारवादी परिणामों को समझने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण	10	2	3	15	25

	का विकास करना, सभी विषयों की अवधारणा और कौशल, पर्यावरण / स्थानीय चिंताओं को शामिल करना, गतिविधि आधारित और निर्माणवादी कक्षा की समझ विकसित करना • माध्यमिक शिक्षा में निर्माणवाद- स्कूली विषयों के शिक्षण में आने वाली चुनौतियाँ					
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम **2.** आगमनात्मक उपागम **3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम **5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक **7.**सहयोगपूर्ण **8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**1.**दार्शनिक चिंतन **2.** व्याख्यान-सह चर्चा **3.** सहयोगात्मक अधिगम **4.** ऐतिहासिक विधि **5.** पृच्छा आधारित अधिगम **6.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.**शोध आलेखों की समीक्षा **2.** संगोष्ठी/परिचर्चा **3.**व्यष्टि अध्ययन **5.**व्याख्यान-सह-चर्चा

	6. केंद्रित समूह चर्चा **7**.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण **8.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.** प्रोजेक्टर **5.** स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. • MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy of Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Anderson, L.W. (1995), International Encyclopedia of Teaching and Teacher Education (Second Edition).Elsevier Science Ltd. Oxford. • Arora G.L. (2002),Teachers and their Teaching: Need for New Perspectives. Ravi Books: New Delhi. • Cohen L and Manion L. (1977), A Guide to Teaching

Practice. Methuen: London.

- Dash B. N. (2003), Teacher and Education in the Emerging Indian Society. Neelkamal: New Delhi.
- Hilliard F. H. (1971), Teaching the Teachers: Trends in Teacher Education. George Allen and Unwin: London.
- Hitchcock G. and Hughes D. (1989), Research and the Teacher. Routledge: London.
- Longford G. (1978), Teaching as a Profession. Manchester University Press.
- McClelland V. A. and Varma V. P. (1989), Advances in Teacher Education. Routledge: London.
- Mohanty S. B. (1987). Student Teaching. Ashok Publishing House: New Delhi.
- NizamElahi. (1998), Teacher Education in India. APH: New Delhi..
- Panda B. N. and Tewari A. D. (1997), Teacher Education. APH: New Delhi.
- Ramdas V. Developing Training Competence of DIET and BRC Personnel through Teleconferencing. RIE: Mysore.
- Sharma M. L. (2001). Educating the Educator. The Indian Publications: Ambala.
- Singh L. C. and Sharma P. C. (1997). Teacher Education and the Teacher. Vikas: New Delhi.
- Singh Y. K. (2008),Teaching Practice: Lesson Planning. APH Publishing Corporation: New Delhi.
- Tiwari D. (2006), Methods of Teaching Education. Crescent: New Delhi.
- Walker R and Adelman C. A(1990), Guide to Classroom Observation. Routledge: London.
- Dewey, John (1944). *Democracy and education*. New

		York: Simon and Schuster. • Friere, Paulo (1999). *Pedagogy of the oppressed*. New, NY: Continuum.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx • Web sites of NCERT, NUEPA, NCTE, SCERT, NAAC • http://mhrd.gov.in/rmsa • http://www.dise.in/Downloads/Publications/Documents/Urban_2013-14.pdf • http://dise.in/Downloads/education-foe-all-in-india-2014-review.pdf • http://dise.in/Downloads/Reports&Studies/GMR2015_FullReport_En.pdf • http://mhrd.gov.in/rte • http://rmsaindia.org/en/ • http://mhrd.gov.in/school-education

1.पाठ्यचर्या का नाम: उच्च शिक्षा: विकास, गतिशीलता , मुद्दे और संभावनाएं

(Name of the Course): Higher Education: Development, Dynamics, Issues and Possibilities

2.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई01

3.क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): प्रथम

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	**7**
कुल क्रेडिटघंटे	60

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **उच्च शिक्षा के संगठन और एजेंसीयां :**यह इकाई अध्येताओं को उच्च शिक्षा संस्थानों और विभिन्न एजेंसियों की भूमिका एवं कार्यों पर विचार|विमर्श हेतु प्रेरित करता है-
- **व्यवहार ,(प्रथा)प्रवृत्ति एवं मुद्दे :**यह इकाई भारत की उच्च शिक्षा में वर्तमान प्रथा, प्रवृत्ति और मुद्देउच्च शिक्षा में , की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण .सी.जी.यूकरती है |
- **भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली की संरचना** यह इकाई उच्च शिक्षा प्रणाली :के लाभ एवं सीमायें तथा उच्च शिक्षा में छात्रों के नामांकन में वृदि करने के साधन एवं तरीके पर चर्चा हेतु अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है |
- **उच्च शिक्षा के मुद्दे एवं चिंताएं यह इकाई उछ शिक्षा के स्तर पर :**संस्थागत संरचना एवं कार्य विषय पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालयों,न्यूपा (NUEPA), एनसीईआरटी, एनसीटीई एवं कॉलेज की भूमिका से परिचित कराती है|

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. शिक्षण की अवधारणा और उच्च शिक्षा की स्थिति पर चिंतन कर अंतर्दृष्टि का विकास|
2. उच्च शिक्षा संस्थानों और विभिन्न एजेंसियों की भूमिका एवं कार्यों की समालोचना की दक्षता|
3. भारत की उच्च शिक्षा में वर्तमान प्रथा, प्रवृत्ति और मुद्देकी भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण .सी.जी.उच्च शिक्षा में यू , | करने की क्षमता
4. उच्च शिक्षा पर विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों पर विचारशील चिंतन की दक्षता|
5. उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक विकास और रुझान पर आलोचनात्मक चिंतन की दक्षता|
6. उच्च शिक्षा की संरचना एवं प्रबंधन की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श की क्षमता|

7. उच्च शिक्षा में समस्याओं, मुद्दों एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति पर अन्तर्दृष्टि का विकास|

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला....** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**उच्च शिक्षा के संगठन और एजेंसीज** वैश्विक समाज में उच्च शिक्षा की बदलती दृष्टि आजादी के बाद उच्च शिक्षा का विकास एवं आधुनिक समाज के लिए इसके निहितार्थ उच्च शिक्षा में शामिल विभिन्न संगठन और एजेंसियों की भूमिका, कार्य एवं फैलाव (नेटवर्किंग) उच्च शिक्षा में भागीदारी उच्च संस्थानों और - समुदाय, गैर सरकारी संगठनों और स्वयं सहायता समूह, उद्योगों और उच्च शिक्षा विभागों के मध्य संबंध	10	2	3	15	25

मॉड्यूल-2	**व्यवहार(प्रथा), प्रवृत्ति एवं मुद्दे** भारत की उच्च शिक्षा में वर्तमान प्रथा, प्रवृत्ति और मुद्दे उ च्च शिक्षा में विभिन्न सरकारी योजनाओं पर चिंतन जैसे- रूसा उच्च शिक्षा में यू.जी.सी. की भूमिका उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को बनाए रखने में नैक (NAAC) की भूमिका	10	2	3	15	**25**
मॉड्यूल-3	**उच्च शिक्षा की संरचना, पहल एवं शोध** भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली की संरचना - उसके लाभ एवं सीमाएं उच्च शिक्षा में छात्रों के नामांकन में वृद्धि करने के साधन एवं तरीके उच्च शिक्षा में गुणवत्ता एवं समता को प्रभावित करने वाले प्रणालीगत कारक उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल (बालिका , वंचित	10	2	3	15	25

	समूह, विकलांग समूह के लिए) उच्च शिक्षा में शोध छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन एवं फैलोशिप					
मॉड्यूल-4	**उच्च शिक्षा के मुद्दे एवं चिंताएं** उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा की रचनात्मक भूमिका एवं 'क्रिटिकल पेडागोजी' राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय एवं राज्य स्तरों पर उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम की संकल्पना संस्थागत संरचना एवं कार्य : विश्वविद्यालयों , न्यूपा(NUEPA) , एनसीईआरटी, एनसीटीई एवं कॉलेज	10	2	3	15	25
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम **2.** आगमनात्मक उपागम **3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम

	5.चिंतशील **6.**अंतरानुशासनिक **7.**सहयोगपूर्ण **8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**1.**दार्शनिक चिंतन **2.** व्याख्यान-सह चर्चा **3.** सहयोगात्मक अधिगम **4.** ऐतिहासिक विधि **5.** पृच्छा आधारित अधिगम **6.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.**शोध आलेखों की समीक्षा **2.** संगोष्ठी/परिचर्चा **3.**व्यष्टि अध्ययन **5.**व्याख्यान-सह-चर्चा **6**. केंद्रित समूह चर्चा **7**.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण **8.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट)**3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.** स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित कियागया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. • MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy of Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014

2	संदर्भ-ग्रंथ	• Dewey, John (1944). Democracy and education. New York: Simon and Schuster. • Friere, Paulo (1999). Pedagogy of the oppressed. New, NY: Continuum. • Kerr, Clark. (2001). The uses of the university. Boston: Harvard University Press. • Lucas, C. (1994). American higher education: A history. New York: St. Martin's Press. • Newman, John Henry. (1986). The idea of a university. Notre Dame, Indiana: University of NotreDame. • Noddings, Nel. (1998). Philosophy of education. Boulder, CO: Westview Press. • Lampert, M. (2001). Teaching problems and the problems of teaching. New Haven: Yale University Press. • Linda Darling Hammond & John Bransford (ed) (2005): Preparing Teachers for a Changing World. Jossey-Bass, San Francisco. • Martin, D. J. & Kimberly S. Loomis (2006): Building Teachers: A constructivist approach to introducing education. Wadsworth Publishing, USA. • Ram, S. (1999): Current Issues in Teacher Education. Sarup& Sons Publications, New Delhi. • Schon, D. (1987): Educating the Reflective Practioner: Towards a New Design for Teaching and Learning in the Professions. New York, Basic Books. • MHRD (1986)-Towards a Human and Enlightened Society – Review of NPE, New Delhi

		• Diamond Robert M. (1986) Designing and Improving Courses in Higher Education: A Systematic Approach, California, Jossey-Bass Inc. Publication.
3	ई-संसाधन	• .www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx • Web sites of NCERT, NUEPA, NCTE, SCERT, NAAC • http://mhrd.gov.in/rmsa • http://www.dise.in/Downloads/Publications/Documents/Urban_2013-14.pdf • http://dise.in/Downloads/education-foe-all-in-india-2014-review.pdf • http://dise.in/Downloads/Reports&Studies/GMR2015_FullReport_En.pdf • http://mhrd.gov.in/rte • http://rmsaindia.org/en/ • http://mhrd.gov.in/school-education

द्वितीय सेमेस्टर (Second Semester)

1. **पाठ्यचर्या का नाम: शैक्षिक सिद्धांत**
)Name of the Course): Theory of Education
2. **पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course):** एमईडी 05
3. **क्रेडिट (Credit):** 4 क्रेडिट **4. सेमेस्टर (Semester):** द्वितीय सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	5
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **ज्ञान, शिक्षा और मूल्य:** यह इकाई यह शिक्षा और दर्शनशास्त्र के मध्य संबंधों के विभिन्न तत्वों का वर्णन करती है। यह ज्ञान की अवधारणा तथा शिक्षा और मूल्य की प्रकृति एवं सरोकारों की व्याख्या प्रस्तुत करती है। यह भारतीय संविधान में निहित शैक्षिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों की समीक्षा भी करती है।
- **पाश्चात्य शिक्षा दर्शन एवं दर्शन की नवीन अवधारणा:** यह इकाई शिक्षा दर्शन की पाश्चात्य विचारधारा और इसके शैक्षिक निहितार्थ पर विचार-विमर्श हेतु अध्येताओं को प्रेरित करती है तथा दर्शन की नवीन विचारधारा पर भी प्रकाश डालती है।
- **भारतीय शिक्षा दर्शन एवं भारतीय शैक्षिक विचारक:** यह इकाई शिक्षा दर्शन की भारतीय विचारधारा और इसके शैक्षिक निहितार्थ पर विस्तृत रूप से चर्चा करती है तथा भारतीय शैक्षिक विचारकों की शिक्षाविषयक चिंतन में उनके योगदान को उजागर करती है।
- **शैक्षिक समाजशास्त्र की संकल्पना एवं शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में**: यह इकाई यह शिक्षा का समाजशास्त्र और शैक्षिक समाजशास्त्र के स्वरूप और अर्थ को स्पष्ट करती है। भारतीय समाज के संदर्भ में शिक्षा एवं गृह तथा शिक्षा एवं समुदाय के मध्य संबंधों का वर्णन करती है। यह
- आधुनिकता, धर्म, राजनीति, लोकतंत्र तथा संस्कृति जैसे कारकों के शिक्षा पर प्रभाव को उजागर करती है। साथ ही यह सामाजिक परिवर्तन तथा शिक्षा पर इसके प्रभाव पर व्यापक रूप से चर्चा करती है ।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता -

1. शिक्षा दर्शन के विभिन्न तत्वों का वर्णन करना कर सकेंगे|
2. दार्शनिक चिंतन कौशल का प्रयोग करते हुए शिक्षा दर्शन के क्षेत्र में उत्पन्न व्यापक एवं महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर ढूँढ सकेंगे।
3. विभिन्न शैक्षिक विचारकों की पुस्तकों की समीक्षा करते हुए उनके द्वारा प्रतिपादित विचारधाराओं की समालोचना कर सकेंगे।
4. शिक्षा, दर्शन और शैक्षिक सिद्धांतों के मध्य संबंध स्थापित करते हुए उनके शैक्षिक निहितार्थ का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. शिक्षा को विभिन्न सामाजिक परिप्रेक्ष्य एवं सैद्धांतिक ढांचे के अनुरूप विश्लेषित कर सकेंगे ।
6. समाज और शिक्षा के आपसी संबंधों की समीक्षा कर सकेंगे।
7. विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक समाजशास्त्र की उपादेयता का मूल्यांकन कर सकेंगे।
8. आधुनिकता, धर्म, राजनीति, लोकतंत्र तथा संस्कृति जैसे कारकों के शिक्षा पर प्रभाव से संबंधित शोध पत्रों एवं आलेखों की समीक्षा कर सकेंगे।
9. संगोष्ठी परिचर्चा में सहभागिता करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त सामाजिक असमानता के विभिन्न पक्षों एवं चुनौतियों को उजागर कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**इकाई-1: ज्ञान, शिक्षा और मूल्य** **शिक्षा और दर्शन** शिक्षा और दर्शन का अर्थ; शिक्षा दर्शन की प्रकृति, शिक्षा और दर्शन में संबंध; शिक्षा के उद्देश्य एवं प्रकार	3	1	1	5	8.33%
मॉड्यूल-2	**इकाई-1: ज्ञान, शिक्षा और मूल्य** **ज्ञान की अवधारणा** ज्ञान की अवधारणा: सच्चे विश्वास के रूप में व शुद्ध तर्क के रूप में ज्ञान, अनुभव एवं अर्थ निर्धारित करने की प्रक्रिया, ज्ञान की प्रकृति एवं स्रोत, ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ; शिक्षा एवं शिक्षणशास्त्र, शिक्षा में प्राक्सिस (Praxis) एवं ट्रायंगुलेशन (Triangulation) की अवधारणा	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-3	**इकाई-1: ज्ञान, शिक्षा और मूल्य** **शिक्षा और मूल्य** शिक्षा और मूल्य की प्रकृति एवं सरोकार, मूल्यों के	4	-	1	5	8.33%

	हस्तांतरण व विकास में शिक्षा की भूमिका; भारतीय संविधान में निहित शैक्षिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों (लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता) का समीक्षात्मक अध्ययन					
मॉड्यूल-4	**इकाई:2- पाश्चात्य शिक्षा दर्शन एवं दर्शन की नवीन अवधारणा** **पाश्चात्य शिक्षा दर्शन** दर्शन की पाश्चात्य विचारधारा: आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद – ज्ञान, यथार्थ एवं मूल्यों की संकल्पना के विशेष संदर्भ में; एवं शिक्षा के उद्देश्य, विषयवस्तु तथा शिक्षा पद्धति के लिए उनके शैक्षिक निहितार्थ	6	1	1	8	13.33%
मॉड्यूल-5	**इकाई:2- पाश्चात्य शिक्षा दर्शन एवं दर्शन की नवीन अवधारणा** **दर्शन की नवीन अवधारणा** दर्शन की आधुनिक अवधारणा: तार्किक विश्लेषण, तार्किक अनुभववाद तथा विधेयात्मक सापेक्षवाद	6	-	1	**7**	11.67%
मॉड्यूल-6	**इकाई-3: भारतीय शिक्षा दर्शन एवं भारतीय शैक्षिक विचारक**	6	1	1	8	13.33%

	भारतीय शिक्षा दर्शन ज्ञान, यथार्थ एवं मूल्यों की संकल्पना के विशिष्ट संदर्भ में भारतीय दर्शन में सांख्य, वेदान्त एवं बौद्ध, जैन तथा इस्लामिक परंपरा के शैक्षिक निहितार्थ					
मॉड्यूल-7	**इकाई-3: भारतीय शिक्षा दर्शन एवं भारतीय शैक्षिक विचारक** **भारतीय शैक्षिक विचारक** विवेकानंद, टैगोर, गाँधी तथा अरविंद का शिक्षाविषयक चिंतन में योगदान	6	-	1	**7**	11.67%
मॉड्यूल-8	**इकाई-4: शैक्षिक समाजशास्त्र की संकल्पना एवं शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में** **समाजशास्त्र एवं शिक्षा में संबंध** समाजशास्त्र तथा शिक्षा में संबंध; शैक्षिक समाजशास्त्र तथा शिक्षा के समाजशास्त्र का स्वरूप तथा अर्थ; समाजशास्त्र तथा शिक्षा में संबंध; शैक्षिक समाजशास्त्र तथा शिक्षा के समाजशास्त्र का स्वरूप तथा अर्थ	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-9	**इकाई-4: शैक्षिक समाजशास्त्र की संकल्पना एवं शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में** **शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में** शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में-विशिष्ट लक्षण;	4	-	1	5	8.33%

	शिक्षा तथा गृह, शिक्षा तथा समुदाय – भारतीय समाज के विशेष संदर्भ में; शिक्षा तथा आधुनिकीकरण; शिक्षा तथा राजनीति; शिक्षा तथा धर्म; शिक्षा तथा संस्कृति; शिक्षा तथा लोकतंत्र; बालक का समाजीकरण					
मॉड्यूल-10	**सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा** सामाजिक परिवर्तन का अर्थ तथा स्वरूप; भारत में सामाजिक परिवर्तन में बाधाएँ (जाति, नृजातीयता, वर्ग, भाषा, धर्म, क्षेत्रवाद) ; सामाजिक स्तरीकरण तथा सामाजिक गतिशीलता से सम्बद्ध शिक्षा; सामाजिक समदृष्टि तथा शैक्षिक अवसरों की समानता से संबद्ध शिक्षा	3	1	1	5	8.33%
योग		**46**	**4**	**10**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, निगमनात्मक उपागम, एकीकृत उपागम, , ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	दार्शनिक चिंतन, व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, ऐतिहासिक विधि, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	कहानी वाचन, दृष्टांत, प्रश्नोत्तरी, समूह चर्चा, पुस्तक एवं शोध आलेखों की समीक्षा, संगोष्ठी/परिचर्चा, व्यष्टि अध्ययन, गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल/ऑनलाइन चर्चा

उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शैक्षिक विचारकों के द्वारा लिखित पुस्तकें, शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, गूगल बुक्स, ई-ज्ञानकोश)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	-	-	-	-	-	-	-
2	X	X	-	-	X	-	-	-
3	X	X	-	-	X	-	-	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	-	-	X	-	-	-
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	X	-	-	X
8	X	X	-	-	X	-	-	X
9	X	X	X	X	X	X	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Shukla, S., & Kumar, K. (1985). *Sociological Perspective in Education.* New Delhi: Chanakya Publications. • Kumar, K. (1990). *Democracy in India.* New Delhi: Radiant Publishers. • Gupta, D. (1991). *Social Stratification.* Delhi: Oxford University Press. • Karlekar, M. (1983). Education and inequality. In a Beteille (Ed.), *Equality and Inequality-Theory and Practice* (pp. 182-242). Delhi: Oxford University Press. • Kumar, K. (1983). Educational experience of scheduled castes and tribes. *Economic and Political Weekly, 17* (36-7), 1566-1572. • Kumar, K. (2013). *Politics of Education Colonial India.* New Delhi : Routledge. • Kumar, K. (2002). *Prejudice and Pride.* New Delhi: Viking. • Shukla, S. C., & Kaul, R. (1998). *Education, Development, and Underdevelopment.* New Delhi: Sage.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Acharya, P. (1987). Education: politics and social Structure. In R. Ghosh, & M. Zachariah (Eds.), *Education and the Process of Change* (pp. 64-79). New Delhi: Sage. • Althusser, L. (1972). Ideology and ideological state apparatuses 'Notes towards an Investigation'. In L. Althusser(Ed.), *Lenin and Philosophy and Other Essays* (pp. 242-73). New York: Monthly Review Press. • Apple, M. (1982). *Cultural and Economic Reproduction in Education: Essays*

on Class, Ideology and the State. London: RKP.

- Barrow, R. (2010). Schools of thought in philosophy of education. In R. Bailey, R. Barrow, D. Carr., & C. McCarthy (Eds.), *The SAGE Handbook of Philosophy of Education*.. London: Sage Publications.
- Benei, V. (2008). *Schooling Passions: Nation's History and Language in Contemporary Western India.* Stanford: Stanford University Press.
- Bernstein, B. (1971). *Class, Codes and Control.* London: Routledge and Kegan Paul.
- Bernstein, B. (1996). *Pedagogy, Symbolic Control and Identity.* London: Taylor and Francis.
- Bordieu, P. (1973). Cultural reproduction and social reproduction. In J. Karabel & , A. H. Halsey. (Eds.), *Power and Ideology in Education* (pp. 473-486). New York: Oxford University Press.
- Coleman, J. (1968). The concept of equality of educational opportunity. *Harvard Education Review,* 38(1), 7-22.
- Dahrendorf, R. (1968). *Essays in the Theory of Society.* London: Routledge & Kegan Paul.
- Dewey, J. (2004). *Democracy and Education.* New Delhi: Aakar Books.
- Durkheim, E. (1956). *Education and Sociology.* New York: Oxford University Press.
- Gore, M., Desai, I., & Chitnis, S. (1967). *Papers in Sociology of Education in India.* New Delhi: NCERT.
- Kant, I. (2012). *On Education*. Annette Churton (Trans.). USA: Courier Corporation
- Phillips, D.C. (2010). What is philosophy of education? In R. Bailey, R. Barrow, D. Carr, & C. McCarthy (Eds.), *The SAGE Handbook of Philosophy of Education*. London: Sage Publications.
- Plato (2004). *The Republic*. USA: Hackett Publishing.
- Siegel, H. (2010). Knowledge and Truth. In R. Bailey, R. Barrow, D. Carr, & C. McCarthy (Eds.), *The SAGE Handbook of Philosophy of Education*. London: Sage Publications.
- McLaren, P. (1986). *Schooling as a Ritual Performance: Towards a Political Economy of Educational Symbols and Gestures.* New York: Routledge.
- Nambissan, G. (2000). Identity, Exclusion and the Education of Tribal Communities. In K. Kumar (Ed.), *Gender Gaps in Literacy and Education.* New Delhi: Sage Publications.
- Parsons, T. (1959). The school as a social system. *Harvard Education Review, 29*, 297-318.

		• Saigol, R. (2000). *Symbolic Violence, Curriculum, Pedagogy and Society.* Lahore: Sahe.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=nD6_2zA0EhU https://www.youtube.com/watch?v=vtZmlHxM98w https://www.youtube.com/watch?v=Sh7i1-1cz7Q https://bharatdiscovery.org/india/भारतीय_दर्शन#gsc.tab=0 https://books.google.co.in/books?id =MEqCoezMWh4C&source=gbs_similarbooks https://books.google.co.in/books?id =vbcU1X7Yz9MC&source=gbs_similarbooks https://ddceutkal.ac.in/Syllabus/MA_SOCIOLOGY/Paper-16.pdf https://youtu.be/VYNITqQ0UMg http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/46500 https://onlinecourses.swayam2.ac.in/cec20_ed16/ https://www.youtube.com/watch?v=uH9gxyc3c5w http://cbseacademic.nic.in/web_material/ValueEdu/Value%20Education%20Kits.pdf

अध्यापक शिक्षा: दृष्टिकोण, नीति एवं अभ्यास

1. **पाठ्यचर्या का नाम: अध्यापक शिक्षादृष्टिकोण :, नीति एवं अभ्यास**
)Name of the Course): Teacher Education: Perspectives, Policies and Practices

2. **पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 06**

3. **क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट** **4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	5
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **शिक्षक एवं शिक्षण वृत्ति:** यह इकाई भारत में शिक्षकों की बदलती भूमिका एवं जिम्मेदारियों का आलोचनात्मक चित्रण प्रस्तुत करती है। यह शिक्षण वृत्ति की प्रकृति, अवधारणा एवं वर्तमान स्थिति तथा शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता एवं उत्तरदायित्व पर विचारविमर्श के - लिए अध्येताओं को प्रेरित करती है।यह शिक्षण वृत्ति कौशल के विकास हेतु सेवारत अध्यापक शिक्षा के विभिन्न प्रतिमानों एवं उपागमों पर भी प्रकाश डालता है।
- **भारत में अध्यापक शिक्षा व्यवस्था**शिक्षा संस्थानों के प्रकार तथा शि-यह इकाई अध्यापक :क्षा के विभिन्न स्तरों पर शिक्षकों की तैयारी की प्रक्रिया का वर्णन करती है। यह विद्यालय अनुभव कार्यक्रम की संकल्पना, नियोजन, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया पर चर्चा हेतु अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है। यह अध्यापक शिक्षा के लिए कार्यरत संस्थानों की भूमिका, कार्य एवं क्षेत्र का समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत करती है।
- **अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन:** यह इकाई अध्यापक शिक्षा संस्थानों की मान्यता एवं आकलन तथा अध्यापककी भूमिका शिक्षकों- एवं उत्तरदायित्व विषय पर व्यापक रूप से चर्चा करती है। साथ ही यह अध्य ापक शिक्षा में मूल्यांकन एवं शोध प्रवृत्ति विषय पर अध्येताओं को विचार विमर्श हेतु प्रोत्साहित करती है।-
- **भारत में सेवापूर्व शिक्षक:शिक्षा-** यह इकाई सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के विभिन्न प्रतिमानों की व्याख्या करती है तथा भारत में स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के विकास से संबंधित विभिन्न आयोगों, समितियों एवं नीतियों की समालोचना करती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता-

1. देश में सेवापूर्व तथा सेवारत अध्यापक शिक्षा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर सकेंगे।
2. सेवारत अध्यापक शिक्षा की प्रक्रिया तथा शिक्षकों के वृत्तिक विकास हेतु प्रयुक्त विभिन्न विधियों एवं प्रविधियों की आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
3. शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं तथा इससे संबंधित समस्याओं पर विचारशील चिंतन कर सकेंगे।
4. अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या के मूल्यांकन हेतु विभिन्न तकनीक तथा उपकरणों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
5. अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों के आधार पर अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलू, समस्याओं तथा चुनौतियों की समालोचना कर सकेंगे।

6. शिक्षकों के वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लायी जानेवाली सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) उपकरणों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
7. अध्यापक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा,तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2009 ,के संदर्भ में सेवारत अध्यापक शिक्षा की 2020 स पर विचारशील चिंतन और प्रचलित अभ्याकता एवं महत्वआवश्यका विश्लेषण कर सकेंगे।
8. शिक्षकों के वृत्तिक विकास से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों की आलोचनात्मक समीक्षा कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.....** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**इकाई-1: शिक्षक और शिक्षण वृत्ति** **शिक्षकों की बदलती भूमिका एवं उत्तरदायित्व** भारत में शिक्षक शिक्षकों : चित्रके बदलते पार्श्व (Profile), बदलती भूमिका और जिम्मेदारियाँ;शिक्षकों का मूल्य निर्धारण तथा उत्तरदायित्व; शिक्षक शिक्षा – में सुधार	3	1	1	5	8.33%
मॉड्यूल-2	**इकाई-1: शिक्षक और शिक्षण वृत्ति** **शिक्षकों की बदलती भूमिका एवं उत्तरदायित्व** भारत में शिक्षक शिक्षकों : चित्रके बदलते पार्श्व (Profile), बदलती भूमिका और जिम्मेदारियाँ;शिक्षकों का मूल्य निर्धारण तथा उत्तरदायित्व; शिक्षक शिक्षा – में सुधार	4	-	1	5	8.33%

मॉड्यूल-३	**इकाई-1: शिक्षक और शिक्षण वृत्ति** शिक्षण वृत्तिक कौशल विकास हेतु सेवारत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्व; सेवारत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के विभिन्न प्रतिमान एवं उपगाम	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-4	**इकाई-2: भारत में अध्यापक शिक्षा व्यवस्था** **शिक्षकों की तैयारी** अध्यापक शिक्षा के संस्थानों के प्रकार, शिक्षा के विभिन्न स्तरप्राथमिक और - माध्यमिक शिक्षकों की तैयारी; विशिष्ट (ई.सी.ई) क्षेत्रों, कार्य शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा तथा कला शिक्षा। के लिए शिक्षकों की तैयारी	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-5	**इकाई-2: भारत में अध्यापक शिक्षा व्यवस्था** **अध्यापक शिक्षा के सशक्तिकरण हेतु कार्यरत संस्थान** अध्यापक शिक्षा के सशक्तिकरण तथा पुनःसंरचना हेतु केंद्र प्रवर्तित कार्यक्रम आईई.एस.ए., सीई.टी., डी.आई.ई.टी की भूमिका व कार्य, यू .सी.जी. एवं एन.सी.टी.आर.ई., एन.सी.टी.ई, एन.आई.पी.ए,	4	-	1	5	8.33%

	एस.सी.ई,आर.टी आदि की भूमिका, कार्य और क्षेत्र।					
मॉड्यूल-6	**इकाई-2: भारत में अध्यापक शिक्षा व्यवस्था** **विद्यालय अनुभव कार्यक्रम (SEP) का प्रबंधन और मूल्यांकन** विद्यालय अनुभव कार्यक्रम (SEP) की संकल्पना, एसका नियोजन एवं .पी.ई. संगठन, निरीक्षण और पर्यवेक्षण; विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम की संकल्पना, नियोजन और संगठन, विद्यालय अनुभवप्रशिक्षुता कार्यक्रम / का मूल्यांकन, शिक्षण दक्षता के आकलन के मानदंड, उपकरण और विधियां, एसऔर प्रायोगिक .पी.ई. कार्य की आवश्यकता और महत्व; (PSTE) नियमन सिद्धांत	3	1	1	5	8.33%
मॉड्यूल-7	**इकाई-3: अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन** **अध्यापक संस्थानों की मान्यता एवं आकलन** अध्यापक शिक्षा संस्थानों की मान्यता, आकलन तथा प्रत्यायन ई तथा .टी.सी.एन – नैक की भूमिका, अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक प्रबंधन; शिक्षक अध्यापक-(Teacher Educator)-	6	1	1	8	13.33%

	शिक्षकपकों की अध्या-दारिभूमिका और जिम्मेयाँ, शिक्षक अध्यापकों की तैयारी।					
मॉड्यूल-8	**इकाई-3: अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन** **अध्यापक शिक्षा में मूल्यांकन एवं शोध प्रवृत्ति** सतत एवं व्यापक मूल्यांकन, निर्माणात्मक और संकलनात्मक मूल्यांकन, संदर्भित और मानक संदर्भित मूल्यांकन; सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के आंतरिक आकलन का संगठन, आंतरिक आकलन के लिए निर्देशित बिन्दु तथा कार्यक्रम; अध्यापक शिक्षा में शोध प्रवृत्ति, उभरते हुए शोध क्षेत्र	5	1	1	**7**	11.67%
मॉड्यूल-9	**इकाई-4: भारत में सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा** **सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के प्रतिमान** सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा की अवधारणा, प्रकृति, लक्ष्य, उद्देश्य और क्षेत्र; सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के प्रतिमान, क्रमागत प्रतिमान, एकीकृत प्रतिमान, वैकल्पिक प्रतिमान	6	1	1	8	13.33%
मॉड्यूल-10	**इकाई-4: भारत में सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा** **भारत में सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा का विकास**	6	-	1	7	11.67%

	स्वतंत्रतापूर्व और स्वतंत्रता के पश्चात् विभिन्न आयोगों तथा समितियों की अध्यापक शिक्षा से संबंधित संस्तुतियां, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE-(1986और इसके क्रियान्वयन कार्यक्रम का अध्यापक शिक्षा व्यवस्था पर प्रभाव, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या की रूपरेखा)NCFTE-(2009, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020					
योग		**45**	**5**	**10**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, एकीकृत उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, ऐतिहासिक विधि, पृच्छा आधारित अधिगम, पैनल चर्चा
तकनीक	दृष्टांत, समूह चर्चा, शोध आलेखों की समीक्षा, संगोष्ठी/परिचर्चा, व्यष्टि अध्ययन व्याख्यान-सह-चर्चा, केंद्रित समूह चर्चा, परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास, व्यष्टि अध्ययन, विभिन्न दस्तावेजों का विषय-वस्तु विश्लेषण गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल/ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डेटाबेस (एरिक, गूगल स्कॉलर, जेस्टोर); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ई-ज्ञानकोश, ईपीजीपाठशाला, गूगल बुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	X	-	-	-
2	X	X	X	-	X	X	-	X
3	X	X	X	-	X	X	-	X
4	X	X	X	X	X	X	X	X
5	X	X	X	-	X	X	-	X
6	X	X	X	-	X	X	-	X
7	X	X	X	-	X	X	-	X
8	X	X	X	-	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	• भट्टाचार्य, जी.सी. (2016). अध्यापक शिक्षा. आगरा:श्री विनोद पुस्तक मंदिर. • सिंह, एच., सक्सेना, एन. आर., मोहंती, आर.के. एवं मिश्रा, बी.के. (2019). अनुसंधान एवं अध्यापक शिक्षा के मुद्दे. मेरठ: आर. लाल बुक डीपो. • Ministry of Human and Resource development (1964-66). *Report of the Education Commission*. New Delhi: MHRD, Government of India. • Ministry of Human and Resource development (1983-85). *Report of the National Commission on Teachers*. New Delhi: MHRD, Government of India. • Ministry of Human and Resource development (1978). *National Curriculum Framework for Teacher Education* . New Delhi: MHRD, Government of India. • Ministry of Human and Resource development (1986). National Policy on Education. New Delhi: MHRD, Government of India. • Ministry of Human and Resource development (1988). *National Curriculum Framework for Teacher Education* . New Delhi: MHRD, Government of India. • Ministry of Human and Resource development (1992). National Policy on Education 1986-Programme of Action 1992. New Delhi: MHRD, Government of India. • Ministry of Education (2020). National Policy on Education. New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (1998). *National Curriculum Framework for Teacher education* . New Delhi: MHRD, Government of India. • NCTE (1998): Policy Perspectives in Teacher Education. New Delhi: MHRD, Government of India. • NCTE (1998). Competency Based and Commitment Oriented Teacher Education for Quality School education: Pre-Service Education. NCTE (1998): Policy Perspectives in Teacher Education. New Delhi: MHRD, Government of India. • NCTE (1998). Competency Based and Commitment Oriented Teacher Education for Quality School education: Pre-Service Education. New Delhi. • National Council of Educational Research and Training (2005). National Curriculum Framework. New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (2009). *National Curriculum Framework for*

		Teacher education . New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (2014). NCTE Regulations. New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (2019). NCTE Regulations. New Delhi: MHRD, Government of India. • Rao, D.B. (1998). *Teacher Education in India*. New Delhi: Discovery Publishing House. • UNESCO (1996). *Larning: The Treasure Within (Report of the Delors Commission)*. UNESCO. New Delhi: MHRD, Government of India. • Yadav, M.S. & Lakshmi, T.K.S. (2003): *Conceptual Inputs for Secondary Teacher Education: The instructional Role*. India: NCTE.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Beck, C. & Kosnik, C. (2006): *Innovations in Teacher Education: A Social Constructivist Approach*. New York: State University of New York Press. • Cohen, L., Minion, L. & Morrison, K. (2004). *A Guide to Teaching Practice* (5th edition). London:Routledge. • Herne, S. John, J. & Griffith, J. (2000). *Study to Teach: A Guide to Studying in Teacher Education*. London: Routledge. • Korthagen, F., Kessels, J., Koster, B., Lagerwerf, B., Wubbels, T. (2001). *Linking Practice and Theory- The Pedagogy of Realistic Teacher Education*. New York: Routledge, https://doi.org/10.4324/9781410600523. • Kumari, S. (2012). *Challenges of Teacher education in Jharkhand*. Germany:Lambert Academic Publishing. • Darling-Hammond, Linda & Bransford, J. (2005): Preparing Teachers for a changing World.What Teachers should Learn and Be Able to Do. New Jersey: John Wiley & Sons Inc. • Loughran, J. (2006): Developing a Pedagogy of Teacher education : Understanding Teaching and Learning about Teaching. New York: Routledge.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=nD6_2zA0EhU https://www.youtube.com/watch?v=vtZmlHxM98w https://www.youtube.com/watch?v=Sh7i1-1cz7Q http://www.egyankosh.ac.in/youtubevideo.jsp?src=aO2RssN1dTw&title=Paradigm%20Shift%20in%20Teacher%20Education

		https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=12 (1495082308ePGEDN_10.5_eText.pdf) https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou20_ed03/ https://books.google.co.in/books?id=WQjLPgAACAAJ http://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAED-203.pdf

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधियाँ
Name of the Course: Quantitative Research Methods in Education

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	9
कौशल विकास गतिविधियाँ	9
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 07

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट **4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **परिमाणात्मक प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण-1:** यह इकाई सांख्यिकी के संप्रत्यय की शैक्षिक शोध में प्रासंगिकता की विवेचना करती है तथा विभिन्न प्रकार के निष्कर्षात्मक परीक्षण से परिचित कराती है। यह प्रदत्तों के वर्णनात्मक विश्लेषण के अंतर्गत प्रदतों के रेखीय प्रदर्शन तथा केंद्रीय प्रवृत्ति की माप विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा करती है।
- **परिमाणात्मक प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण- 2**: यह इकाई प्रदत्तों के वर्णनात्मक विश्लेषण के अंतर्गत विचलनमान के मापन की गणना एवं व्याख्या तथा सामान्य संभाव्यता वक्र की अवधारणा एवं अनुप्रयोग विषय पर प्रकाश डालती है।
- **परिमाणात्मक प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण-3:** यह इकाई प्रदत्तों के वर्णनात्मक विश्लेषण के अंतर्गत सहसंबंध और प्रतीपगमन की अवधारणा, गणना और व्याख्या का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है।
- **परिमाणात्मक प्रदत्त का निष्कर्षात्मक विश्लेषण:** यह इकाई प्रदत्तों के निष्कर्षात्मक विश्लेषण के अंतर्गत काई वर्ग, टी-परीक्षण तथा प्रसरण विश्लेषण (एक-मार्गीय), सह प्रसरण विश्लेषण (ANCOVA) एवं मनोवा (MANOVA) की अवधारणा, गणना और व्याख्या विषय पर गहराई से चर्चा करती है।

6.अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता-

1. कक्षा में सामूहिक चर्चा करते हुए शैक्षिक शोध के क्षेत्र में सांख्यिकी के महत्त्व एवं आवश्यकता की आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
2. सामूहिक गतिविधि में अभ्यासकार्य द्वारा शैक्-षिक शोध अध्ययन की आवश्यकता के अनुरूप आकड़ों के विवरणात्मक विश्लेषण हेतु उपयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
3. सामूहिक गतिविधि में अभ्यासकार्य द्वारा विभिन्न प्रकार की शैक्षिक शोध समस्या को ध्यान में रखकर परिकल्पना की जांच के लिए -/आनुमानिकनिष्कर्षात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण प्रविधियों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
4. कार्यशाला के माध्यम से सांख्यिकीय विश्लेषण के परिणाम स्वरूप प्राप्त विश्लेषित आकड़ों की व्याख्या करने की कुशलता का विकास कर सकेंगे।

5. कार्यशाला के माध्यम से एक्सेल तथा एस.पी.एस.एस. का प्रयोग करते हुए विभिन्न सांख्यिकीय विश्लेषण कर सकेंगे।
6. विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए विविध प्रकार के परिमाणात्मक शोध अध्ययन के लिए प्रयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण प्रविधियों के अनुप्रयोग तथा विश्लेषित आंकड़ों की व्याख्या के तरीकों को दर्शाते हुए आलेख लेखन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.....** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**इकाईपरिमाणात्मक :1- प्रदत्त का विवरणात्मक 1 - विश्लेषण** **सांख्यिकी का संप्रत्यय** सांख्यिकी का संप्रत्यय, शिक्षा में प्रासंगिकता, पारामैट्रिक और नॉन – पारामैट्रिक परीक्षण; मापन स्केल	3	1	-	4	6.67%
मॉड्यूल-2	**इकाईपरिमाणात्मक :1- प्रदत्त का विवरणात्मक 1 - विश्लेषण** **प्रदत्तों का रेखीय प्रदर्शन** प्रदत्तों का रेखीय प्रदर्शन : स्तम्भाकृति, आवृत्ति बहुभुज, संचयी आवृति प्रतिशत वक्र (औगाइव) (पाई चार्ट) और वृत्ताकृति	3	-	2	5	8.33%
मॉड्यूल-3	**इकाईपरिमाणात्मक :1- प्रदत्त का विवरणात्मक 1 – विश्लेषण** **केंद्रीय प्रवृत्ति की माप** केंद्रीय प्रवृत्ति का मापन:	4	-	2	6	10%

	अवधारणा, गणना और व्याख्या, माध्य, माध्यिका, बहुलांक					
मॉड्यूल-4	**इकाईपरिमाणात्मक :2- प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण 2 –** **विचलनमान का मापन एवं व्याख्या** विचलनमान का मापन: अवधारणा, गणना और व्याख्या, प्रसार, चतुर्थांक विचलन, औसत विचलन एवं मानक विचलन	4	1	2	7	11.67%
मॉड्यूल-5	**इकाईपरिमाणात्मक :2- प्रदत्त का विवरणात्मक 2 – विश्लेषण** **सामान्य संभाव्यता वक्र** सामान्य संभाव्यता वक्र: अवधारणा, विशेषताएँ, अनुप्रयोग और व्याख्या	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-6	**इकाईपरिमाणात्मक :3- प्रदत्त का विवरणात्मक 3 – विश्लेषण** **सहसंबंध का मापन एवं व्याख्या** सहसंबंध: अवधारणा, प्रकार, गणना और व्याख्या, गुणन- आघूर्ण विधि, अनुस्थित अंतर विधि, बाई सीरियल, प्वाइंट बाई सीरियल, फाई, कांटिनजेन्सी, टेट्रा कोरिक सहसंबंध	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-7	**इकाई-3: परिमाणात्मक प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण – 3**	4	1	2	7	11.67%

	प्रतीपगमन का मापन एवं व्याख्या प्रतीपगमन और पूर्वानुमान अवधारणा, गणना और व्याख्या					
मॉड्यूल-8	**इकाई-4: परिमाणात्मक प्रदत्त का निष्कर्षात्मक विश्लेषण** **काई वर्ग** काई वर्ग: अवधारणा, गणना और व्याख्या (समान और सामान्य वितरण)	2	-	2	4	6.67%
मॉड्यूल-9	**इकाई-4: परिमाणात्मक प्रदत्त का निष्कर्षात्मक विश्लेषण** मध्यमान की सार्थकता और मध्यमान के बीच अंतर: अवधारणा, गणना; टी-परीक्षण की गणना, व्याख्या एवं महत्त्व (सहसंबद्ध और असहसंबद्ध, मिलान, युग्मित- अयुग्मित, मिलान-युग्मित)	3	1	2	6	10%
मॉड्यूल-10	**इकाई-4: परिमाणात्मक प्रदत्त का निष्कर्षात्मक विश्लेषण** **प्रसरण विश्लेषण** प्रसरण विश्लेषण (एक मार्गीय), सह प्रसरण विश्लेषण (ANCOVA), मनोवा (MANOVA): अवधारणा, गणना और व्याख्या	3	-	2	5	8.33%
योग		**36**	**6**	**18**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	• सामूहिक गतिविधि/चर्चा • विभिन्न प्रकार की परिकल्पित शैक्षिक शोध समस्या के अध्ययन के लिए उपयुक्त विवराणात्मक एवं निष्कर्षात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण प्रविधियों के अनुप्रयोग का अभ्यास-कार्य • विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए विविध प्रकार के परिमाणात्मक शोध अध्ययन के लिए प्रयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण प्रविधियों के अनुप्रयोग तथा विश्लेषित आंकड़ों की व्याख्या के तरीकों को दर्शाते हुए आलेख लेखन एवं प्रस्तुतीकरण • कार्यशाला के माध्यम से एक्सेल तथा एस.पी.एस.एस.के प्रयोग द्वारा विभिन्न सांख्यिकीय गणना का अभ्यास • गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल/ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, गूगल बुक्स, शिक्षा में शोध विधियाँ विषय पर एनआरसी)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	-	-	-	-
2	X	X	X	-	X	-	-	X
3	X	X	X	-	X	-	-	X
4	X	X	X	-	X	X	-	X
5	X	X	X	-	X	X	-	X
6	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Best J.W. (1999). *Research in Education.* New Delhi: Prentice Hall of India Pvt. Ltd. • Kaul, L. (1984). *Methodology of Educational Research.* New Delhi: Vikas Publications. • Kothari, C.R. & Garg, G. (2019). *Research Methodology: Methods and techniques*. New Delhi:New Age International Publishers. • कुमार, आर. (2017). *शोध कार्यप्रणाली : आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड (चतुर्थ संस्करण)*. नई दिल्ली: सेज भाषा. • Mangal, S.K. (2010). *Statistics in Psychology and Education (2nd Edition)*. New.Delhi: PHI Publishing Pvt. Ltd. • Rajamanickam M. .(2007) *Statistical Methods in Psychological and Educational Research.* New Delhi : Concept Publishing Co. • Sharma, S.R. (2003). *Problems of Educational Research.* New Delhi: Anmol Publications Pvt. Ltd. • Sharma, B. (2004). *Methodology of Educational Research*. New Delhi: Vohra Publishers and Distributors. • सिंह, ए. के. (2017). *मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां*. दिल्ली:मोतीलाल बनारसीदास
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Borg, W.R. and Gall, M.D. (1983). *Educational Research – An Introduction.* New York: Longman, Inc. • Christensen, L. (2007). *Experimental Methodology*. Boston: Allyen & Bacon. • Clive O. (2004). *Doing Educational Research- A Guide for First Time Researchers*. New Delhi: Vistar Publications. • Fraenkel, J.R. & Wallen, N.E. (1996). *How to Design and Evaluate Research in Education*. New York: McGraw Hill.

		• Kerlinger, F.N. (1986). *Foundations of Behavioural Research*. Fort Worth, TX: Harcourt Bmce Jovanovich. • Kirkapatrick, D.L. (2005). *Evaluating Training Programmes: The Four Levels.* San Francisco: Brrett-Kochler. • Jill P. & Penny, L. (2005). *Researching Learning Difficulties- A Guide for Practitioners.* London: Paul Chapman Publishing. • Scott, D. & Usher, R. (1996). *Understanding Educational Research.* New York: Routledge. • Travers, Robert M.W. (1978). *An Introduction to Educational research (4th edition).* London: MacMillan. • Gurbuzoğlu, S. G. & Gozum, A. I. C. (2013).The effects of multiple intelligence theory based teaching on students' achievement and retention of knowledge (example of the enzymes subject). *International journal on new trends in education and their implications 4* (3), 27-36. • Akınoğlu, O. & Tandoğan, R.O. (2007). The effects of problem-based active learning in science education on students' academic achievement, attitude and concept learning. *Eurasia Journal of Mathematics, Science and Technology Education, 3*(1), 71-81. https://doi.org/10.12973/ejmste/75375
3	ई-संसाधन	http://ebooks.lpude.in/arts/ma_education/year_1/DEDU404 https://irl.umsl.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=1000&context=oer https://books.google.co.in/books?id=xWENVdl6D0YC https://learningstatisticswithr.com/book/ https://www.udemy.com/course/introduction-to-probability-and-statistics/ https://www.coursera.org/learn/probability-statistics https://www.youtube.com/watch?v=RI-KJS_Q0U4 https://www.youtube.com/watch?v=WLuttS0TRVs https://www.youtube.com/watch?v=OypCNBPmGBY&list

1. **पाठ्यचर्या का नाम: अकादमिक लेखन**
)Name of the Course): Academic Writing

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 08

3. **क्रेडिट (Credit): 2 क्रेडिट** **4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	17
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	4
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **शोध प्रस्ताव का निर्माण** : यह इकाई शोध लेखन की प्रकृति, शोध लेखन के चरण तथा संबंधित साहित्य की समीक्षा विषय पर प्रकाश डालते हुए अध्येताओं को शोध प्रतिवेदन तैयार करने लिए प्रेरित करती है।

- **शोध पत्र लेखन – एक परिचय**: यह इकाई शोध आलेख के मूल्यांकन के लिए मानदंड, संदर्भ शैली के प्रकार एवं उपयुक्त संदर्भ शैली का चयन विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा करती है।

- **प्रकाशन प्रक्रिया:** यह इकाई पत्रिकाओं के चयन के आधार तथा प्रकाशन की प्रक्रिया का विस्तृत रूप से वर्णन करती है।

- **उल्लेख (Citation) :** यह इकाई उल्लेख, अनुक्रमणिका एवं अन्य महत्वपूर्ण संबंधित संप्रत्ययों का वर्णन करती है तथा अनुक्रमणिका एजेंसियां एवं ऑनलाइन शोध डाटाबेस विषय पर भी प्रकाश डालती है ।

6.अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता-

1. शोध लेखन की प्रकृति एवं विभिन्न चरणों का विश्लेषण कर सकेंगे।
2. किसी शोध कार्य को शोध परिणामों के साथ प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत कर सकेंगे।
3. कार्यशाला के माध्यम से किसी भी चयनित शोध विषय पर एक तार्किक एवं विस्तृत शोध प्रस्ताव का निर्माण कर सकेंगे।
4. कार्यशाला के माध्यम से साहित्य की समीक्षा करते हुए किसी शोध विषय पर एक प्रभावी एवं संप्रेषणीय आलेख तैयार कर सकेंगे।
5. शोध आलेख प्रकाशन की प्रक्रिया इसके विभिन्न चरणों का विश्लेषण कर सकेंगे ।
6. परिचर्चा एवं संगोष्ठी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रिकाओं के चयन के मानदंडों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
7. शोध पत्रआलेख के उल्लेख से संबंधित संप्रत्ययों के विभिन्न तत्वों की व्याख्या कर सकेंगे।/

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**इकाई –1: शोध प्रस्ताव का निर्माण** **शोध लेखन की प्रकृति एवं चरण** शोध लेखन की प्रकृति, शोध लेखन के चरण और रूप, शोध पांडुलिपि में सुधार	2	1	1	4	13.33%
मॉड्यूल-2	**इकाई –1: शोध प्रस्ताव का निर्माण** **संबंधित साहित्य की समीक्षा एवं शोध प्रस्ताव लेखन** संबंधित साहित्य की समीक्षा, प्रकाशित शोध आलेख की समीक्षा, एक शोध प्रतिवेदन लिखना	2	-	2	4	13.33%
मॉड्यूल-3	**इकाई –2: शोध पत्र लेखन – एक परिचय** **शोध पत्र के लेखन एवं मूल्यांकन हेतु मानदंड** शोध पत्र के लेखन एवं मूल्यांकन के लिए मानदंड,	2	1	1	4	13.33%

	शोध पत्र लेखन के महत्वपूर्ण चरण, एक शोध लेख का सार लेखन, शोध पत्र लेखन का APA प्रारूप					
मॉड्यूल-4	**इकाई –2: शोध पत्र लेखन – एक परिचय** **संदर्भ शैली** संदर्भ शैली के प्रकार एवं उपयुक्त संदर्भ शैली का चयन	2	-	1	3	10%
मॉड्यूल-5	**इकाई–3:प्रकाशन प्रक्रिया** **पत्रिकाओं के चयन के आधार** पत्रिकाओं के चयन के आधार (ISSN, DOI, INDEXING)	2	-	1	3	10%
मॉड्यूल-6	**इकाई–3:प्रकाशन प्रक्रिया** **संपादन एवं प्रकाशन** समीक्षा एवं संशोधन, संपादन, प्रकाशन के लिए स्वीकृति (संशोधन, संपादन, प्रूफिंग एवं मुद्रण)	2	1	1	4	13.33%
मॉड्यूल-7	**इकाई –4: उल्लेख (Citation)** **उल्लेख, अनुक्रमणिका एवं अन्य महत्वपूर्ण संबंधित संप्रत्यय** उल्लेख एवं अनुक्रमणिका:	3	1	1	5	16.67%

	संप्रत्यय, वेब ऑफ़ साइंस (WOS), स्कोपस (SCOPUS) एवं अन्य अनुक्रमणिका एजेंसियां; प्रभाव फैक्टर (Impact Factor), एच इंडेक्स, आई-10 इंडेक्स					
मॉड्यूल-8	**इकाई –4: उल्लेख (Citation)** **ऑनलाइन शोध डाटाबेस** गूगल स्कॉलर,रिसर्च गेट, एरिक, प्रोक्वेस्ट, जेस्टोर	2	-	1	3	10%
योग		**17**	**4**	**9**	**30**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	• सामूहिक गतिविधि/चर्चा • परिचर्चा एवं संगोष्ठी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रिकाओं के चयन के मानदंडों का मूल्यांकन • विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए कार्यशाला के माध्यम से शोध प्रस्ताव तथा आलेख लेखन एवं प्रस्तुतीकरण • गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल/ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, विकीहाव, ब्लॉग)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	X	-	-	-
2	X	X	-	-	X	X	-	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	X	X	X	X	X
5	X	X	-	-	X	-	-	-
6	X	X	X	-	X	X	-	X
7	X	X	-	-	X	-	-	-

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, ए. के. (2017). *मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां*. दिल्ली:मोतीलाल बनारसीदास Best J.W. (1999). *Research in Education*, New Delhi: Prentice Hall of India Pvt. Ltd. Kothari, C.R. & Garg, G. (2019). *Research Methodology: Methods and techniques*. New Delhi:New Age International Publishers. कुमार, आर. (2017). *शोध कार्यप्रणाली : आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड (चतुर्थ संस्करण)*. नई दिल्ली: सेज भाषा. Mangal, S.K. (2010). *Statistics in Psychology and Education (2nd Edition)*. New.Delhi: PHI Publishing Pvt. Ltd.
2.	संदर्भ-ग्रंथ	Bailey, S. (2017). Academic Writing: *A Handbook for International Students (5th Ed.)*. UK: Taylor & Francis. Kate L. Turabian, Wayne C. Booth, Gregory G. Colomb, Joseph M. Williams (2018). *A Manual for Writers of Research Papers, Theses and Dissertations (9th Edition)*. USA: The University of Chicago Press.
3.	ई-संसाधन	http://www.scopus.com/ https://scholar.google.co.in/ http://thomsonreuters.com/en/products-services/scholarly-scientific-research/scholarly-search-and-discovery/web-of-science.html http://www.researchgate.net/ http://www.apastyle.org/ https://hi.wikihow.com/%E0%A4%8F%E0%A4%95-%E0%A4%B6%E0%A5%8B%E0%A4%A7%E0%A4%AA%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0-(Research-Paper)-%E0%A4%B2%E0%A4%BF%E0%A4%96%E0%A5%87%E0%A4%82 https://hi.mort-sure.com/blog/difference-between-essay-and-research-paper/ https://www.grammarly.com/blog/how-to-write-a-research-paper/ https://courses.lumenlearning.com/suny-englishcomp2kscopexmaster/chapter/what-is-research-writing/ https://youtu.be/oX0YjYX4HTU https://www.youtube.com/watch?v=x3aRwGKDsws&t=2s https://www.youtube.com/watch?v=ogPygxnVg-4

1. पाठ्यचर्या का नाम: विज्ञान का का उच्च शिक्षणशास्त्र

(Name of the Course) Advanced Pedagogy of Science

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 02
(Code of the Course)

2. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **विज्ञान शिक्षा की संकल्पना:** यह इकाई विज्ञान को एक निरंतर गतिशील एवं विस्तृत ज्ञानानुशासन तथा सामाजिक उद्यम के रूप में प्रस्तुत करती है | विज्ञान के अन्य विषयों के साथ अंतर्संबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण करती है तथा विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में उभरते दृष्टिकोण की व्याख्या करती है |
- **विज्ञान पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या सामग्री और अधिगम संसाधन:** यह इकाई विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन प्रस्तुत करती है | विज्ञान में शिक्षण-अधिगम हेतु विभिन्न प्रकार के पाठ्यचर्या सामग्री की रचना तथा विकास की विवेचना करती है |
- **विज्ञान में शिक्षण-अधिगम के उपागम:** यह इकाई विज्ञान में विभिन्न शिक्षण-अधिगम उपागमों, विधियों और रणनीतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करती है | वैज्ञानिक दृश्य और वैज्ञानिक संचार के अंतःक्रियात्मक एवं नवाचारी तरीकों के अनुप्रयोग के लिए अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है |
- **विज्ञान शिक्षा में मूल्यांकन:** यह इकाई विज्ञान में सतत और व्यापक मूल्यांकन के लिए विभिन्न वैकल्पिक उपकरणों और तकनीकों की तुलना करती है तथा उनके अनुप्रयोग हेतु अहयेताओं में अंतर्दृष्टि का विकास करती है | विद्यार्थियों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने में आकलन की भूमिका की व्याख्या करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- विज्ञान की एक निरंतर गतिशील एवं विस्तृत ज्ञानानुशासन तथा सामाजिक उद्यम के रूप में संकल्पना शक्ति |
- विज्ञान के अन्य विषयों के साथ अंतर्संबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता |
- विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में उभरते दृष्टिकोण के प्रति सराहना |

- विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन करने की दक्षता |
- विज्ञान में शिक्षण-अधिगम हेतु विभिन्न प्रकार के पाठ्यचर्या सामग्री की रचना तथा विकास की विवेचना करने का सामर्थ्य |
- विज्ञान में विभिन्न शिक्षण-अधिगम उपागमों, विधियों और रणनीतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की दक्षता |
- विज्ञान में सतत और व्यापक मूल्यांकन के लिए विभिन्न वैकल्पिक उपकरणों और तकनीकों की तुलना कर उनके अनुप्रयोग के संदर्भ में निर्णय क्षमता |
- विज्ञान पाठ्यचर्या की योजना, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन की योग्यता |
- विज्ञान में शिक्षण-अधिगम सामग्री तथा मूल्यांकन के विभिन्न माध्यमों के चयन, निर्धारण, निर्माण/विकास एवं उपयोग की दक्षता |
- सामाजिक-सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, नैतिक एवं पर्यावरणीय पृष्ठभूमि में विज्ञान शिक्षा को स्थापित करने की क्षमता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	विज्ञान शिक्षा की संकल्पना विज्ञान शिक्षा की संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र, विज्ञान में रूपनिदर्शन विस्थापन एवं वैज्ञानिक क्रान्ति की भूमिका, विज्ञान के क्षेत्र में वस्तुनिष्ठता बनाम व्यक्तिनिष्ठता	3	0	0	3	5
मॉड्यूल-2	विज्ञान शिक्षा की तत्वमीमांसीय रुपरेखा: विभिन्न शिक्षा नीति	2	1	1	4	6.66

	दस्तावेजों- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, शिक्षा आयोग की रिपोर्ट तथा पाठ्यचर्या रुपरेखा के संदर्भ में, विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में उभरते दृष्टिकोण और अनुसंधान के अवसर					
मॉड्यूल-3	विज्ञान शिक्षा के लक्ष्य और उद्देश्य: विज्ञान-प्रौद्योगिकी-समाज के अन्तःक्षेपण के विशेष संदर्भ में,वैज्ञानिक साक्षरता	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-4	विज्ञान शिक्षा के लिए अंतरानुशासनिक उपागम का आलोचनात्मक विश्लेषण	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-5	विज्ञान पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या सामग्री और अधिगम संसाधन विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान पाठ्यक्रम के नियोजन, निर्माण और संगठन के उपागम	3	1	0	4	6.67
मॉड्यूल-6	पाठ्यचर्या सामग्री की रचना तथा विकास जैसे- पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, शिक्षक पुस्तिका, विज्ञान शिक्षा मार्गदर्शिका, विश्वकोश, शब्दकोश	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-7	विद्यालय में उपलब्ध अधिगम संसाधन, स्थानीय वातावरण में उपलब्ध अधिगम संसाधन,	2	0	1	3	5

	सामुदायिक संसाधन, वर्ल्ड वाइड वेब अधिगम संसाधन के रूप में; विज्ञान में अन्य पाठ्यचर्या क्रियाकलापों के आयोजन के लिए अधिगम संसाधन					
मॉड्यूल-8	विभिन्न प्रकार की शिक्षण-अधिगम सामग्री जैसे- मुद्रित, श्रव्य, श्रव्य-दृश्य, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया-सूचना एवं संचार तकनीकी,जनसंचार मीडिया	2	1	1	4	6.66
मॉड्यूल-9	विज्ञान में शिक्षण-अधिगम के उपागम विज्ञान में शिक्षण-अधिगम के विभिन्न उपागमों का आलोचनात्मक मूल्यांकन- आगमन उपागम , निगमन उपागम, आगमनात्मक–निगमनात्मक उपागम , पृच्छा उपागम, प्रकरण आधारित उपागम, सामाजिक अधिगम	5	1	1	7	11.67
मॉड्यूल-10	शिक्षण–अधिगम की विभिन्न विधियाँ और रणनीतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन- समन्वित एवं सहयोगात्मक रणनीतियाँ, समस्या-समाधान, परियोजना आधारित अधिगम, अवधारणा मानचित्रण, 5-ई मॉडल, आई.कन.मॉडल, ग्राफिक आयोजक, भूमिका	5	1	2	8	13.33

	मंचन और नाटकीय रूपांतरण					
मॉड्यूल-11	विज्ञान शिक्षा में मूल्यांकन वैकल्पिक आकलन उपकरण और तकनीक- अवलोकन, अवलोकन अनुसूची, रेटिंग स्केल, प्रस्तुतीकरण, पोर्टफोलियो, प्रदत्त कार्य, परियोजना, साक्षात्कार, ध्यान केंद्रित समूह चर्चा, खुली किताब परीक्षा, चिंतनशील और रचनात्मक लेखन, एनेकडोटल रिकॉर्ड आदि	5	1	2	8	13.33
मॉड्यूल-12	विद्यार्थियों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना तथा आकलन की तकनीक	2	0	0	2	3.33
मॉड्यूल-13	विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न प्रसंस्करण कौशलों का आकलन, नैदानिक और उपचारात्मक आकलन	3	1	1	5	8.34
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक • निगमनात्मक • निर्माणवादी • चिंतनशील • समेकित/एकीकृत • अंतरानुशासनिक • सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा • विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण • पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति, • ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) • ई-संसाधन • शोध पत्र • स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X
8.	X	X	X	X	X	X	X	X
9.	X	X	X	X	X	X	X	X
10.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Focus Group Report on Teaching of

		Science (2005). NCERT: New Delhi. • कुलश्रेष्ठा, सिंह तथा गिल (2008). जीव विज्ञान शिक्षण. आर. लाल. बुक डिपो: मेरठ। • भौतिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र (2013). एन.सी.ई.आर.टी.: दिल्ली। • मंगल, एस. के. (2011). जीव विज्ञान शिक्षण. आर्य बुक डिपो: नई दिल्ली। • शर्मा एवं प्रजापति (2010). विज्ञान शिक्षण. साहित्यागार: जयपुर।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• National Curriculum Framework (2005). NCERT: New Delhi. • Chalmers, A. (1999). What is the thing called science. 3rd Ed. Open University Press: Buckingham. • Edwards, A.L., (1957). Techniques of Attitudes Scale Construction. New York
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1.**पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक विज्ञान का उच्च शिक्षणशास्त्र**

(Name of the Course): Advanced Pedagogy of Social Science

2.**पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई02**

3.**क्रेडिट (Credit):04 क्रेडिट**

4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिटघंटे	60

5.**पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):**

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है**:**

- **सामाजिक विज्ञान की प्रकृति:** यह इकाई वर्तमान में सामाजिक विज्ञान में चल रही बहस, स्कूल के विभिन स्तरों पर सामाजिक विज्ञान के लक्ष्य तथा विद्यार्थियों में समाज के प्रति विश्लेष्णात्मक दृष्टिकोण का विकास करती है|
- **विद्यार्थियों में सामाजिक वास्तविकता की समझ का विकास:** स्कूल में सामाजिक विज्ञान के पाठ्यचर्या की आलोचनात्मक समीक्षा: सामाजिक विज्ञान ज्ञानानुशासन की गहन करती है और सामाजिक वस्तविकता की जाँच पड़ताल के लिए अन्तःविषयक लेंस के विकास की समालोचना करती है|
- **सामाजिक विज्ञान की माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या:** यह इकाई सामाजिक विज्ञान की विशिष्ट अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम की संरचना तथा निर्माण की प्रक्रिया पर चर्चा करती है तथा स्कूल में सामाजिक विज्ञान के पाठ्यचर्या की आलोचनात्मक समीक्षा करती है| यह माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या के निर्माण में सामाजिक विज्ञान के विभिन्न ज्ञानानुशासन की भूमिका को भी प्रस्तुत करती है |
- **माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के शिक्षण का सन्दर्भ:** यह इकाई विभिन आय समूहों के लिए सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या के विभिन्न दृष्टिकोणों का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए अध्येताओं को प्रेरित करती है तथा विभिन्न स्कूलों में पढाई जाने वाली सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण करती है|
- **माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या के निर्माण में सामाजिक विज्ञान के विभिन्न ज्ञानानुशासन की भूमिका:** यह इकाई राष्ट्र-राज्य की आवश्यकता व नागरिकता की अवधारणा और 19वीं और 20वीं शताब्दी में नागरिक शास्त्र का दायरा तथा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अन्य विषयों के साथ नागरिक शास्त्र के अंतर्संबंध को प्रस्तुत करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. स्कूल में सामाजिक विज्ञान की पाठ्यचर्या और शिक्षणशास्त्र और उसके चारो ओर जो भी बहस हो उसमें आलोचनात्मक समझ का विकास|
2. सामाजिक विज्ञान ज्ञानानुशासन की गहन विश्लेष्णात्मक समझ का विकास तथा सामाजिक वस्तविकता की जाँच पड़ताल के लिए अन्तःविषयक अंतर्दृष्टि का विकास |

3. सामाजिक विज्ञान की विशिष्ट अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए, चाहे वह विषय से जुड़ी हों या अन्तःविषय से, पाठ्यक्रम और पाठ्यसामग्री के विकास की दक्षता|
4. सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या के विभिन्न दृष्टिकोणों के तुलनात्मक अध्ययन की दक्षता।
5. राष्ट्र-राज्य की आवश्यकता व नागरिकता की अवधारणा और 19वीं और 20वीं शताब्दी में नागरिक शास्त्र का दायरा तथा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अन्य विषयों के साथ नागरिक शास्त्र के अंतर्संबंध का बोध|
6. कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**सामाजिक विज्ञान की प्रकृति** • स्थानिक, अस्थायी और अर्थव्यवस्था के आयाम - वर्तमान में सामाजिक विज्ञान में चल रही बहस • स्कूल के विभिन स्तरों पर सामाजिक विज्ञान के लक्ष्य : भारतीय राष्ट्र और भारतीय समाज के व्यापकसंदर्भ में सामाजिक विज्ञान की शिक्षा की भूमिका का स्थिति निर्धारण	8	2	2	12	20

	• विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों और समानता के लिए प्रतिबद्धता , सामाजिक न्याय, विविधता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और नागरिकता के विकास में साजिक विज्ञान विषय की भूमिका • विद्यार्थियों में तात्कालिक सामाजिक सन्दर्भ और व्यापक सामाजिक वास्तविकता की समझ के विकास में सामाजिक विज्ञान की भूमिका • विद्यार्थियों में समाज के प्रति विश्लेष्णात्मक दृष्टिकोण का विकाससामाजिक , परिवर्तन और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति					
मॉड्यूल-2	**विद्यार्थियों में सामाजिक वास्तविकता की समझ का विकास** • आयु के अनुसार	8	2	2	12	20

	अवधारणाओं का विकास- सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनितिक, आर्थिक परिस्थिति में विद्यार्थी किस प्रकार सामाजिक घटनाएं और अवधारणाओं को समझते हैं इसका अनुभवजन्य अध्ययन • सामाजिक विज्ञान की दैनिक अवधारणाओं की अमूर्त समझ • विद्यार्थियों की संकल्पना की समझ और सामाजिक विज्ञान अध्यापन और पाठ्यक्रम के लिए संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को समझने के महत्व					
मॉड्यूल-3	**सामाजिक विज्ञान की माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या** • पाठ्यक्रम का चयन और निर्माण, ज्ञान, विचारधारा, राज्य सत्ता, ज्ञान निर्माण की राजनीति, पितृसत्ता, विविधता	8	2	2	12	20

	और पाठ्यचर्या में सम्बन्धों की जाँच पड़ताल • स्कूल में सामाजिक विज्ञान के पाठ्यचर्या की आलोचनात्मक समीक्षा: राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 1975, 1988, 2000 और 2005, इसके साथ पोजीशन पेपर, सामाजिक विज्ञान की पाठ्यचर्या के सम्बन्ध में राष्ट्रीय नीतियों और आयोग के दस्तावेजों की आलोचनात्मक समीक्षा • माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के किसी एक डोमेन का विस्तृत एतिहासिक और तत्कालीन अध्ययन: इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र					
मॉड्यूल-4	**माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक**	8	2	2	12	20

	विज्ञान के शिक्षण का सन्दर्भ विभिन आय समूहों के लिए सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या के विभिन्न दृष्टिकोणों का तुलनात्मक अध्ययन, विभिन्न स्कूलों में पढाई जाने वाली सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के समान अतीत को इतिहास के पाठ्यचर्या में किस प्रकार पढाया जाता है, जर्मनी और पोलैंड का इतिहास (नाजी जर्मनी का काल) कक्षा में टेक्स्ट को किस प्रकार पढाया जा रहा है इसके समझ का विकास					
मॉड्यूल5	**माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या के निर्माण में सामाजिक विज्ञान के विभिन्न ज्ञानानुशासन की भूमिका** राष्ट्र-राज्य की आवश्यकता, नागरिकता की अवधारणा और 19वीं और 20वीं शताब्दी में	8	2	2	12	20

	नागरिक शास्त्र का दायरा, समकालीन समय में नागरिक-राज्य गतिशीलता में विकास, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अन्य विषयों के साथ नागरिक शास्त्र के अंतर्संबंध, नागरिक शास्त्र के दायरे के विस्तार में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण, नागरिक जीवन और राज्य संस्था व गैर राज्य संस्था के बीच सम्बन्ध					
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1.निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3.निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5.चिंतशील 6.अंतरानुशासनिक 7.सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1.दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6.संगोष्टी प्रस्तुतीकरण

तकनीक	1.शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3.व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1.पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट)3.लैपटाप 4.प्रोजेक्टर 5.स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	-	X	-	X	X	-
5	X	X	X	-	X	X	-	X
6	X	X	X	-	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	**कक्षा में सतत मूल्यांकन**	**उपस्थिति**	**सेमिनार***	**सत्रीय-पत्र#**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	**आधार/पाठ्य ग्रंथ**	• MHRD, Gov. of India (1992), National Policy on Education (revised) New Delhi. • MHRD, (1992), Programme of Action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy on Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	• Batra, P. (Ed 2010). Social Science Learning in Schools: Perspective and Challenges. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi. • George, A., M. &Madan, A. (2009). Teaching Social Science in Schools. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi.

		• Hamm, B. (1992).Europe – A Challenge to the Social Sciences. International Social Science Journal (vol. 44). • Haralambos, M. (1980). Sociology Themes and Perspectives. New York. O.U.P. • Mayor, F. (1992). The Role of the Social Sciences in a changing Europe.International Social Science Journal (vol. 44). • Popper, Karl. (1971). The Open Society and its Enemies. Princeton University Press. • Prigogine, I., &Stengers I. (1984). Order Out of Chaos: Man's New Dialougewith Nature.Batnam Books. • Wagner, P. (1999). The Twentieth Century – the Century of the Social Sciences? World Social Science Report. • Wallerstein, I, et al., (1996). Open The Social Sciences: Report of the Gulbenkian commission on the Restructuring of the Social Sciences. Vistaar Publications, New Delhi. • Williams, M. (2000). Science and Social Science: An introduction. Routledge, London and New York.
3	**ई-संसाधन**	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1.पाठ्यचर्या का नाम: भाषा का उच्च शिक्षणशास्त्र

Name of the Course: Adavanced Pedagogy of Language

2.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई02

3.क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**7**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**7**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **भाषा अधिगम:** यह इकाई अधिगमकर्ता को भाषा की प्रकृति एवं महत्व, भाषा अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक व भारत में बहुभाषावाद से परिचित कराती है|
- **भाषा के प्रसार के लिए अभिकरण:** यह इकाई अधिगमकर्ता को भाषा के प्रचार में विश्वविद्यालयोंराज्य शैक्षिक , ,अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण केंद्र क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान के योगदान का बोध कराती है |
- **भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान:** यह इकाई भाषा अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र, भाषा और पाठ्यक्रमबहुभाषावाद को , विशेष समूहों के लिए पाठयक्रम को अधिगमकर्ता के समक्ष ,बढ़ावा देने के लिए विधि और सामग्रीप्रस्तुत करती है |
- **भाषा पाठ्यक्रमनियोजन और मूल्यांकन ,:** यह इकाई पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का प्रारूप, संकल्पना एवं प्रकार , नियोजन के प्रकारजैसे वार्षिक नियोजनशिक्षण कौशल ,पाठ नियोजन ,इकाई नियोजन ,, पोर्टफोलिओ (Portfolio), रुब्रीक्स को समीक्षात्मक (Rubric)विवरण के रूप में प्रस्तुत करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning the Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. भाषा की प्रकृति एवं महत्व, भाषा अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक व भारत में बहुभाषावाद का बोध |

2. भाषा के प्रचार में विश्वविद्यालयों, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान के योगदान का विश्लेषण करने का कौशल |

3. भाषा अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र; भाषा और पाठ्यक्रम, बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए विधि और सामग्री, विशेष समूहों के लिए पाठयक्रम का बोध |

4. पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का प्रारूप, संकल्पना एवं प्रकार, नियोजन के प्रकार : वार्षिक नियोजन, इकाई नियोजन, पाठ नियोजन, शिक्षण कौशल, पोर्टफोलिओ(Portfolio), रुब्रीक्स (Rubric) का समीक्षात्मक विवरण करने की क्षमता |

5. अधिगमकर्ता के परिवेश से सम्बंधित प्रदतों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता |

6. कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |

7. समूह गतिशिलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला ..... (Interaction/ Training/ Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	**भाषा अधिगम** • भाषा की प्रकृति एवं महत्व • भाषा अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक • भारत में बहुभाषावाद • भाषा विज्ञान का अर्थ, प्रकार एवं प्रासंगिकता। • संवैधानिक प्रावधान और	10	2	3	15	25

	भाषा की शिक्षा की नीतियां (अनुच्छेद : 343- 351), त्रिभाषा सूत्र • भाषा विकास के मुख्य अवधारणाओं का सूक्ष्म परिक्षण- चोमस्की - भाषा अधिग्रहण डिवाइस (LAD), पियाजे- संज्ञानात्मक रचनावाद और भाषा, व्यागोस्त्की- भाषा सीखने के सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य,शिक्षण विधि के विकास में इन सिद्धांतों का उपयोग | • भाषा शिक्षण के लिए पाठ्य सहगामी गतिविधियां -					

	निबंध, भाषण, वाद-विवाद, नाटक, शब्द का खेल, प्रश्नोत्तरी आदि • संज्ञानात्मक उन्नत भाषा प्रवीणता (CALP)					
मॉड्यूल-2	**भाषा के प्रसार के लिए अभिकरण** • भाषा के प्रचार में विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों का योगदान ➢ सरकारी ➢ गैर-सरकारी • भारत और विदेश में भाषाविद् • भाषा के क्षेत्र में पुरस्कार एवं सम्मान • भाषा में प्रिंट मीडिया • भाषा शिक्षण के मुक्त संस्थान: इग्नू , सीफेल, नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी),	10	2	3	15	25

	महाराष्ट्र साहित्य परिषद्, वैश्विक मराठी परिषद्, मराठी अभ्यास परिषद्, मराठी विकास परिषद् • भाषा अध्यापक शिक्षा संस्थान : सीफेल, संस्कृत शिक्षण संस्थान, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान					
मॉड्यूल-3	**भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान** • भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान : प्रचलन, अंतराल , प्राथमिकताएं • भाषा अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र ; भाषा और पाठ्यक्रम , बहुभाषावाद को बढ़ावा देने	10	2	3	15	25

	के लिए विधि और सामग्री , विशेष समूहों के लिए पाठयक्रम में विकल्प आदि • भाषा में अनुसंधान के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और दार्शनिक आधार • शाब्दिक आलोचना की तकनीक • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी एवं भाषा					
मॉड्यूल-4	**भाषा पाठ्यक्रम, नियोजन और मूल्यांकन** • पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का प्रारूप : संकल्पना एवं प्रकार • नियोजन के प्रकार : वार्षिक नियोजन, इकाई	10	2	3	15	25

	नियोजन, पाठ नियोजन • शिक्षण कौशल • आधुनिक भाषा मूल्यांकन प्रणाली एवं विभिन्न परीक्षाएं , पोर्टफोलिओ(Portfolio),रुब्रीक्स (Rubric) • परीक्षण के प्रकार: अभिवृत्ति परीक्षण, निकष-संदर्भ परीक्षण, सर्वसामान्य प्रमाण संदर्भ परीक्षण • उद्देश आधारित मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्र की निर्माण, दक्षता आधारित मूल्यांकन एवं विषय वस्तु आधारित					

	मूल्यांकन • उपलब्धि परीक्षण का निर्माणप्रश्न , पत्र के ब्लू प्रिंट का निर्माण • सतत एवं व्यापक मूल्यांकन एवं ग्रेडिंग प्रणाली					
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1.निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3.निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5.चिंतशील, 6.अंतरानुशासनिक 7.सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1.दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6.संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1.शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3.व्यष्टि अध्ययन

	5. व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1.पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3.लैपटाप 4.प्रोजेक्टर 5.स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:**

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X

6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	**कक्षा में सतत मूल्यांकन**	**उपस्थिति**	**सेमिनार***	**सत्रीय-पत्र#**	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• MHRD (1992), National Policy on Education (Revised). New Delhi, MHRD, Govt. of India • MHRD, (1992). Programme of action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy on Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014

2	**संदर्भ-ग्रंथ**	● Bennett, W.A. (1969) Aspects of Language and Language Teaching, London, Cambridge University Press ● Britton, James (1973), Language and Learning, England. Penguin Books ● Brooks, Nelson (1964), Language and Language Learning, , New York, Harcourt Brace & world, INC. ● Byrnes (2006), Advanced Language Learning: The contribution of Halliday and Vygotsky, Continuum International Publishing Group ● Chomsky Noam (2003) On language, Penguin Books , India ● Crystal, David (1987), The Cambridge Encyclopedia of Language, New York, Cambridge University Press ● Gleason, J. Berko (Ed.) (1993)The Development of Language, New York, Macmillan ● Halliday (1968) The Linguistics, Science and Language Teaching, London, Longmans ● Krashen, Stephen (1988), Second Language Acquisition and Second Language Learning, Prentice Hall International ● Lyons, John (1981) Language and Linguistics- An Introduction, New York, Cambridge University Press ● Simon, Green (Ed.) New Perspectives in Teaching and Learning Modern Languages Multilingual Matters, Frankfurt Lodge, Clevedon Hall, Victoria Road, U.K. ● Vygotsky, L.S. (1978), Mind and Society, Cambridge, M.A: The MIT Press ● Yule, George (1985), The Study of Language, New York, Cambridge University Press ● चतुर्वेदी शिखा, हिन्दी शिक्षण, आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ.

		● जोशी सुषमा, हिन्दी भाषा शिक्षण, आलोक प्रकाशन, अमीनावाद, लखनऊ. ● पाण्डे रामशकल, हिन्दी शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा. ● क्षत्रिय के, मातृभाषा शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा. ● भाई जोगेन्द्रजीत, , हिन्दी शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा. ● तीवारी भोलानाथ, भषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वारणासी. ● शर्मा लक्ष्मनाराय़ण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षणं नवीन प्रविधयःआदित्यप्रकाशन,जयपुर. ● मित्तल,संतोष,संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पव्लिकेशन्स्,जयपुर. ● सफाया रघुनाथ,संस्कृतशिक्षण, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी. ● विश्वासः,कौशलबोधिनि, संसकृत भारती, दिल्ली. ● शर्मा मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं विद्यापीठ, तिरूपति. ● सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि,एच्. पि.भार्गव बुक सेंटर, आगरा. ● चौवे विजयनारायण, संस्कृत शिक्षण विधि, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान,लखलऊ.
3	**ई-संसाधन**	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** गणित का उच्च शिक्षणशास्त्र
)Name of the Course): Advanced Pedagogy of Mathematics
2. **पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई 02**
3. **क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट** **4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **गणित का विकास, महत्त्व और सार्थकता:** यह इकाई गणित के अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति का वर्णन करती है तथा विद्यालयी पाठ्यचर्या में गणित विषय के स्थान एवं महत्त्व की समीक्षा करती है। यह गणितीय तर्क की प्रक्रिया का वर्णन करती है तथा गणितीय संरचना निर्माण और प्रमाण विषय पर व्यापक रूप से चर्चा करती है।
- **पाठ्यक्रम और गणित:** यह इकाई गणितीय संप्रत्ययों के सीखने के सिद्धांतों तथा माध्यमिक स्तर पर गणित पाठ्यक्रम के विकास के सिद्धांतों की विवेचना करती है। यह वर्तमान में विद्यालय स्तर पर गणित के पाठ्यक्रम की समस्याओं एवं चुनौतियों पर गहराई से प्रकाश डालती है।
- **गणित सीखने के दार्शनिक आधार:** यह इकाई गणित सीखने के दार्शनिक आधार पर व्यापक रूप से चर्चा करती है तथा गणितीय ज्ञान एवं चिंतन से संबंधित विभिन्न वैचारिक समूहों के चिंतन का विश्लेषण करती है। यह गणित सीखने के संज्ञानात्मक एवं निर्माणवादी परिप्रेक्ष्य की समालोचना भी करती है।
- **गणित शिक्षण में शोध:** यह इकाई गणित शिक्षण के क्षेत्र में शोध के वर्तमान परिदृश्य को उजागर करती है तथा गणित विषय के शिक्षक के ज्ञान और विश्वास तथा गणितीय चिंतन के संवर्धन में उनकी भूमिका की समीक्षा करने हेतु अध्येताओं को प्रेरित करती है।

6.अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता-

1. गणित की एक अनुशासन के रूप में समीक्षा कर सकेंगे|
2. सामूहिक चर्चा में सहभागिता करते हुए गणित शिक्षण के लिए निर्माणवादी पद्धति की उपादेयता का मूल्यांकन कर सकेंगें।
3. अनुकरणीय शिक्षण के माध्यम से विभिन्न गणितीय संप्रत्ययों के शिक्षण-अधिगम हेतु गणित शिक्षण की विभिन्न विधियों का अनुप्रयोग कर सकेंगे|
4. आगमन और गणितीय आगमन के मध्य अंतर कर सकेंगे|
5. गणित शिक्षण के विभिन्न दार्शनिक पहलुओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे|
6. सामूहिक गतिविधि/परियोजना कार्य के माध्यम से गणितीय मॉडल का प्रयोग करते हुए वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल कर सकेंगे।
7. कार्यशाला के माध्यम से गणित शिक्षण के क्षेत्र में समकालीन शोध विमर्शों पर विचारशील चिंतन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**इकाई-1: गणित का विकास, महत्त्व और सार्थकता** **गणित का अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति तथा पाठ्यचर्या में गणित का स्थान** गणित का अर्थ, क्षेत्र और प्रकृति,गणित में सौंदर्य सिध्दांत, पाठ्यचर्या में गणित का स्थान और महत्त्व, गणितीय तर्क: सामान्यीकरण की प्रक्रिया, पैटर्न की पहचान, निगमन तर्क विधि, गणितीय आगमन तर्क की विधि	5	1	1	7	11.67%
मॉड्यूल-2	**इकाई-1: गणित का विकास, महत्त्व और सार्थकता** **गणितीय संरचना एवं प्रमाण** गणितीय संरचना का निर्माण: स्वयंसिध्दियां, अभिगृहीतियाँ और प्रमाण: प्रमाण की	5	1	2	8	13.33%

	विभिन्न विधियाँ: प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, विपरीत उदाहरण और आगमन के द्वारा प्रमाण, गणित शिक्षण में परावर्ती शिक्षण पध्दतियाँ					
मॉड्यूल-3	**इकाई-2: पाठ्यक्रम और गणित** **गणितीय संप्रत्ययों को सीखने में अधिगम सिद्धांत** गणितीय संप्रत्यओं को सीखने में विकासात्मक क्रम से:- पियाजे, ब्रुनर, व्यगोस्की का अंतर्दृष्टि चिंतन गणित	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-4	**इकाई-2: पाठ्यक्रम और गणित** गणितीय पाठ्यचर्या के विकास के सिद्धांत, माध्यमिक स्तर पर गणित का पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर वर्तमान गणित पाठ्यक्रम की समस्याएँ और चुनौतियाँ तथा इसके सुधार पर समीक्षात्मक मूल्यकरण, ज्ञान की सत्ता एवं राजनीति	5	-	2	7	11.67%
मॉड्यूल-5	**इकाई-3: गणित सीखने के दार्शनिक आधार** **गणित का दार्शनिक आधार एवं विभिन्न वैचारिक चिंतन**	5	1	2	8	13.33%

	गणित का दार्शनिक आधार: ज्ञानमीमांसीय और सत्ता मीमांसीय आधार, विभिन्न वैचारिक समूहों का चिंतन: तर्कवाद, रीतिवाद, प्लेटोनिज्म और अन्य					
मॉड्यूल-6	**इकाई-3: गणित सीखने के दार्शनिक आधार** **गणित सीखने के परिप्रेक्ष्य** संज्ञानवाद और निर्माणवाद के परिप्रेक्ष्य में गणित, गणित समझने के सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, विद्यालयी गणित विषय के ज्ञान का विद्यालय में और विद्यालय के बाहर अनुप्रयोग के चिंतन का विकास	5	-	2	7	11.67%
मॉड्यूल-7	**इकाई-4: गणित शिक्षण में शोध की प्रवृत्ति एवं गणित विषय के शिक्षक की भूमिका** **गणित शिक्षण में शोध प्रवृत्तियाँ** गणित शिक्षण के क्षेत्र में शोध का वर्तमान परिदृश्य, गणित शिक्षण शोध में समकालीन और उद्गामी समस्याएँ, गणित शिक्षण में नीति-निर्माण, गणित शिक्षण और विद्यार्थी के सीखने से	5	1	2	8	13.33%

	संबंधित शोध					
मॉड्यूल-8	**इकाई-4: गणित शिक्षण में शोध एवं गणित विषय के शिक्षक की भूमिका** **गणितीय चिंतन के संवर्धन में गणित विषय के शिक्षक की भूमिका** गणित अनुशासन के विषय में शिक्षक का ज्ञान और विश्वास तथा कक्षा में गणितीय चिंतन को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका, शिक्षक का विषय ज्ञान और उसका शैक्षणिक निर्णय पर प्रभाव	5	1	1	7	11.67%
योग		**40**	**6**	**14**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम, अनुकरणीय शिक्षण, दल शिक्षण
तकनीक	व्याख्यान-सह-चर्चा सामूहिक विचार- विमर्श कृत्रिम वातावरण में गणित शिक्षण-विधियों के अनुप्रयोग का अभ्यास निर्माणवादी गणित शिक्षण हेतु पाठ्यचर्या सामग्री के निर्माण विषय पर कार्यशाला परियोजना कार्य तथा प्रस्तुतीकरण व्यष्टि अध्ययन विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए गणित शिक्षण के क्षेत्र में समकालीन शोध विमर्शों पर चर्चा गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा

उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, स्लाइड शेयर, ई-बुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उसका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	X	-	-	-
2	X	X	X	-	X	X	-	X
3	X	X	X	-	X	X	-	X
4	X	X	-	-	X	-	-	-
5	X	X	X	-	X	-	-	X
6	X	X	X	X	X	X	X	X
7	X	X	X	-	X	X		X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	भाटिया, के. एवं कुमुद (2014). *गणित शिक्षण.* जालंधर: अमित प्रकाशन. Kulshrestha, A.K. (2007). *Teaching of Mathematics.* Meerut: R.Lal Book Depot. Mangal, S.K. (2007). *Teaching of Mathematics,* New Delhi: Arya Book Depot. Vygodsky, M. (2004). *Mathematical Handbook- Elementary Mathematics.* India: CBS Publishers and Distributors. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (2006). *गणित शिक्षण पर राष्ट्रीय फोकस समूह चर्चा पत्र*. नई दिल्ली: मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Baw, G.R. and George, L.U. (1976). *Helping Children Learn Mathematics-A Competency Based Laboratory Approach.* California: Cummings Publishing Co. Boyer, C. B. (1968). *History of Mathematics.* New York: John Wiley. Devlin, K. (1997). *Mathematics: The science of patterns*. New York: Scientific American Library. Devlin, K. (2011). *Mathematics education for a new era: Video games*

		as a medium for learning. Natick, MA: A. K. Peters. Devlin, K. (2012). *Introduction to mathematical thinking.* Palo Alto, CA: Keith Devlin. Ernest, P, Skovsmose, O., Bendegem, J.P., Bicudo, M., Miarcka, R., Kvasz, L. & Moeller, R..(2016) The Philosophy of Mathematics Education, ICME-13 Topical Surveys, DOI 10.1007/978-3-319-40569-8_1 Genovese, J. (2003). Piaget, pedagogy, and evolutionary psychology. *Evolutionary Psychology, 1*, 127-137. Hanna, G. (1995). Challenges to the importance of proof. *For the Learning of Mathematics*, 15(3), 42-49 Heimer, R.T. & Trueblood, C.R. (1970). *Strategies for Teaching Children Mathematics.* Massachusetts: Addision Wesley Publishing C. Lieback, P. (1980). *How Children Learn Mathematics*. USA: Penguin Books.
3	ई-संसाधन	https://www.nctm.org/publications/mathematics-teacher/ https://blogs.ams.org/matheducation/ http://www.progressiveteacher.in/teaching-of-mathematics-pradeep-wadhwa/ https://www.slideshare.net/lourise/the-teaching-of-mathematics https://www.e-booksdirectory.com/listing.php?category=102 https://www.youtube.com/watch?v=gBmenS6LZ_U https://www.youtube.com/watch?v=JQUYkuxnrms https://www.futurelearn.com/subjects/teaching-courses/teaching-science-technology-engineering-and-maths/teaching-maths https://www.open.edu/openlearn/education/mathematics-education/teaching-secondary-mathematics/content-section-1 https://www.nysut.org/~/media/files/nysut/resources/2015/april/2_edvoice viii_ch2.pdf?la=en

तृतीय सेमेस्टर (Third Semester)

1.पाठ्यचर्या का नाम: शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
(Name of the Course): Historical, Political and Economic Context of Education
2.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 09
3.क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट
4. सेमेस्टर (Semester): तृतीय
5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

1. **स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व शिक्षा:** यह इकाई अधिगमकर्ता को स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व प्राचीन भारतीय काल में शिक्षा की प्रगति : ब्राम्हिक वैदिक, बौद्ध, जैन, मुस्लिम-इस्लामी समय से परिचित कराती है |

2. **स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा:** यह इकाई भारतीय शिक्षा विकास के लिए सुनियोजित प्रयास, पंचवर्षीय योजना, योजना के दौरान शिक्षा के विकास एवं प्रगति का मूल्यांकन अधिगमकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करती है |

3. **शिक्षा का राजनीतिक परिप्रेक्ष्य:** यह इकाई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है |

4. **शिक्षा का आर्थिक परिप्रेक्ष्य:** शिक्षा पर परिव्यय में वृद्धि और उनकी सामाजिक-आर्थिक कारणों की विवेचना करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व प्राचीन भारतीय काल में शिक्षा की प्रगति का बोध |

2. भारतीय शिक्षा विकास के लिए सुनियोजित प्रयास, पंचवर्षीय योजना, योजना के दौरान शिक्षा के विकास एवं प्रगति का मूल्यांकन करने की क्षमता |

3.राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था की आलोचना करने की क्षमता |

4. शिक्षा पर परिव्यय में वृद्धि और उनकी सामाजिक-आर्थिक कारणों की विवेचना करने की क्षमता |

5.अधिगमकर्ता के परिसर से सम्बंधित प्रदतों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता |

6.कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |

7.समूह गतिशिलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व शिक्षा** • प्राचीन भारतीय काल में शिक्षा की प्रगति : ब्राम्हिक वैदिक, बौद्ध, जैन, मुस्लिम-इस्लामी समय • ब्रिटिश काल में शिक्षा की प्रगति मैकाले का : मिनट, वुड्स डिस्पैच और सार्जेंट आयोग के संदर्भ में ब्रिटिश काल की शिक्षा की समीक्षा • स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व काल में	10	2	3	15	25

	महिलाओं की शिक्षा की स्थिति					
मॉड्यूल-2	**स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा** • स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा: शिक्षा के संवैधानिक प्रावधान, विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग)1948), माध्यमिक शिक्षा आयोग)1952-53), भारतीय शिक्षा आयोग)1964-66)। शिक्षा की राष्ट्रीय नीति 1986 और कार्य योजना (POA)1992 • भारतीय शिक्षा विकास के लिए सुनियोजित प्रयास , पंचवर्षीय योजना ,योजना के दौरान शिक्षा के विकास एवं	10	2	3	15	25

	प्रगति का मूल्यांकन					
मॉड्यूल-3	**शिक्षा का राजनीतिक परिप्रेक्ष्य** • मानव संसाधन : मानव संसाधन के लिए शिक्षा निवेश, आर्थिक विकास और शिक्षा के परिणाम • शिक्षा की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि , सामाजिक एवं ,निजी परिणाम समाज को शिक्षा की आवश्यकता • समाज के बदलते परिवेश में श्रमिकों के लिए शिक्षा और कौशल की मांग • शिक्षा की स्थिति की विस्तृत तुलनात्मक समीक्षा और	10	2	3	15	25

	जनशक्ति का विकास और राष्ट्र विकास					
मॉड्यूल-4	**शिक्षा का आर्थिक परिप्रेक्ष्य** • शिक्षा पर परिव्यय शिक्षा : पर परिव्यय में वृद्धि और उनकी -सामाजिक आर्थिक कारणों पर परिव्यय और परिणाम। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में संसाधनों के उपयोग में रुझान • प्रक्षेपण और शैक्षिक लागत के पूर्वानुमान की पद्धति। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रति इकाई लागत की तुलना	10	2	3	15	25
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1. निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3.निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5.चिंतनशील 6.अंतरानुशासनिक 7.सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1.दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6. संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1.शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3.व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1.पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3.लैपटाप 4.प्रोजेक्टर 5.स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है , उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	-	-	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	**कक्षा में सतत मूल्यांकन**	**उपस्थिति**	**सेमिनार***	**सत्रीय-पत्र#**	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	**आधार/पाठ्य ग्रंथ**	• MHRD (1992). National Policy on Education (Revised). New Delhi: Gov. of India. • MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy on Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	• John Vaizy, Keit Norris and Patrick Lynch (1972), The Political Economy of Education Gerald Duck worth and Company Limited. • Geeta kingdom, Muhammad, M (2003), The Political Economy of Education in India.Oxford University Press. • N.C.E.R.T., NCERT- the First Year Book of Education 1961. • Ministry of Education- Education Commission Report- 1964-66 Dr. Kothari Commission.

		• UNESCO- Economic and Social aspects of Educational Planning, 1963. • Naik J.P. - educational Planning in India 1996- allied Publishers. • Problems of Higher Education in India- An Approach to Structural Analysis and Recognition. • Educational Recognition- AcharyaNarendraDev Committee Report (1939-1953). • Yogendra K. Sharma (2001),History and Problems of EducationVoI-I by Kanishka Publishers. • Yogendra K Sharma(2001). History and problems of EducationVoi. II- by Kanishka Publishers. • Hartmut Sgharfe (2005). Education in Ancient India, by Fordhan Uni. Press. • Joseph k Brill (2002). Medieval Education, Ronald, Begley publications, Boston.
3	**ई-संसाधन**	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1.पाठ्यचर्या का नाम: पाठ्यचर्या अध्ययन
(Name of the Course): Curriculum Studies

2.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 10

3.क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4.सेमेस्टर (Semester): तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	**7**
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

1. **पाठ्यक्रम की संकल्पना, प्रकृति, डिज़ाइन और मॉडल:** यह इकाई अध्येताओं को पाठ्यक्रम की संकल्पना,प्रकृति,डिज़ाइन और मॉडल का अवबोध कराती है |

2. **प्रतिभाशाली और विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम:** यह इकाई प्रतिभाशाली और विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का अर्थ और अलग अलग दृष्टिकोण की अवधारणाओं को प्रस्तुत करती है |

3. **पाठ्यचर्या विकास:** यह इकाई पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया, पाठ्यचर्या योजना बनाने में लक्ष्य, उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्त्व, प्रभावित करने वाले कारकों का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है |

4. **पाठ्यक्रम विकास के आधार:** यह इकाई पाठ्यक्रम विकास के आधार, ज्ञानमीमांसीय आधार, ज्ञान के रूप, अनुशासन की संरचना, विभिन्न विषयों के समझ के स्तर की विशेषताएं, स्कूली विषयों की तार्किक व्याख्या की विवेचना करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1.पाठ्यक्रम की संकल्पना,प्रकृति,डिज़ाइन और मॉडल का बोध |
2.प्रतिभाशाली और विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का अर्थ और अलग अलग दृष्टिकोण की अवधारणा का ज्ञान |
3. पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया, पाठ्यचर्या योजना बनाने में लक्ष्य, उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्त्व, प्रभावित करने वाले कारकों की आलोचना करने की क्षमता |
4.पाठ्यक्रम विकास के आधार, ज्ञानमीमांसीय आधार, ज्ञान के रूप, अनुशासन की संरचना, विभिन्न विषयों के समझ के स्तर की विशेषताएं, स्कूली विषयों की तार्किक व्याख्या करने की क्षमता |
5.अधिगमकर्ता के परिवेश से सम्बंधित प्रदतों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता |
6.कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |
7.समूह गतिशिलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला ..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**पाठ्यक्रम की संकल्पना, प्रकृति, डिज़ाइन और मॉडल** • पाठ्यक्रम:- पाठ्यक्रम विकास की प्रकृति, पाठ्यक्रम विकास के तकनीक, वैज्ञानिक मॉडल; आर.डब्लु.टेलर (R.W. Taylor), हिलडा टबा (Hilda Taba), सेलर (Saylor) और अलेक्जेंडर (Alexander) और हकिन्स (Hunkins); ग्ल्यथोर्न	10	2	3	**15**	**25**

	(Glatthorn),वेन्स टेन (Weinstein) और फँटीनी (Fantini) द्वारा गैर-तकनीकी और गैर वैज्ञानिक दृष्टिकोण • पाठ्यक्रम डिजाईन : अवधारणा और प्रक्रिया • एकीकृत अनुशासनात्मक इकाईयां बनाना • पाठ्यक्रम डिजाईन के पारंपरिक मॉडल एकीकृत अवधारणाप्रक्रिया - माडल					
मॉड्यूल-2	**प्रतिभाशाली और विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम** • प्रतिभाशाली के लिए पाठ्यचर्य -: पाठ्यचर्या के विभिन्न उपागम , अलग –अलग संवर्धन ,पाठ्यक्रम अंतःविषय ,उपागम ,अनुदेश स्वतंत्र अध्ययन, मेंटरशिप कार्यक्रम, इंटर्नशिप,	**10**	**2**	**3**	**15**	**25**

	संवर्धन त्रय रिवॉल्विंग डोर मॉडलपाठ्यचर्या , ;संकुचित कार्यक्रम त्वरण दृष्टिकोण; उन्नत नियोजन , क्षमता ,सामूहिकरणव्यक्ति गत अनुदेशन • विशिष्ट चुनौतियों से युक्त छात्रों के लिए पाठ्यचर्या , वैयक्तिक शैक्षिक ;(IEP) कार्यक्रम एकीकृत शिक्षा – एकीकृत केमॉडल , ,समावेशी शिक्षा समुदाय आधारित अनुदेशन					
मॉड्यूल-3	**पाठ्यचर्या विकास** • पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया : पाठ्यचर्या योजना ,बनाने में लक्ष्य ,उद्देश्य एवं आवश्यकता लक्ष्य एवं ,महत्त्व उद्देश्यों को प्रभावित ,करनेवाले कारक उद्देश्यों के विनिर्देश स्तरवार एवं	10	2	3	**15**	25

	विषयवार मानकों की स्थापना • पाठ्य सामग्री चयन एवं सीखने का अनुभव : पाठ्यसामग्री चयन एवं सीखने के अनुभव में सम्मिलित सिद्धांत और मानदंड , ,संज्ञानात्मक वैधता पूर्ण महत्व ,दृष्टिकोण ,प्रयोज्यता ,उपयोगिता समग्रता ,निःष्पक्षता ,के लिए गुंजाइश विस्तार की चौड़ाई और समझ की गहराई • विषय संगठन एवं सीखने के अनुभव : ,निरंतरता ,सिद्धांत अनुक्रम और एकीकरण -क्षैतिज एवं उर्ध्वाधर संबंध , विषय के पार एवं विषय क्षेत्रों के भीतर सीखने के					

	अनुभव का उदाहरणों के साथ ,अवधारणा) संबंधी ,सिद्धांत ,सामान्यीकरण मूल्य ,दृष्टिकोण का (और कौशल एकीकरण					
मॉड्यूल-4	**पाठ्यक्रम विकास के आधार** • पाठ्यक्रम विकास के आधार : ज्ञानमीमांसीय ज्ञान के -आधार अनुशासन की ,रूप विभिन्न ,संरचना विषयों के समझ के ,स्तर की विशेषताएं स्कूली विषयों की तार्किक व्याख्या • सामजिक आधार : सामाजिक आवश्यकता और ,आकांक्षाएं ,संस्कृति और मूल्य सामाजिक ज्ञान ,परिवर्तन र ,विस्फोटाष्ट्रीय	10	2	3	15	25

	सरोकार और लक्ष्य ,वैश्वीकरण , स्थानीयकरण और ,निजीकरण राजनीतिक ,विचारधारा ,तकनीकी प्रभाव आर्थिक ,आवश्यकताएं छात्रों के आर्थिक -सामाजिक -बहु ,सन्दर्भ -बहु ,सांस्कृतिक गंभीर ,भाषी पहलु पर्यावरण -मुद्दे ,संबंधी चिंताएं ,समग्रता ,भेद-लिंग मूल्य की चिंताएं और मुद्दे , सामाजिक संवेदनशीलता • शिक्षार्थी और सीखने की प्रक्रिया की प्रकृति : शिक्षार्थी के विकास ;विशेषता की ,विकास कार्य -सीखने के सिद्धांत ,व्यवहारवादी					

	संज्ञानवादी और सामाजिक अधिगम और पाठ्यक्रम विकास के लिए उनकी प्रासंगिकता					
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम **2.** आगमनात्मक उपागम **3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम **5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक **7.**सहयोगपूर्ण **8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**1.**दार्शनिक चिंतन **2.** व्याख्यान-सह चर्चा **3.** सहयोगात्मक अधिगम **4.** ऐतिहासिक विधि **5.** पृच्छा आधारित अधिगम **6.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.**शोध आलेखों की समीक्षा **2.** संगोष्ठी/परिचर्चा **3.**व्यष्टि अध्ययन **5.** व्याख्यान-सह-चर्चा **6**. केंद्रित समूह चर्चा **7**.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण **8.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार

	प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास.
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	-	-	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• MHRD (1992). *National Policy on Education (Revised).* New Delhi: MHRD, Gov. of India. • MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996. • National Policy on Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Erickson. H. Lynn (1998), Concept Based Curriculum Instruction: Teaching Beyond the Facts; Crown Press, California.

		• Glasgow Neel, A(1996). New Curriculum for New Times, A Guide to Student-centred, Problem-based Learning, Crown Press, California. • Maclean, James, E. (1994), Improving Education through Action Research: A Guide for Administration and Teachers; Crown Press, California. • Ornstein, Allan, C. &FranciesHunkins(1993), Curriculum: Foundations, Principles and Theory; Allyn& Bacon, London. • Beauchamp, G.A (1981), Curriculum theory (4th edition.). Itasca, II: Peacock Publishers • Bruner. J.S. (1966) Towards a teory of Instruction. Cambridge. Harvard University Press. • Henson, Kenneth.T(1978), Curriculum development for Education reform. Harper Collins College publishers. • Joseph Schwab, (1969). The Practical: A language for curriculum. School Review, November. • Kelley, A.B. (1996). The Curricular Theory and Practice.Harper and Row, US. • Nirantar (1997). Developing a Curriculum for Rural Women, Nirantar, New Delhi. • Padma M. Sarangapani (2003). Constructing School Knowledge, An Ethnography of learning in an Indian Village, Sage Publication Inc., New Delhi. • Saylor,J.G& Alexander, W.M.(1966). Curriuclum planning for modern schools, NewYork: Holt, Rinehart&Winston.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: शिक्षा में गुणात्मक शोध विधियाँ
(Name of the Course) Qualitative Research Methods in Education

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडी 11
(Code of the Course) MED 11

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **गुणात्मक शोध का संप्रत्ययीकरण, उपागम एवं प्रविधि:** यह इकाई शिक्षा में गुणात्मक शोध की प्रकृति, उद्देश्य, व्याप्ति, क्षेत्र एवं प्रकार की व्याख्या करती है | गुणात्मक एवं मिश्रित शोध की विशिष्टता को स्पष्ट करती है |
- **शोध उपकरण एवं क्षेत्र कार्य:** यह इकाई गुणात्मक शोध अध्ययन हेतु चयनित समस्या के लिए उपयुक्त अभिकल्प का चयन करने के विभिन्न सोपनों एवं सिद्धांतों को प्रस्तुत करती है | अध्येताओं को उपकरण निर्माण एवं प्रदत्त संग्रहण की प्रक्रिया को समझने एवं सुगमतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए प्रोत्साहित करती है |
- **गुणात्मक प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या और अनुसंधान रिपोर्ट लेखन:** यह इकाई संबन्धित साहित्य का चयन एवं समीक्षा कर शोध प्रस्ताव तैयार करने के विभिन्न चरणों से अवगत कराती है | गुणात्मक शोध के मानदंडों को भी प्रस्तुत करती है |
- **शिक्षा के लिए अनुप्रयुक्त गुणात्मक अनुसंधान:** यह इकाई कार्यक्रम अनुसंधान एवं नीति अनुसंधान की विशिष्टताओं एवं उपयोगिता से परिचित कराती है | शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्ति वृत अध्ययन एवं क्रिया अनुसंधान अभिकल्प के अनुप्रयोग हेतु अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- शिक्षा में गुणात्मक शोध की प्रकृति, उद्देश्य, व्याप्ति, क्षेत्र एवं प्रकार की व्याख्या करने की क्षमता |
- गुणात्मक एवं मिश्रित शोध की विशिष्टता की स्पष्टता |
- गुणात्मक शोध अध्ययन हेतु चयनित समस्या के लिए उपयुक्त अभिकल्प का चयन करने की दक्षता |
- संबन्धित साहित्य का चयन एवं समीक्षा करना तथा शोध प्रस्ताव तैयार करने की क्षमता |
- उपकरण निर्माण एवं प्रदत्त संग्रहण की प्रक्रिया को समझना एवं सुगमतापूर्वक क्रियान्वित करने की दक्षता |

• शिक्षा में शोध के दस्तावेज एवं व्याप्ति के महत्व को अपने शोध कार्य द्वारा स्थापित करने की क्षमता |

- कार्यक्रम अनुसंधान एवं नीति अनुसंधान की विशिष्टताओं एवं उपयोगिता का अवबोध |
- गुणात्मक शोध अभिकल्पों की गहन समझ एवं अनुप्रयुक्तता की विशिष्ट परिस्थितियों का ज्ञान |
- गुणात्मक शोध अभिकल्प के अनुरूप शोध उपकरण/ प्रविधि के चयन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं विश्लेषण की दक्षता |
- शिक्षा में शोध के क्षेत्र में गुणात्मक शोध विधियों को मात्रात्मक शोध विधियों के पूरक/ समतुल्य देखने की अभिवृत्ति |
- शिक्षा में हो रहे नवाचारों या विभिन्न मुद्दों को शोध द्वारा जाँचने तथा उसे संदर्भीकृत करने में गुणात्मक शोध विधियों के प्रति प्रशंसा |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**गुणात्मक शोध का संप्रत्ययीकरण, उपागम एवं प्रविधि** गुणात्मक शोध: अर्थ, सोपान, विशिष्टता	**1**	**1**	**0**	**2**	3.33
मॉड्यूल-2	गुणात्मक शोध उपागम: परिघटना विज्ञान, नृजातीय अध्ययन, व्यष्टि अध्ययन, बुनियादी सिद्धांत	**4**	**0**	**1**	**5**	8.34
मॉड्यूल-3	ऐतिहासिक शोध: अर्थ, सार्थकता, सोपान, सूचना का प्राथमिक तथा द्वितीयक स्रोत, सूचना की आन्तरिक तथा बाह्य समीक्षा	**2**	**0**	**1**	**3**	5
मॉड्यूल-4	मिश्रित शोध: अर्थ, मूल सिद्धान्त, गुण, दोष, प्रकार,	**2**	**0**	**1**	**3**	5

	एवं सीमाएँ					
मॉड्यूल-5	वर्तमान सैद्धान्तिक परिदृश्य: उत्तर-आधुनिकवाद, नारीवाद	**1**	**1**	**0**	**2**	3.33
मॉड्यूल-6	**शोध उपकरण एवं क्षेत्र कार्य** प्रश्नावली: स्वरूप, निर्माण के सिद्धान्त एवं शैक्षिक शोध में अनुप्रयोग, प्रश्नावली का प्रशासन	**3**	**0**	**1**	**4**	6.67
मॉड्यूल-7	साक्षात्कार: प्रकार, विशेषताएँ एवं प्रायोज्यता, साक्षात्कार आयोजित करने के लिए दिशा निर्देश	**2**	**0**	**0**	**2**	3.33
मॉड्यूल-8	अवलोकन: कार्यक्रम का उपयोग, समय नमूना, फील्ड नोट्स, अवलोकन के दौरान शोधकर्ता की भूमिका, फोकस समूह चर्चा की प्रधानता	**3**	**1**	**1**	**5**	8.33
मॉड्यूल-9	पोर्टफोलियो और रुब्रिक	**2**	**1**	**1**	**4**	6.67
मॉड्यूल-10	**गुणात्मक प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या और अनुसंधान रिपोर्ट लेखन** सामग्री विश्लेषण, प्रदत्त का त्रिभूजन	**2**	**0**	**1**	**3**	5
मॉड्यूल-11	गुणात्मक अनुसंधान के मानदंड : प्रामाणिकता, सामुदायिक आवाज, क्रांतिक आत्मीयता और रिफ्लेक्सीविटी, पवित्रता	**2**	**0**	**0**	**2**	3.33
मॉड्यूल-12	गुणात्मक विश्लेषण और व्याख्या, चुनौतियां, भिन्नता और उद्देश्य,	**3**	**1**	**1**	**5**	8.34

	कोडिंग विश्लेषण, डेटा और सॉफ्टवेयर के साथ काम करने की यांत्रिकी					
मॉड्यूल-13	लेखन विकल्प, तर्क के बारे में निर्णय, पाठ के बारे में निर्णय, दर्शकों के बारे में निर्णय, अनुशासन के बारे में निर्णय	**2**	**0**	**0**	**2**	3.33
मॉड्यूल-14	रिपोर्ट लेखन: अवधारणा, सोपान एवं समग्र रिपोर्ट और प्रस्तुति लेखन	**1**	**1**	**1**	3	5
मॉड्यूल-15	**शिक्षा के लिए अनुप्रयुक्त गुणात्मक अनुसंधान** मूल्यांकनात्मक अनुसंधान: कार्यक्रम मूल्यांकन	**3**	**0**	**1**	4	6.67
मॉड्यूल-16	व्यक्ति वृत्त अध्ययन की चर्चा, अनुसंधान साइट, प्रतिपृष्टि	**2**	**1**	**1**	4	6.67
मॉड्यूल-17	नीति अनुसंधान: विश्लेषण और प्रसार करने के लिए नैतिक उपागम	**3**	**0**	**1**	4	6.66
मॉड्यूल-18	क्रिया अनुसंधान; डेटा के लिए क्रिया अनुसंधान उपागम	**2**	**1**	**0**	3	5
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक • निगमनात्मक • निर्माणवादी • चिंतनशील

	• समेकित/एकीकृत • अंतरानुशासनिक • सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा • विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण • पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • विषय-वस्तु विश्लेषण • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति, • ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) • ई-संसाधन • शोध पत्र • स्मार्टबोर्ड • मानकीकृत परीक्षण एवं शोध उपकरण • पूर्व में किए गए शोध

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X		X	X		X	X
6.	X	X	X		X	X		X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X
8.	X	X		X	X	X	X	X
9.	X	X	X	X	X		X	X
10.	X	X		X	X	X	X	X
11.	X	X	X	X	X		X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Creswell, John W. (2017) Research Design: Qualitative, Quantitative and Mixed Methods Approaches. Sage Publication: Thousand Oaks, CA • Creswell, John W. (2006) Qualitative Inquiry and Research Design: Choosing Among Five Approaches. Sage Publication: Thousand Oaks • आहूजा (2015). सामाजिक अनुसंधान. रावत पब्लिकेशन्स: नई दिल्ली। • कुमार, अरुण सिंह (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Best J.W. (1999). Research in Education. Prentice Hall of India Pvt.Ltd: New Delhi. • Kaul, Lokesh (1984). Methodology of Educational Research. Vikas Publications: New Delhi. • Creswell, John W. (2002) Educational Research: Planning, Conducting and Evaluating Quantitative and Qualitative Research. Sage Publications.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx • www.inflibnet.ac.in

एम.एड. प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) कार्यक्रम

1. **पाठ्यचर्या का नाम: एम .एड.प्रशिक्षुता)इंटर्नशिप(कार्यक्रम)Name of the Course): M.Ed. Internship Programme**
2. **पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): प्रायोगिक**
3. **क्रेडिट (Credit): 6 क्रेडिट 4. सेमेस्टर (Semester): तृतीय**
5. **पाठ्यचर्या विवरण)Description of the Course):**

यह कार्यक्रम विस्तृत क्रियाकलापों के माध्यम से तृतीय सेमेस्टर के दौरान संपन्न कराया जायेगा | यह कार्यक्रम छ: क्रेडिट (150 अंक) का होगा | इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावी अध्यापक शिक्षकों को अध्यापक-शिक्षा संस्थान के विभिन्न क्रियाकलापों एवं शैक्षिक हस्तांतरण की विधियों से परिचित कराना है| अध्यापक शिक्षार्थियों में वृत्तिक दक्षता का विकास, अध्यापक शिक्षा संस्थानों में प्रत्यक्ष अनुभव के द्वारा कराया जाएगा | इस विचार को ध्यान में रखते हुए अध्यापक शिक्षार्थी शैक्षिक संस्थानों में प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लेंगे |

6.अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत एम.एड. अध्येता-

1. वर्तमान शैक्षिक संदर्भ में अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता की समीक्षा कर सकेंगे|
2. अध्यापक शिक्षा संबंधी विभिन्न गतिविधियों की प्रक्रिया का विश्लेषण कर सकेंगे |
3. अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का व्यवस्थित रूप से आयोजन कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से शैक्षिक संस्थानों में नियुक्ति उपरांत सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न गतिविधियों से संबंधित अनुभवों पर विचारशील चिंतन कर सकेंगे।
5. अध्यापक शिक्षा तथा विद्यालयी शिक्षा में नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु व्यावसायिक दक्षता विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां निष्पादित की जाएगी-

अ. अध्यापक शिक्षा संस्थान की गतिविधियों का अवलोकन तथा अभ्यास शिक्षण [4 क्रेडिट, कुल अंक= 100]

- अध्यापक शिक्षा संस्थान में कक्षा शिक्षण तथा अन्य गतिविधियों का अवलोकन एवं रिपोर्टिंग- 20 अंक
- अध्यापक शिक्षा संस्थान में किसी एक सह-शैक्षणिक गतिविधि का आयोजन एवं रिपोर्टिंग-10 अंक
- अध्यापक शिक्षा संस्थान में बी.एड. विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए पाठ-योजना की तैयारी एवं क्रियान्वयन- 35 अंक
- किसी एक प्रतिष्ठित अध्यापक शिक्षा संस्थान का क्षेत्रीय भ्रमण एवं रिपोर्टिंग-20 अंक (1 सप्ताह)
- चिंतनशील दैनंदिनी - 15 अंक

ब. विद्यालय अनुभव (इंटर्नशिप) कार्यक्रम के दौरान बी.एड. अध्येताओं की विभिन्न क्रियाकलापों में सहायता एवं निरीक्षण [2 क्रेडिट- कुल अवधि (2 सप्ताह= 14 दिन), कुल अंक=50]

- पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन में (विद्यालय पर्यवेक्षण) तथा चिंतनशील दैनंदिनी -20 अंक
- शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करने में-10 अंक
- सह-शैक्षणिक गतिविधि तथा सामुदायिक कार्य के आयोजन में-10 अंक

- क्रियात्मक शोध एवं व्यष्टि अध्ययन में–10 अंक

8. शिक्षण अभिगमतकनीक एवं उपादान ,विधियाँ ,: (Approach ,esMethods ,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	प्रशिक्षुता कार्यक्रम के विभिन्न घटकों पर कार्यशाला सामूहिक विचार-विमर्श अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन चिंतनशील दैनंदिनी लेखन समूह-साथी पृष्ठपोषण संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण विद्यालय पर्यवेक्षण अध्यापक शिक्षा संबंधी गतिविधियों का आयोजन विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से भावी शिक्षकों के प्रशिक्षुता कार्यक्रम संबंधी अनुभवों पर चर्चा गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ब्लॉग, पोर्टफोलियो)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उसका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	-	X	X	-	X

2	X	X	X	-	X	X	-	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	X	X	X	X	X
5	X	X	-	X	X	X	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

प्रतिवेदन लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

मूल्यांकन

एम.एड. अध्येताओं का मूल्यांकन उनके प्रशिक्षुता कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों में प्रदर्शन, विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रस्तुत की गई रिपोर्ट, चिंतनशील दैनिकी तथा अध्यापक शिक्षा संस्थान के शिक्षक-पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा | मूल्यांकन के लिए रुब्रिक का प्रयोग किया जाएगा|

चतुर्थ सेमेस्टर (Fourth Semester)

1. पाठ्यचर्या का नाम: मूल्य शिक्षा

(Name of the Course) Value Education

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 03

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**

(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **मूल्य शिक्षा के सैद्धांतिक आधार:** यह इकाई मूल्य के स्रोत एवं स्वरुप को प्रस्तुत करती है | मूल्यमीमांसा एवं शिक्षा के संबंध को उद्धृत करती है | मूल्यों की अवधारणा के मनोवैज्ञानिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य को विकसित करने हेतु अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है |

- **भारतीय मूल्य परंपरा:** यह इकाई भारतीय मूल्य परंपरा के विभिन्न पक्षों को उजागर करते हुए वैश्विक बंधुता, शांति एवं सहिष्णुता जैसे मूल्यों के साथ-साथ मानवीय मूल्यों के संप्रत्यय को प्रस्तुत करती है | भारतीय संविधान में अंतर्निहित नागरिक कर्तव्यों के परिप्रेक्ष्य में मूल्यों की विवेचना करती है |

- **मूल्यों का वर्गीकरण:** यह इकाई विभिन्न प्रकार के मूल्यों के वर्गीकरण को प्रस्तुत करती है | स्व-हित और समाज कल्याण के संदर्भ में वैयक्तिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, लोकतान्त्रिक एवं नैतिक मूल्यों का समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत करती है |

- **नैतिकता एवं शिक्षक:** यह इकाई मूल्य शिक्षा की प्रक्रिया, विद्यालय स्तर पर मूल्य शिक्षा के महत्व तथा शिक्षण व्यवसाय की नैतिक आचार संहिता का वर्णन करती है | इसके साथ ही मूल्य शिक्षा के संदर्भ में शैक्षणिक कार्यक्रम एवं गतिविधियों की विवेचना करती है तथा अध्येताओं को शिक्षण व्यवसाय में नैतिकता का पालन करने के लिए अभिप्रेरित करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- मूल्य के स्रोत एवं स्वरुप की समझ |
- विभिन्न प्रकार के मूल्यों का वर्गीकरण करने की क्षमता |
- मूल्य शिक्षा की प्रक्रिया का अवबोध |
- मूल्य शिक्षा के संदर्भ में शैक्षणिक कार्यक्रम एवं गतिविधियों की विवेचना करने की अभिवृत्ति |
- विद्यालय स्तर पर मूल्य शिक्षा के महत्व की प्रशंसा |
- शिक्षण व्यवसाय की नैतिक आचार संहिता का पालन करने की वृत्ति |
- शिक्षण व्यवसाय में नैतिकता का पालन करने के महत्व की सराहना |
- भारतीय मूल्य परंपरा का ज्ञान एवं बोध |
- मूल्यों का विभिन्न अनुशासन तथा पाठ्यचर्या आधारित गतिविधियों में समावेशन करने की दक्षता |
- विविध साहित्यों की मूल्य शिक्षा के स्रोत के संदर्भ में समालोचनात्मक समीक्षा की क्षमता |
- संस्कृति एवं समाज के उन्नयन में नीतिशास्त्र एवं नैतिकता की भूमिका के प्रति संवेदनशीलता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**मूल्य शिक्षा के सैद्धांतिक आधार** मूल्य: संप्रत्यय, स्वरुप, स्रोत, सिद्धान्त	**3**		**1**	**4**	**6.67**
मॉड्यूल-2	मूल्यमीमांसा एवं शिक्षा	**2**	**1**		**3**	**5**
मॉड्यूल-3	मूल्य और शिक्षा: मनोवैज्ञानिक दृष्टीकोण	**3**	**1**	**1**	**5**	**8.33**
मॉड्यूल-4	मूल्य और शिक्षा: समाजशास्त्रीय दृष्टीकोण	**2**		**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-5	**भारतीय मूल्य परंपरा** भारतीय संस्कृति एवं मानव	**3**	**1**	**1**	**5**	**8.33**

	मूल्य					
मॉड्यूल-6	भारतीय संस्कृति में मूल्य: सहिष्णुता,शांति,वैश्विक बंधुता	**4**	**1**	**1**	**6**	**10**
मॉड्यूल-7	भारतीय संविधान में अंतर्निहित नागरिकों के मूलभूत कर्तव्य एवं मूल्य	**3**		**1**	**4**	**6.67**
मॉड्यूल-8	**मूल्यों का वर्गीकरण** वैयक्तिक एवं सामाजिक मूल्य, समाज एवं स्वहित के लिए मूल्य	**2**	**1**		**3**	**5**
मॉड्यूल-9	स्वप्रेरणा एवं समाज की अपेक्षा पर आधारित सामाजिक, नैतिक, आध्यात्मिक एवं लोकतान्त्रिक मूल्य	**4**	**1**	**1**	**6**	**10**
मॉड्यूल-10	मूल्य संघर्ष के सन्दर्भ में उभरती समस्या का विश्लेषण एवं पहचान	**2**		**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-11	मूल्य विकास के लिए शैक्षणिक साहित्य की रचना एवं विकास	**2**		**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-12	**नैतिकता एवं शिक्षक** नैतिक मूल्य: संकल्पना और अर्थ	**3**	**1**	**1**	**5**	**8.33**
मॉड्यूल-13	व्यावसायिक आचारसंहिता और शिक्षक: वैश्विक दृष्टिकोंण से शिक्षा व्यवसाय की नैतिक आचारसंहिता	**4**		**1**	**5**	**8.33**
मॉड्यूल-14	शिक्षक: मूल्यों का शिक्षक, विद्यालय की भूमिका, विद्यालयीन कार्यक्रम	**3**	**1**	**1**	**5**	**8.34**
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक • निगमनात्मक • निर्माणवादी • चिंतनशील • समेकित/एकीकृत • अंतरानुशासनिक • सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा • विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण • पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति, • ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) • ई-संसाधन • शोध पत्र • स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X		X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X		X	X
8.	X	X		X	X		X	X
9.	X	X		X	X	X	X	X
10.	X	X		X		X	X	X
11.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• शर्मा, आर. ए. (2004) मानव मूल्य एवं शिक्षा। आर. लाल बुक डिपो: मेरठ। • दुबे, सत्यनारायण (2007) मूल्य-शिक्षा। शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Gandhi, M.K. (1976). My Experiments with Truth. Navjivan Publishing House: Ahmedabad. • Government of India (2000). The Constitution of India. New Delhi • Krishnamurthy, J. (2000). Education and the Significance of Life. KF: Pune. • Rajput, J.S. (2001). Symphony of Human Values in Education. New Delhi • Saiyuddain, K. G (1965). The Faith of an Educationist: A Play for Human Values. Asia Publishing House: New Delhi. • Seshadri, C.; Khadcr, M.A. Adhya GL. (Ed.) 1992 Education in value. NCERT: New Delhi. • Learning: The Treasure Within (1996). UNESCO: Paris.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: शैक्षिक प्रौद्योगिकी
)Name of the Course): Educational Technology

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई 03

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट **4. सेमेस्टर (Semester): चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	8
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **शैक्षिक तकनीकी :** संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र: यह इकाई शैक्षिक तकनीकी की संकल्पना और शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न अर्थों की व्याख्या करती है। यह शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न उपागमों, रूपों और तौर-तरीकों की समीक्षा प्रस्तुत करती है। साथ ही अध्येताओं को शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षिक तकनीकी की भूमिका पर विचार-विमर्श करने हेतु प्रेरित करती है।
- **संचार और अनुदेशन:** यह इकाई संचार के विभिन्न तत्त्व, प्रक्रिया एवं प्रकार का वर्णन करती है तथा कार्य विश्लेषण की अवधारणा एवं प्रक्रिया और मीडिया के माध्यम से संचार प्रणाली विषय पर गहराई से प्रकाश डालती है।
- **अनुदेशन के विभिन्न रूप एवं व्यूहरचनाएं:** यह इकाई अभिक्रमित अनुदेशन की संकल्पना और विभिन्न प्रकार विषय पर व्यापक रूप से चर्चा करती है। यह अनुदेशन के विभिन्न रूपों एवं व्यूहरचनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है।
- **शिक्षक व्यवहार में परिवर्तन तथा शिक्षण प्रतिमान :** यह इकाई इस बात पर विचार करती है कि शिक्षक के व्यवहार में किस प्रकार परिवर्तन लाया जा सकता है तथा इसमें कक्षा अंतःक्रिया विश्लेषण की क्या भूमिका है? यह शिक्षण प्रतिमान के विभिन्न घटकों तथा मॉडल की समीक्षा भी प्रस्तुत करती है।

6.अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता-

1. शैक्षिक तकनीकी की प्रकृति, क्षेत्र और विभिन्न रूपों की आलोचनात्मक रूप से व्याख्या कर सकेंगे।
2. शिक्षा और संचार के क्षेत्र में प्रणाली उपागम और संचार के विभिन्न साधनों की उपादेयता का मूल्यांकन कर सकेंगे।
3. शैक्षिक तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों और शैक्षिक तकनीकी के भावी दृष्टिकोण पर विचारशील चिंतन एवं लेखन कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी संगोष्ठी में सहभागिता करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक मीडिया के अनुप्रयोगों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. कार्यशाला के माध्यम से अनुदेशनात्मक प्रारूप और स्व-अनुदेशन सामग्री का निर्माण कर सकेंगे।
6. कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न प्रकार के शिक्षण प्रतिमानों की समीक्षा करते हुए अपनी कक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर एक प्रभावी शिक्षण प्रतिमान का निर्माण कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/		

				Laboratory)		Course)
मॉड्यूल-1	**इकाई 1: शैक्षिक तकनीकी : संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र** **शैक्षिक तकनीकी की संकल्पना एवं उपागम** शैक्षिक तकनीकी की संकल्पना: शिक्षा में तकनीकी एवं शिक्षा की तकनीकी, शैक्षिक तकनीकी का उद्भव एवं विकास, शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न अर्थ, शैक्षिक तकनीकी की अवधारणाएं, शैक्षिक तकनीकी के उपागम - हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रणाली उपागम और साइबरनेटिक्स	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-2	**इकाई 1: शैक्षिक तकनीकी : संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र** **शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न रूप एवं अनुदेशात्मक प्रारूप के विभिन्न प्रतिमान** शिक्षण तकनीकी के रूप: शिक्षण तकनीकी, अनुदेशन तकनीकी और व्यवहार तकनीकी तथा अनुदेशात्मक प्रारूप के विभिन्न मॉडल- ADDIE, ASSURE एवं डिक एंड कैरी मॉडल	4	-	1	**5**	8.33%

मॉड्यूल-3	**इकाई 1: शैक्षिक तकनीकी : संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र** **शिक्षण के तौर-तरीके एवं शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक प्रौद्योगिकी की भूमिका** शिक्षण के तौर तरीके- अनुबंधन, प्रशिक्षण, अनुदेशन और मतारोपण; शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की भूमिका: शिक्षण एवं अधिगम, मूल्यांकन, प्रबंधन, वृत्तिक विकास, दूरस्थ शिक्षा एवं शैक्षिक शोध के संदर्भ में	3	1	1	**5**	8.33%
मॉड्यूल-4	**इकाई 2 : संचार और अनुदेशन** **अनुदेशन प्रणाली में संचार की प्रभावशीलता** संचार की संकल्पना, तत्त्व, प्रक्रिया, माध्यम, अवरोध एवं प्रकार; अनुदेशन के लिए माध्यम, शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मीडिया के माध्यम से संचार की प्रणाली	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-5	**इकाई 2 : संचार और अनुदेशन** **कार्य विश्लेषण** कार्य विश्लेषण की संकल्पना, विशेषताएं एवं प्रक्रिया, टास्क (कौशल) विशेषण, प्रणाली विश्लेषण,पाठ्यवस्तु विश्लेषण	5	-	2	7	11.67%

मॉड्यूल-6	**इकाई 3 : अनुदेशन के विभिन्न रूप एवं व्यूहरचनाएँ** **अभिक्रमित अनुदेशन** अभक्रमित अनुदेशन: उद्भव एवं प्रकार – रेखीय , शाखीय तथा मैथेटिक्स अभिक्रमित अनुदेशन, अभिक्रमित अनुदेशन सामग्री का विकास	3	-	2	5	8.33%
मॉड्यूल-7	**इकाई 3 : अनुदेशन के विभिन्न रूप एवं व्यूहरचनाएँ** **अनुदेश्नात्मक व्यूहरचनाएँ:** व्याख्यान, चर्चा, सेमिनार और ट्यूटोरियल, टेलीकांफ्रेंसिंग, देशव्यापी कक्षा परियोजना और सैटेलाइट आधारित अनुदेशन	3	1	1	**5**	8.33%
मॉड्यूल-8	**इकाई 3 : अनुदेशन के विभिन्न रूप एवं व्यूहरचनाएँ** **अनुदेशन के विभिन्न रूप** प्रत्यक्ष संपर्क, दूरस्थ शिक्षा, संगणक सहायक अनुदेशल (CIL), संगणक मध्यस्थता अनुदेशन (CMI), संगणक आधारित अनुदेशन (CBI), ऑनलाइन अधिगम, ब्लेंडेड अधिगम	3	1	1	**5**	8.33%

मॉड्यूल-9	**इकाई 4 : शिक्षक व्यवहार में परिवर्तन एवं शिक्षण प्रतिमान** **शिक्षण व्यवहार में परिवर्तन** शिक्षक व्यवहार में परिवर्तन : सूक्ष्म शिक्षण , अनुकरणीय शिक्षण और टोली शिक्षण, फ़्लैंडर्स अंतःक्रिया विश्लेषण तकनीक	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-10	**इकाई 4 : शिक्षक व्यवहार में परिवर्तन एवं शिक्षण प्रतिमान** **शिक्षण प्रतिमान** शिक्षण के आधुनिक प्रतिमान : अर्थ , कार्य और प्रकार (विकासात्मक प्रतिमान , संप्रत्यय उपलब्धि प्रतिमान , अग्रिम संगठक प्रतिमान , अनिर्देशीय शिक्षण प्रतिमान)	5	-	2	7	11.67%
योग		**40**	**5**	**15**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम, अनुकरणीय शिक्षण
तकनीक	व्याख्यान-सह-चर्चा सामूहिक विचार-विमर्श परियोजना कार्य तथा प्रस्तुतीकरण विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए शैक्षिक तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों पर चर्चा कार्यशाला के माध्यम से अनुदेशनात्मक प्रारूप, स्व-अनुदेशन सामग्री एवं शिक्षण प्रतिमान का निर्माण फ़्लैंडर्स अंतःक्रिया विश्लेषण तकनीक का प्रयोग करते हुए छात्राध्यापकों के कक्षा-कक्ष व्यवहार का अवलोकन एवं विश्लेषण गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, स्लाइड शेयर)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उसका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	X	-	-	-

2	X	X	X	-	X	X	-	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	X	X	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Bhushan, A. & Ahuja, M. (1992). *Educational Technology*. Meerut: Vikas Publication. • Das, R.C. (1993). *Educational Technology: A Basic Tex*. New Delhi, Sterling Publishers. • Gakhar, S.C. (2008) *Educational Technologies*. Panipat: N.M. Publication. • Kumar, K.L. (2008): Educational Technology (Second Revised Edition). New Delhi: New Age International Pvt. Ltd. Publishers.

		• **मंगल, एस.के. एवं मंगल, यु. (2019). *शिक्षा तकनीकी (आठवाँ संस्करण)*. दिल्ली: पी.एच.आई. प्राइवेट लिमिटेड.** • Mehra, V. (2010): *A Textbook of Educational Technology*. New Delhi: Sanjay Prakashan • Mukhopadhyay, M. (1990): *Educational Technology – Challenging Issues* .New Delh: Sterling Publishers Pvt. Ltd. • Sharma, B.M. (1994): *Distance Education.* New Delhi: Commonwealth Publishers.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Adam, D.M. (1985). *Computers and Teacher Training: A Practical guide*. New York: The Haworth Preen, Inc. • Behera, S.C. (1985). Educational Television Programmes. New Delhi: Deep and Deep Publications. • Coburn, P. and et. al. (1985): *Practical Guide to Computers in Education*. Botson: Addison – Wesley Publishing Company, Inc. • Flanders, Ned A. (1978) *Analyzing Teaching Behaviour*. London: Addison Wasley Publishing Co. • Haas, K.B. and Packer, H.Q. (1990): *Preparation and Use of Audio Visual Aids (3rd Edition)*. Canada: Prentice Hall, Inc. • Sampath et. al. (1981): *Introduction to Educational Technology*. Sterling Publishers Pvt. Ltd.
3	ई-संसाधन	https://educationaltechnology.net/assure-instructional-design-model/ http://www.publishyourarticles.net/knowledge-hub/education/what-are-the-different-approaches-of-educational-technology/5367/ http://www.slideshare.net/kuldeepvyas370/communication-process-84900920?from_m_app=android https://www.simplypsychology.org/operant-conditioning.html https://drarockiasamy.wordpress.com/unit-i-concept-of-educational-technology/ https://ddceutkal.ac.in/Syllabus/MA_Education/PAPER_10.pdf https://www.youtube.com/watch?v=V2uFAP4YFRU https://www.youtube.com/watch?v=V2uFAP4YFRU

		https://www.youtube.com/watch?v=V2uFAP4YFRU https://www.edx.org/learn/educational-technology https://eduquestjournal.com/Journal/abstract/id/NDMyMg==/?year=2020&month=August&volume=Volume%2011&issue=Issue%202

1. पाठ्यचर्या का नाम: शैक्षिक मापन, मूल्यांकन एवं आकलन

(Name of the Course) Educational Measurement, Evaluation and Assessment

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **मापन, मूल्यांकन और आकलन के आधार:** यह इकाई शैक्षिक मापन, मूल्यांकन और आकलन की मूलभूत अवधारणाओं तथा वर्गीकरण के विभिन्न आधारों को प्रस्तुत करती है | मापन के विभिन्न स्तरों की चर्चा करती है |
- **शोध उपकरण का निर्माण:** यह इकाई मापन, मूल्यांकन तथा आकलन में प्रयुक्त उपकरणों की विशेषताओं, निर्माण एवं विकास के सोपानों तथा शोध अध्ययन हेतु परीक्षण के निर्माण एवं मानकीकरण के विभिन्न सोपनों का वर्णन करती है |
- **मापन और मूल्यांकन के उपकरण एवं प्रविधियाँ:** यह इकाई मापन एवं मूल्यांकन में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न शोध उपकरणों एवं प्रविधियों का विवरण प्रस्तुत करती है और अध्येताओं को इनके उचित अनुप्रयोग के लिए तैयार करती है |
- **परीक्षण प्राप्तांकों तथा मानकों की व्याख्या:** यह इकाई विभिन्न शैक्षिक परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप मापन, मूल्यांकन तथा आकलन की योजना एवं छात्रों की शैक्षिक प्रगति में प्राप्त परिणामों की भूमिका की व्याख्या करती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- शैक्षिक मापन, मूल्यांकन और आकलन की मूलभूत अवधारणाओं तथा विधियों की समझ |
- मापन, मूल्यांकन तथा आकलन में प्रयुक्त उपकरणों तथा प्रविधियों का अवबोध |
- शोध अध्ययन हेतु परीक्षण के निर्माण एवं मानकीकरण के विभिन्न सोपनों से परिचय तथा अभ्यास द्वारा आवश्यक कौशलों का विकास |
- विभिन्न शैक्षिक परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप मापन, मूल्यांकन तथा आकलन की योजना तैयार करने एवं छात्रों की शैक्षिक प्रगति में प्राप्त परिणामों की भूमिका को पहचानने की दक्षता |
- शिक्षा के क्षेत्र में अनुप्रयुक्त मापन, मूल्यांकन एवं आकलन की समझ को प्रदर्शित करने की क्षमता |

- शोध अध्ययन में विभिन्न चरों से संबन्धित प्रदत्तों के एकत्रीकरण हेतु उपकरणों के निर्माण/ प्रविधियों के उपयोग की दक्षता |
- शोध अध्ययन में वस्तुनिष्ठता, वैधता एवं विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए सांख्यिकीय तकनीकों का ज्ञान तथा प्रतिबद्धता/ नैतिकता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**मापन, मूल्यांकन और आकलन के आधार** ● मापन, मूल्यांकन और आकलन का संप्रत्यय, आवश्यकता, कार्य, प्रकार और मूलभूत सिद्धान्त	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-2	● आकलन का वर्गीकरण: उद्देश्य के आधार पर (पूर्वाभासी, संरचनात्मक, नैदानिक एवं योगात्मक), व्यापकता के आधार पर (शिक्षक-निर्मित एवं मानकीकृत), मापित गुण के आधार पर (उपलब्धि, अभिवृत्ति, अभिक्षमता), संकलित सूचना के आधार पर (गुणात्मक एवं मात्रात्मक), अनुक्रिया विधि के आधार पर (मौखिक एवं लिखित, चयन एवं आपूर्ति),	6	1	1	8	13.33

	व्याख्या की प्रकृति के आधार पर (मानक-संदर्भित एवं निकष-संदर्भित) तथा संदर्भ के आधार पर (आंतरिक तथा बाह्य)					
मॉड्यूल-3	मापन के स्तर (नामित, क्रमित, अंतरित, आनुपातिक) तथा शोध प्रक्रिया में सांख्यिकी तथा मापन के स्तर की उपयोगिता	2		1	3	5
मॉड्यूल-4	**शोध उपकरण का निर्माण** मापन उपकरणों की विशेषताएँ: वस्तुनिष्ठता, व्यापकता, प्रायोगिकता, विश्वसनीयता, वैधता एवं मानक	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-5	परीक्षण निर्माण की मूलभूत आवश्यकता, परीक्षण विनिर्देश, विनिर्देश तालिका, परीक्षण पदों के प्रकार तथा अच्छे पदों के लेखन में सामान्य नियम	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-6	परीक्षण का मानकीकरण: मापन उपकरण के प्रमापीकरण के सोपान	2			2	3.34
मॉड्यूल-7	पद विश्लेषण: कठिनाई स्तर, विभेदन सूचकांक	2		1	3	5
मॉड्यूल-8	**मापन और मूल्यांकन के उपकरण एवं प्रविधियाँ** मूल्यांकन की प्रविधियाँ: साक्षात्कार, अवलोकन, प्रक्षेपीय प्रविधि, समाजमिति	3	1		4	6.67

मॉड्यूल-9	मूल्यांकन के उपकरणों की अवधारणा एवं उपयोग: परीक्षण, जाँचसूची, प्रश्नावली तथा अनुसूची, परिसूची तथा संचयी अभिलेख	3		1	4	6.67
मॉड्यूल-10	मापनी: अर्थ, मापनी के प्रकार (लिकर्ट, थर्स्टन, संकलित निर्धारण मापनी, अभिवृत्ति मापनी के निर्माण एवं मानकीकरण की प्रक्रिया तथा सोपान	3		1	4	6.66
मॉड्यूल-11	प्रतिभाग एवं संविभाग: अर्थ, प्रकार तथा विकास	1	1	1	3	5
मॉड्यूल-12	**परीक्षण प्राप्तांकों तथा मानकों की व्याख्या** निकष-संदर्भित तथा मानक-संदर्भित व्याख्या, अपरिष्कृत प्रदत्त, मानक प्रदत्त और प्रदत्तों की मापनी (स्केलिंग)	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-13	मानक- आयु, श्रेणी, प्रतिशतांक तथा प्रतिशतांक क्रम, स्टैनाइन, मानकों में निहित वांछनीय गुण, अंकन के दौरान अनुमान हेतु सुधार, परीक्षण प्राप्तांकों की व्याख्या	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-14	मूल्यांकन में कम्प्यूटर का उपयोग: शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रभावी मूल्यांकन हेतु सॉफ्टवेयर एवं वेब संसाधनों का मूल्यांकन करना,	3		1	4	6.67

	ऑनलाइन परीक्षण, इ-आकलन, आभासी प्रदत्तकार्य					
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक • निगमनात्मक • निर्माणवादी • चिंतनशील • समेकित/एकीकृत • अंतरानुशासनिक • सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा • विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण • पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • विषय-वस्तु विश्लेषण • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन

उपादान	● पावर पॉइंट प्रस्तुति, ● ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) ● ई-संसाधन ● शोध पत्र ● स्मार्टबोर्ड ● मानकीकृत परीक्षण एवं शोध उपकरण ● पूर्व में किए गए शोध

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X		X	X		X	X
6.	X	X	X		X	X	X	X
7.	X	X		X		X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• सिंह, अरुण कुमार (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली | • गुप्ता, एस. पी. (2017). आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन. शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद |
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Edwards, A.L., (1957). Techniques of Attitudes Scale Construction. New York • Garrett, H.E. (2004) . Statistics in Education and Psychology. Paragon International Publishers: New Delhi. • Sharma, R.A: (2007). Essentials of Measurement in Education and Psychology. Surya Publication: Meerut. • गुप्ता, एस. पी. (2011). अनुसंधान संदर्शिका. शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद।
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	**7**
कुल क्रेडिट घंटे	60

.1पाठ्यचर्या का नाम: समावेशी शिक्षा

)Name of the Course): Inclusive Education

.2 पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई 04

.3क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): चतुर्थ

.5पाठ्यचर्या विवरण)Description of the Course):

एमपाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं .एड. :विवरण निम्नवत है

.1**समावेशी शिक्षा का परिचय:** यह इकाई अधिगमकर्ता को समावेशी शिक्षा की परिभाषासंप्रत्यय एवं महत्व ,, भारत में समावेशी शिक्षा के ऐतिहासिक विकास से परिचित कराती है|

.2**विविध आवश्यकताओं वाले बच्चे:** यह इकाई संवेदी तथा बौद्धिक (दृश्य एवं शारीरिक विकलांगता ,श्रव्य) प्रवीण एवं मानसिक ,प्रतिभाशाली)विकलांगतासामाजिक एवं ,तथा विशेषताओं कठिनाइयों वाले बच्चों की परिभाषा (| सांवेगिक समस्याओं को अधिगमकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करती है

.3**विविध आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए पाठ्यचर्या अनुकूलन :**यह इकाई विशिष्ट शिक्षा ,समाकलित शिक्षा , मुख्यधारा एवं समावेशी शिक्ा षा पद्धतियों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है|

.4**समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी :**यह इकाई वर्तमान शैक्षिक कार्यक्रमोंराष्ट्रीय) 2005 .एफ.सी.एन , (2005 पाठ्यचर्या की रूपरेखातथा शिक्षक निर्माण की पाठ्यचर्या की समीक्षा एवं सम्पादन (अधिगम-शिक्षण)प्रणालियों की विवेचना करती है |

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs) Course Learning Outcomes) :

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

.1समावेशी शिक्षा की परिभाषासंप्रत्यय एवं महत्व ,, भारत में समावेशी शिक्षा के ऐतिहासिक विकास का बोध |

.2संवेदी कठिनाइयों (प्रवीण एवं मानसिक विकलांगता ,प्रतिभाशाली) तथा बौद्धिक (दृश्य एवं शारीरिक विकलांगता ,श्रव्य) | सामाजिक एवं सांवेगिक समस्याओं की समझ ,वाले बच्चों की परिभाषा तथा विशेषताएँ

.3विशिष्ट शिक्षा| द्धतियों का विश्लेषण करने की क्षमतामुख्यधारा एवं समावेशी शिक्षा प ,समाकलित शिक्षा ,

.4वर्तमान शैक्षिक कार्यक्रमों (2005 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा) 2005 .एफ.सी.एन ,तथा शिक्षक निर्माण की पाठ्यचर्या की समीक्षा एवं सम्पादन प्रणालीयो (अधिगम-शिक्षण)ं की विवेचना करने की क्षमता |

.5अधिगमकर्ता के परिसर से सम्बंधित प्रदतों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता |

.6कक्षा| कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता-

.7समूह गतिशिलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल यदि) अपेक्षित (है	संवाद / प्रशिक्षण / ....प्रयोगशाला .)Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल1-	**समावेशी शिक्षा का परिचय** ● समावेशी शिक्षा की परिभाषासंप्रत्यय , भारत में |एवं महत्व समावेशी शिक्षा का |ऐतिहासिक विकास ● विशिष्ट शिक्षा , समाकलित शिक्षा एवं समावेशी शिक्षा में भेद|	**10**	**2**	**3**	**15**	**25**
मॉड्यूल2-	**विविध आवश्यकताओं वाले बच्चे** ● संवेदी ,श्रव्य) दृश्य एवं शारीरिक तथा (विकलांगता ,प्रतिभाशाली) बौद्धिक प्रवीण एवं मानसिक (विकलांगता कठिनाइयों वाले बच्चों की परिभाषा तथा ,विशेषताएँ विकासात्मक	**10**	**2**	**3**	**15**	**25**

	,आटिज्म) असमर्थता ,सेरिब्रल पाल्सी अधिगमअसमर्थता |(सामाजिक एवं सांवेगिक समस्याएँ , कम ,शैक्षिक पिछड़ापन मंद ,उपलब्धि विशिष्ट ,अधिगमकर्ता सम्बन्धी -स्वास्थ्य |समस्याओं वाले बच्चे ● सामाजिक रूप से सुविधाहीन बच्चों की शिक्षा में समस्याएँ एवं अवरोधसंरचनात्मक , |एवं तंत्रात्मक अवरोध ● सामाजिकसांस्कृतिक-विविधता , पाठ्यपुस्तकों में पक्षपात तथा अप्रत्यक्ष पाठ्यक्रम को संबोधित करने के लिए विद्यालयों का |संगठन एवं प्रबंधन ● शिक्षणअधिगम -प्रक्रिया एवं सहयोग -भाषा ,सामग्री सम्बन्धी मुद्दों को ,संबोधित करना बच्चों की विविध आवश्यकताओं -सामाजिक) सांस्कृतिक एवं भाषायी (को पूरा करने					

	के लिए पाठ्यचर्या एवं पाठ्यसहगामी - |गतिविधियाँ					
मॉड्यूल-3	**विविध आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए पाठ्यचर्या अनुकूलन** ● संवेदी दृश्य एवं ,श्रव्य) शारीरिक तथा (विकलांगता बौद्धिक प्रवीण ,प्रतिभाशाली) एवं मानसिक (विकलांगता कठिनाइयों वाले विकासात्मक ,बच्चों ,आटिज्म) असमर्थता ,सेरिब्रल पाल्सी ,(अधिगम असमर्थता सामाजिक एवं सांवेगिक समस्याएँ , ,शैक्षिक पिछड़ापन मंद ,कम उपलब्धि अधिगमकर्ताविशिष्ट , सम्बन्धी -स्वास्थ्य समस्याओं वाले /पर्यावरणीय ,बच्चों पारिस्थितिक कठिनाइयों एवं (हाशिए) सीमांत समूहों से सम्बंधित बच्चों के लिए ठ्यचर्या अनुकूलन पा	**10**	**2**	**3**	**15**	**25**

	अर्थ एवं ,का संप्रत्यय |आवश्यकता ● समावेशी कक्षा हेतु पहचानआकलन एवं , मध्यस्थता के लिए /अभिलेखों पः्रकरण पार्श्वचित्रों का (प्रोफाइल्स) |उपयोग					
मॉड्यूल4-	**समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी** ● माध्यमिक विद्यालयों विशिष्ट सामान्य एवं) में प्रदान किये (शिक्षा जा रहे वर्तमान शैक्षिक ,कार्यक्रमों 2005 .एफ.सी.एन राष्ट्रीय पाठ्यचर्या) कीरूपरेखा (2005 तथा शिक्षक निर्माण की पाठ्यचर्या की समीक्षा एवं सम्पादन (अधिगम-शिक्षण) |प्रणाली ● समावेशी शिक्षा के अध्यापक एवं अध्यापक शिक्षक की भूमिकाउत्तरदायित्व , एवं व्यावसायिक |आचारशास्त्र ● समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में विभिन्न	**10**	**2**	**3**	**15**	**25**

	राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शाखाओं संस्थाओं एवं) की (विश्वविद्यालयों |भूमिका ● समावेशी शिक्षा में शोध में आधुनिक प्रवृत्ति|					
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगमतकनीक एवं उपादान ,विधियाँ ,: (Approach ,esMethods ,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1.निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3.निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5.चिंतशील, 6.अंतरानुशासनिक 7.सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1.दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यानसह चर्चा- 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6.संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1.शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी परिचर्चा/ 3.व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यानचर्चा-सह- 6. केंद्रित समूह चर्चा 7.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण

	8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आईप्रयोगशाला में अभ्यास .टी.सी.,
उपादान	1.पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास गूगल क्लासरूम), गूगल मीट(3.लैपटाप 4.प्रोजेक्टर 5.स्मार्टबोर्ड 6.शोध पत्र; ईट्यूब वीडियो-यू) संसाधन-, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स(

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा होउनका विवरण निम्नलिखित , :मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	-	-	X	X	X

10. मूल्यांकन) परीक्षा योजना /Evaluation/Examination Planning(

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

.11 अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण APA)प्रारूप में(
1	आधारपाठ्य / ग्रंथ	• MHRD (1992), National Policy on Education (Revised).New Delhi: MHRD, Gov. of India. • MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. • Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy on Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014

2	संदर्भग्रंथ-	• Schools. Bristol: Center for Studies in Inclusive Education. • Ahuja. A, Jangira, N.K. (2002): Effective Teacher Training; Cooperative Learning Based Approach: National Publishing house 23 Daryaganj, New Delhi. • Jangira N.K. and Mani, M.N.G. (1990): Integrated Education for Visually Handicapped, Gurgaon, Old Subjimandi, Academic Press. • Jha. M.(2002) Inclusive Education for All: Schools Without Walls, Heinemann Educational publishers, Multivista Global Ltd, Chennai, 600042, India. • Sharma, P.L. (1990) Teachers handbook on IED-Helping children with special needs NCERT Publication. • Sharma P.L (2003) Planning Inclusive Education in Small Schools, RIE. Mysore • Chudhary, B. (1992): Tribal Transformation in India. Vol.-V, New Delhi. • Jain, S.C. (2005): Education and socio-economic development. Concept publishing house, New Delhi. • Kagan, T.S. (2000): Worldwide Diversity and Human Rights. Orient Longman Pvt Ltd., New Delhi. • Reissman, F. (1962): The Culturally deprived child. Harper and Raw Publishers, New Delhi.
3	ईसंसाधन-	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. **पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक सिद्धान्त**
   (Name of the Course): Social theory

2. **पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 04**
   (Code of the Course)

3. **क्रेडिट: 04** **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
   (Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **स्कूल, राज्य, समाज और व्यक्ति के सम्बन्ध में सामाजिक सिद्धांत के विकास की समझ:** यह इकाई व्यक्ति, स्कूल, समाज, और राज्य में संबंधों का व्यापक आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत करती है और अध्येताओं को इन प्रकरणों के अन्वेषण हेतु प्रोत्साहित करती है|
- **ज्ञान और सामाजिक वास्तविकता का विकास और निर्माण**: यह इकाई सामाजिक सिद्धांतों के क्षेत्र में आने वाले रुझानों के सम्बन्ध में ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या करती है| संस्कृति, माहौल और शिक्षा के संदर्भ में ज्ञान और अभ्यास, माहौल और शिक्षा, संस्कृति की भूमिका आदि को प्रस्तुत करती है|
- **व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता:** व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता के सम्बन्ध में शैक्षिक अवसरों की प्रक्रिया का विश्लेषण करती है तथा अध्येताओं को इन परिघटनाओं की समझ विकसित करने के लिए अभिप्रेरित करती है|
- **शिक्षा, विकास और सामाजिक आंदोलन**: शिक्षा, विकास और सामाजिक आन्दोलन के सम्बन्ध में औद्योगिक विकास के मुद्दों और कुछ उभरते मुद्दों की विवेचना करती है|

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- व्यक्ति, स्कूल, समाज, और राज्य में संबंधों के बारे में व्यापक आलोचनात्मक समझ और अन्वेषण|
- समाजिक सिद्धांतों के क्षेत्र में आने वाले रुझानों के सम्बन्ध में ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया का अवबोध|
- ज्ञान और अभ्यास, माहौल और शिक्षा, संस्कृति की भूमिका की समझ और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता|
- व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता के सम्बन्ध में शैक्षिक अवसरों की प्रक्रिया की समझ|

- शिक्षा, विकास और सामाजिक आन्दोलन के सम्बन्ध में औद्योगिक विकास के मुद्दों और कुछ उभरते मुद्दों की जाँच पड़ताल करने का कौशल |
- सामाजिक सिद्धान्त के क्षेत्र में ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया का बोध |
- व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता के सम्बन्ध में शैक्षिक अवसरों को देखने की योग्यता |
- ज्ञान और अभ्यास, माहौल और शिक्षा तथा संस्कृति की भूमिका के प्रति संवेदनशीलता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**स्कूल, राज्य, समाज और व्यक्ति के सम्बन्ध में सामाजिक सिद्धांत के विकास की समझ** शास्त्रीय दृष्टिकोण (सर्वसम्मति, प्रजनन और संघर्ष)	**3**	**1**	**1**	**5**	**8.34**
मॉड्यूल-2	समकालीन दृष्टिकोण (मल्टीलिनियल विकास और सामाजिक सिद्धांत: नव-विकासवाद, आधुनिकीकरण के सिद्धांत	**4**		**1**	**5**	**8.33**
मॉड्यूल-3	पोस्ट औद्योगिक समाज के सिद्धांत- पोस्ट-आधुनिक नारीवादी) उभरते दृष्टिकोण: रेशनल च्वाइस थियरी और सिम्बोलिक इंटरेक्शनिज्म	**3**	**1**	**1**	**5**	**8.33**
मॉड्यूल-4	**ज्ञान और सामाजिक वास्तविकता का विकास**	**2**	**1**		**3**	**5**

	और निर्माण ज्ञान का समाजशास्त्र, ज्ञान के निर्माण में मीडिया और विचारधारा की भूमिका, देशज ज्ञान, उदारीकरण और वैश्वीकरण					
मॉड्यूल-5	शिक्षा की राष्ट्रीय व्यवस्था, सांस्कृतिक सापेक्षवाद	**2**		**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-6	संस्कृति, माहौल और शिक्षा आधुनिकता और उत्तरआधुनिकता, ज्ञान और शिक्षाशास्त्र का पुनर्विचार करना	**2**	**1**		**3**	**5**
मॉड्यूल-7	सामाजिक मानवशास्त्र, सांस्कृतिक पूंजीवाद और शिक्षाशास्त्र	**2**		**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-8	अस्मिता का विकास और संस्कृति	**2**		**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-9	**व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता** शैक्षिक अवसरों की प्रक्रिया और समझ, जाति व्यवस्था के सम्बन्ध में पदानुक्रम, हैसियत और सत्ता का अन्वेषण	**3**	**1**		**4**	**6.66**
मॉड्यूल-10	समानता के लिए महिलाओं का संघर्ष और शिक्षा	**2**		**1**	**3**	**5**
मॉड्यूल-11	स्कूल की पाठ्यचर्या और आवश्यक ज्ञान की आलोचनात्मक समीक्षा	**2**	**1**	**1**	**4**	**6.67**
मॉड्यूल-12	शिक्षा में बच्चों की पहुच, उपलब्धता और सुलभता के सम्बन्ध में समावेशन	**3**		**1**	**4**	**6.67**

	और बहिष्कार					
मॉड्यूल-13	**शिक्षा, विकास और सामाजिक आंदोलन** तीसरी दुनिया के औद्योगीकरण और गतिरोध को समझना	**3**		**1**	**4**	**6.67**
मॉड्यूल-14	कल्याणकारी सामाजिक परिवर्तन के सम्बन्ध में राज्य की भूमिका	**2**	**1**	**1**	**4**	**6.67**
मॉड्यूल-15	मानवाधिकार के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक आन्दोलन को समझना	**2**	**1**		**3**	**5**
मॉड्यूल-16	जाति, महिला और बाल अधिकार, शिक्षक और छात्र संगठन	**3**		**1**	**4**	**6.66**
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक • निगमनात्मक • निर्माणवादी • चिंतनशील • समेकित/एकीकृत • अंतरानुशासनिक • सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा • विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण

	• पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति, • ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) • ई-संसाधन • शोध पत्र • स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X
8.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Chanana, K. (2001). Interrogating Women's Education, Rawat Publication, Delh.i • Kingdon, G. and Muzammil, M. (2008) A political economy of education in India: The case ofUttar Pradesh, Published by Oxford Policy Institute. • Kumar, K. (2005) political Agenda of Education, Sage Publication. • Sarangapani, P.M. (2003) Constructing school knowledge: An Ethnography of Learning in an Indian Village, Sage Publicaiton: India. • Srinivas, M.N. (1993) On Living in a Revolution and Other Essays, Oxford University Press: USA. • Pathak, A. (1998) Indian Modernity,

Gyan Pub. House: Delhi.

- Shukla, S. and Kaul, R. (1998) Education, Development and Underdevelopment, Sage Publication: Delhi.
- Apple, Michael (2014) Official Knowledge (Third Edition), London: Routledge.
- Basil Bernstein (2003) Class, Codes and Control, Routledge.
- Bruner, Jerome (1986) Actual Minds to possible world,Harvard University Press.
- Carr, E. H. (1965) What is History, Pelican Book : London.
- Kumar, Krishana (2003) Politics of Education in Colonial India, Routledge:India.
- Mannheim, Karl (1996) Introduction to the Sociology of Education, Routledge: USA.
- Mills, Wrights, C. (1959) The Sociological Imagination, Oxford University Press: USA.
- Shah, Ghanshyam (2009) Social Movement in India, Sage Publication: Delhi.
- Anand, P. (1993).Foundations of Rational Choice under Risk, Oxford University Press: Oxford.
- Amadae, S.M.(2003). Rationalizing Capitalist Democracy: The Cold War

		Origins of Rational Choice Liberalism, University of Chicago Press:Chicago. • 'The subjection of Women" and " On Liberty' (Johan Stuart Mill) (Hindi by PragatiSazena). • Bourdieu's concept of 'Habitus' (The Phenomenological Habitus and its Construction' (Nick Crossley: Theory and Society;30:1:2001;pp.81-220).
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Allingham, Michael (2002). Choice Theory: A Very Short Introduction, Oxford: USA . • Berger, P.L. and Luckmann, T (1991) social construction of Reality, Penguin: USA. • Bourdie, P, and Passeron, J.C. (1990) Reproduction in Education, society and Culture . • Crook, N. (1996) The Transmission of Knowledge in South Asia, Oxford University Press. • Blackledge, D. and Hunt, B.(1985)। Sociological Interpretations of education. London: Routledge.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: निर्देशन एवं परामर्श

(Name of the Course): Guidance and Counselling

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 04

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**

(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **निर्देशन- संप्रत्यय, महत्व एवं प्रयोजन**: यह इकाई निर्देशन के संप्रत्यय, महत्व, प्रयोजन, विशिष्टता एवं वर्तमान परिदृश्य में इसकी उपादेयता को प्रस्तुत करती है|
- **निर्देशन के प्रकार एवं समूह निर्देशन:** यह इकाई निर्देशन के विभिन्न प्रकारों जैसे व्यक्तिगत, सामूहिक, व्यावसायिक एवं शैक्षिक निर्देशन के संप्रत्ययों का वर्णन करती है|
- **परामर्श:** यह इकाई परामर्श के अर्थ, प्रकृति, आयामों तथा लक्ष्यों का वर्णन करते हुए निर्देशन एवं परामर्श के विभेद की व्याख्या करती है|
- **परामर्श प्रक्रिया:** यह इकाई परामर्श की प्रक्रिया में निहित विभिन्न स्तरों के विभेद की समीक्षा प्रस्तुत करती है तथा विभिन्न प्रकार के परामर्श जैसे- व्यावसायिक, परिवार, किशोरावस्था परामर्श आदि की व्याख्या करती है | यह इकाई अध्येताओं को शैक्षिक एवं व्यावसायिक सेवाओं की समझ विकसित करने के लिए अभिप्रेरित करती है|

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- निर्देशन के संप्रत्यय एवं वर्तमान परिदृश्य में इसकी उपादेयता की समझ|
- निर्देशन के विभिन्न प्रकारों से परिचय|
- परामर्श के लक्ष्यों तथा निर्देशन एवं परामर्श के विभेद का अवबोध|
- परामर्श की प्रक्रिया में निहित विभिन्न चरणों एवं कौशलों का विकास|
- स्वयं को समझते हुए शिक्षा एवं व्यवसाय में सही विकल्प का चयन करने की योग्यता|
- समूह में, समूह के लिए एवं समूह के साथ कार्य करने का कौशल|
- एक व्यक्ति की समस्याओं को समझने की क्षमता एवं संवेदनशीलता|

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**निर्देशन : संप्रत्यय, महत्व एवं प्रयोजन** निर्देशन का संप्रत्यय, परिभाषा, महत्व एवं आवश्यकता	5	1	2	8	13.33
मॉड्यूल-2	निर्देशन के प्रयोजन	5	1	1	7	11.67
मॉड्यूल-3	**निर्देशन के प्रकार एवं समूह निर्देशन** निर्देशन के प्रकार : शैक्षिक एवं व्यावसायिक	5	1	2	8	13.33
मॉड्यूल-4	व्यक्तिगत एवं समूह निर्देशन	5	1	1	7	11.67
मॉड्यूल-5	**परामर्श** परामर्श : अर्थ, प्रकृति, आवश्यकता एवं आयाम	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-6	परामर्श के लक्ष्य	4		1	5	8.33
मॉड्यूल-7	निर्देशन एवं परामर्श के मध्य सम्बन्ध	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-8	**परामर्श प्रक्रिया** परामर्श प्रक्रिया के प्रकार एवं स्तर (निर्देशात्मक, अनिर्देशात्मक एवं मिश्रित)	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-9	परामर्श प्रक्रिया के विभिन्न प्रकार : व्यावसायिक परामर्श, परिवार परामर्श, किशोरावस्था परामर्श, विशिष्ट आवश्यकता वाले	4	1	1	6	10

	समूह को दिया जाने वाला परामर्श					
मॉड्यूल-10	शैक्षिक एवं व्यावसायिक सेवाएँ	2		1	3	5
योग		**40**	**8**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक • निगमनात्मक • निर्माणवादी • चिंतनशील • समेकित/एकीकृत • अंतरानुशासनिक • सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा • विचार विमर्श • सामूहिक परिचर्चा • प्रस्तुतीकरण • पैनल चर्चा • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम • पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम • व्यष्टि अध्ययन • केन्द्रित समूह चर्चा • फ्लिप्ड कक्षा-कक्ष • विभेदित अनुदेशन • कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन

उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति, • ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) • ई-संसाधन • शोध पत्र • स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• राय एवं अस्थाना (2010). निर्देशन एवं परामर्श (संप्रत्यय, सिद्धान्त एवं अवधारणा). वाराणसी: मोतीलाल बनारसी |
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Bernard, Harold W & Fullmer Daniel W. (1977). Principles of Guidance, Second Edition, New York -Thomas Y.Crowell Company. • Jones, J.A. (1970). Principles of Guidance, Bombay, Tata. New York. McGraw Hill. • Myres, G.E. Principles and Techniques of Vocational Guidance, New York, Mc Graw Hill. • Granz, F.M. Foundation and Principles of Guidance, Boston, Allyn and Bacon. • Pandey, K.P. (2000), Educational and Vocational Guidance in India. Varanasi -Vishwa Vidyalaya Prakashan Chowk.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

लघु शोध प्रबंध

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** लघु शोध प्रबंध
)Name of the Course): Dissertation
2. **पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): प्रायोगिक**
3. **क्रेडिट (Credit):** 4 क्रेडिट **4. सेमेस्टर (Semester): चतुर्थ**
4. **पाठ्यचर्या विवरण)Description of the Course):**

एम :पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है .एड.

लघु शोध प्रबंध एम.एड पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य भाग है, एवं इसका मूल्यांकन 8 क्रेडिट (200 अंक) के लिए होगा | लघु शोध प्रबंध का उद्देश्य भावी अध्यापक शिक्षकों के द्वारा शोध की योजना का निर्माण एवं संचालन कैसे किया जाए एवं शोध प्रबंध लेखन के प्रति आलोचनात्मक समझ का विकास करना है| इस दौरान अध्येता शैक्षिक सिद्धांतों एवं शोध के मध्य संबंध देखते हैं एवं उसे स्थापित करते हैं| अध्येताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि उनके लघु शोध प्रबंध के विषय का निर्णय एवं शोध प्रस्ताव का निर्माण, संबंधित साहित्य का अध्ययन, शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास, प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण तथा शोध लेखन, उचित शोध पत्रों एवं आलेखों को पढ़कर एवं उनसे जुड़ी गतिविधियों को ध्यान में रखकर करें| इस प्रक्रिया का समापन लघु शोध प्रबंध रिपोर्ट की प्रस्तुति तथा मौखिकी के साथ होगी |

लघु शोध प्रबंध के लिए क्रेडिट का विभाजन

क्र.	सेमेस्टर	गतिविधियों के अवयव	क्रेडिट
1.	I	महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति	1
2.	II	अपने रुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य का अध्ययन एवं समीक्षा, शोध समस्या का चयन एवं शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुति	1
3.	III	शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास/शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण	1
4.	IV	प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम; शोध कार्य लेखन, जमा पूर्व लघु शोध प्रबंध संगोष्ठी एवं लघु शोध प्रबंध जमा (लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी)	5
कुल क्रेडिट			**8**

नोट: लघु शोध प्रबंध से संबंधित कार्य प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ सेमेस्टर (पूर्ण सेमेस्टर) में विभाजित होंगे |

लघु शोध प्रबंध कार्य के 8 क्रेडिट के अंक चतुर्थ सेमेस्टर में जोड़ें जायेंगे|

6.अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Expected Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता-

1. शोध क्षेत्र /समस्या के पहचान की प्रक्रिया का वर्णन कर सकेंगे|
2. शोध प्रस्ताव के निर्माण के विभिन्न चरणों की समीक्षा कर सकेंगे |
3. शोध उद्देश्य, परिकल्पना एवं प्रश्न का संक्षिप्त एवं सटीक रूप से निर्माण कर सकेंगे।
4. किसी भी शोध में संबंधित साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व पर विचारशील चिंतन कर सकेंगे |
5. शोध नियोजन की रुपरेखा तैयार कर उसका व्यस्थित क्रियान्वयन कर सकेंगे।
6. वर्तमान में हो रहे शोध का विश्लेषण एवं संबंधित साहित्य अध्ययन की पृष्टभूमि के आधार पर शोध अध्ययन की आवश्यकता की तार्किक एवं समीक्षात्मक प्रस्तुति कर सकेंगे। ।
7. उपयुक्त शोध उपकरण के चयन के आधारभूत मानदंड की समीक्षा कर कर सकेंगे।
8. स्वयं द्वारा अपने शोध कार्य के लिए उपयुक्त शोध उपकरण के निर्माण कर सकेंगे। ।
9. प्रदत्त संकलन की विभिन्न जटिलताओं पर विचार-विमर्श कर सकेंगे। ।
10. अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार प्रदत्तों की सारणी का निर्माण कर सकेंगे।
11. शोध प्रतिवेदन लेखन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण कौशल जैसे-पाद टिप्पणी (footnotes), संदर्भ, ग्रंथ-सूची आदि का विकास कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

<u>लघु शोध प्रबंध के अंतर्गत आयोजित की जानेवाली गतिविधियां</u>

1. महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति - 1 क्रेडिट (25 अंक)

आंकलन पद्धति (रुब्रिक)

इस घटक का मूल्यांकन सेमेस्टर-1 में आंतरिक परीक्षक समिति के समक्ष प्रस्तुति के द्वारा किया जाएगा |

2. अपने रुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य का अध्ययन एवं समीक्षा, शोध समस्या की पहचान एवं चयन तथा शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुति – 1 क्रेडिट (25 अंक)

- शैक्षिक शोध का सर्वेक्षण |
- शोध के चिन्हित क्षेत्र से सम्बंधित शोध पत्रिका/ सामयिक आदि का अध्ययन |
- डॉक्टोरल/एम. फिल. एवं एम.एड. शोध प्रबंध का अध्ययन |
- शोध परियोजना रिपोर्ट का अध्ययन |
- संकल्पनात्मक समझ के लिए संबंधित पुस्तक /लेख का अध्ययन|
- संबंधित साहित्य की समीक्षा के महत्व एवं आवश्यकता पर एक संक्षिप्त लेख।
- अध्ययन के विभिन्न वर्गों के तहत शोध सार का लेखन एवं वर्गीकरण |

- सम्बंधित साहित्यों का विश्लेषण।
- किये गए अध्ययनों के संबंध में संबंधित अध्ययन की प्रासंगिकता।
- संबंधित शोध साहित्य की समीक्षा के आधार पर शोध समस्या की पहचान एवं चयन|
- विभिन्न स्रोतों के अध्ययन के उपरांत, समझ के विकास के आधार पर भावी अध्यापक शिक्षक शोध प्रस्ताव लिखेंगे| लघु शोध प्रबंध का विषय विद्यार्थियों के विषय विशिष्ट के क्षेत्र या परिप्रेक्ष्य विषय से होगा |

शोध प्रस्ताव की रुपरेखा / संरचना

- प्रस्तावना
- समस्या कथन
- पारिभाषिक शब्दावली
- संबंधित साहित्य की समीक्षा
- शोध का लक्ष्य
- शोध के प्रश्न एवं उद्देश्य
- शोध का औचित्य
- शोध का महत्व
- योजना एवं क्रियान्वयन
  - शोध प्रविधि
  - प्रतिदर्श
  - शोध उपकरण एवं तकनीकी
- प्रदत्त संकलन एवं निर्वचन
- शोध का परिसीमन
- संभावित अध्यायीकरण
- समय प्रबंधन
- संदर्भ
- अन्य ग्रंथ सूची

आंकलन पद्धति (रुब्रिक)

इस घटक का मूल्यांकन सेमेस्टर-2 में बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा |

संबंधित साहित्य की समीक्षा का मूल्यांकन निम्नलिखित व्यापक मानदंड के आधार पर किया जाएगा|

- एकत्रित संबंधित अध्ययनों की संख्या |
- संबंधित अध्ययन के संगठनात्मक व्यवस्था की समीक्षा ।

- संबंधित अध्ययन का विश्लेषण एवं उसकी पृष्ठभूमि के आधार पर अध्ययन की प्रासंगिकता पर चर्चा।

शोध प्रस्ताव का मूल्यांकन निम्नलिखित व्यापक मानदंडों के आधार पर किया जाएगा|

- शोध विषय की प्रासंगिकता
- शोध प्रश्न की गुणवत्ता
- उद्देश्यों की व्यापकता
- विषय के अवधारणाओं की समझ
- अध्ययन की आवश्यकता/ तार्किकता
- अध्ययन का कार्यक्षेत्र /प्रयोजन
- संबंधित साहित्य की समीक्षा
- अनुसंधान अभिकल्प की उपयुक्तता एवं प्रस्तावित प्रदत्त विश्लेषण की प्रविधियां|

3. शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास-1 क्रेडिट (25 अंक)

- प्रदत्त संकलन के लिए उपयोग में लाये जानेवाले विभिन्न शोध उपकरणों और तकनीकों का औचित्य एवं विवरण |
- प्रदत्त संकलन के लिए शोध उपकरण के प्रारूप का निर्माण|
- प्रारूप के अनुसार शोध उपकरण का विकास
- शोध उपकरण की वैधता एवं विश्वसनीयता निर्धारित करना|
- मात्रात्मक और गुणात्मक शोध उपकरण एवं प्रविधियों पर चर्चा।

आंकलन पद्धति (रुब्रिक)

इस घटक का मूल्यांकन सेमेस्टर-3 में शोध पर्यवेक्षक/आंतरिक परीक्षक समिति के समक्ष प्रस्तुति द्वारा किया जायेगा|

शोध उपकरण के चयन, प्रारूप एवं विकास के मूल्यांकन के लिए व्यापक मापदंड निम्नानुसार होगा :

- शोध उपकरण के निर्माण/विकास की प्रक्रिया की उपयुक्तता|
- प्रदत्त संकलन के लिए विकसित शोध उपकरण की वैधता एवं विश्वसनीयता|

4. प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम; शोध कार्य लेखन, प्रस्तुति पूर्व लघु शोध प्रबंध संगोष्ठी एवं लघु शोध प्रबंध जमा (लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी)- 5 क्रेडिट (125 अंक)

- प्राथमिक और द्वितीयक प्रदत्त संकलन की विभिन्न विधियों तथा प्रक्रिया पर चर्चा|
- प्रदत्त संकलन के लिए उचित विधियों का चयन
- द्वितीयक प्रदत्त संकलन के स्रोत एवं सावधानियां
- प्रदत्त का सारणीकरण और तालिकाओं के शीर्षक

- उद्देश्यों के अनुसार प्रदत्त विश्लेषण।
- प्रदत्त विश्लेषण एवं व्याख्या तथा शैक्षिक रूप में परिणाम एवं निष्कर्ष
- शोध कार्य प्रतिवेदन का लेखन
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व प्रस्तुति
- लघु शोध प्रबंध कार्य पर मौखिक परीक्षा

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	विभिन्न शोध पत्रों एवं आलेखों की समीक्षा शोध संवाद में शोध प्रगति की प्रस्तुति शैक्षिक शोध प्रस्ताव तथा शोध प्रतिवेदन लेखन पर कार्यशाला विभिन शैक्षिक शोध क्रियाविधि पर कार्यशाला ट्यूटोरियल सामूहिक विचार-विमर्श विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों पर चर्चा गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC, प्रोक्वेस्ट, जेस्टोर); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, स्लाइड शेयर)

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उसका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1.	X	X	-	-	X	-	-	-
2.	X	X	-	-	X	-	-	-
3.	X	X	X	X	X	X	X	X
4.	X	X	-	-	X	-	-	X
5.	X	X	X	-	X	-	-	X
6.	X	X	-	-	X	X	-	X
7.	X	X	X	-	X	X	-	X
8.	X	X	X	X	X	X	X	X
9.	X	X	-	-	X	X	-	X
10.	X	X	-	-	X	-	-	X
11.	X	X	-	-	X	-	-	X

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

लघु शोध प्रबंध लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (आंतरिक मूल्यांकन) (37.50%)		**लघु शोध प्रबंध कार्य का मूल्यांकन एवं मौखिकी (बाह्य मूल्यांकन) (62.50%)**	
घटक	लघु शोध प्रबंध लेखन एवं प्रस्तुतीकरण	संबंधित शोध साहित्य समीक्षा एवं शोध प्रस्ताव	लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट का मूल्यांकन एवं मौखिकी
निर्धारित अंक प्रतिशत	**37.50%**	**12.50%**	**50%**

एम.एड. पाठ्यक्रम (2020-22) के लघु शोध प्रबंध कार्य (8 क्रेडिट= 200 अंक) के अंतर्गत विद्यार्थियों के आकलन हेतु मानदंड:

- महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति - 25 अंक (आतंरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- संबंधित शोध साहित्य समीक्षा एवं शोध प्रस्ताव - 25 अंक (बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन)
- प्रद्त्तों के संकलन हेतु उपकरणों का चयन, निर्माण एवं प्रमापीकरण/शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण- 25 अंक (आतंरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व-प्रस्तुति- 25 अंक (आतंरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट का मूल्यांकन एवं मौखिकी- (50+50) अंक =100 अंक (बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन)

इस प्रकार संपूर्ण लघु शोध प्रबंध कार्य का मूल्यांकन आतंरिक तथा बाह्य परीक्षकों के संस्तुति के आधार पर किया जाएगा तथा लघु शोध प्रबंध कार्य के मूल्यांकन के अंकों को चौथे सेमेस्टर के अंक-पत्र में जोड़ा जाएगा| शोध प्रबंध कार्य के मूल्यांकन का अधिभार निम्नवत होगा-

आतंरिक मूल्यांकन (37.50%- 3 क्रेडिट) + बाह्य मूल्यांकन (62.50%- 5 क्रेडिट)

नोट: विद्यार्थियों द्वारा शोध प्रस्ताव का अनुमोदन इस हेतु गठित समिति के द्वारा किया जाएगा। आवश्यकतानुसार बाह्य परीक्षक इस समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किए जायेंगें।

आंकलन पद्धति (रुब्रिक)

इसका मूल्यांकन सेमेस्टर-4 के दौरान शोध पर्यवेक्षक/आंतरिक परीक्षक समिति के समक्ष शोध कार्य लेखन की प्रगति तथा लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व प्रस्तुति के माध्यम से किया जाएगा। इस संगोष्ठी में प्राप्त सुझावों के अनुसार शोध कार्य रिपोर्ट/ प्रतिवेदन के संशोधन के पश्चात अंतिम

रूप से लघु शोध प्रबंध जमा किया जायेगा | अंतिम रूप से जमा की गई लघु शोध प्रबंध रिपोर्ट तथा शोध कार्य का मूल्यांकन बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध प्रबंध कार्य पर मौखिक परीक्षा तथा शोध रिपोर्ट की गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा।

आकलन हेतु व्यापक मापदंड निम्नानुसार होगा:

- प्रदत्त संकलन की प्रक्रिया की समीक्षा
- डेटा संग्रह के लिए प्रयुक्त उपकरण की उपयुक्तता
- आंकड़ों का व्यवस्थित सारणीकरण
- मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान के क्षेत्र में प्रदत्तों के विश्लेषण एवं व्याख्या के लिए प्रयुक्त तकनीक और प्रविधियां
- शोध कार्य लेखन की प्रगति पर प्रस्तुति
- पूर्व शोध प्रबंध प्रस्तुति संगोष्ठी
- लघु शोध प्रबंध कार्य पर मौखिकी

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Best J.W. (1999). *Research in Education.* New Delhi: Prentice Hall of India Pvt.Ltd. • Kaul, L. (1984). *Methodology of Educational Research.* New Delhi: Vikas Publications. कुमार, आर. (2017). *शोध कार्यप्रणाली : आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड (चतुर्थ संस्करण)*. नई दिल्ली: सेज भाषा Kothari, C.R. & Garg, G. (2019). *Research Methodology: Methods and techniques*. New Delhi:New Age International Publishers. Mangal, S.K. (2010). *Statistics in Psychology and Education (2nd Edition)*. New.Delhi: PHI Publishing Pvt. Ltd. • Sharma, B. (2004). *Methodology of Educational Research.* New Delhi: Vohra, Publishers and Distributors. • Sharma, S.R. (2003). *Problems of Educational Research.* New Delhi: Anmol Publications Pvt. Ltd. सिंह, ए. के. (2017). *मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां*. दिल्ली:मोतीलाल बनारसीदास

2	संदर्भ-ग्रंथ	Borg, W.R. and Gall, M.D. (1983). *Educational Research – An Introduction*. NewYork: Longman, Inc. • Christensen, L. (2007). *Experimental Methodology*. Boston: Allyn & Bacon. • Clive O. (2004). *Doing Educational Research- A Guide for First time researchers.* New Delhi: Vistar Publications. • Fraenkel, J.R., Wallen, N.E. (1996). *How to Design and Evaluate Research in Education.* New York: McGraw Hill. Kerlinger, F.N. (1986). *Foundations of Behavioural Research.* Fort Worth, TX: Harcourt Bmce Jovanovich. • Jill Porter & Penny Lacey (2005). *Researching Learning Difficulties- A Guide for Practitioners.* London: Paul Chapman Publishing. • Kirkapatrick, D.L. (2005). *Evaluating training Programmes: The four Levels*. San Francisco: Brrett-Kochler. • Pamela Maykut & Richard Morehouse (1994). *Beginning Qualitative Research- A Philosophic and Practical Guide*. The Falmer Press London. Washington D.C. • Patton. M.Q. (2002). *Qualitative Research and Evaluation Methods*. Thousand Oaks: C.A: Sage. • Reason, P. & Bradbury, H. (Eds) (2006). *Handbook of action research: Concise paperback edition*: Thousand Oaks, CA: Sage. Scott, David & Usher, Robin (1996). Understanding Educational Research. New York: Rout ledge. • Shank, G.D. (2002). *Qualitative Research*. Columbus, ott: Merill, Prentice Hall. • Stake, Robert E. (1995). *The Art of Case Study Research*. Thousand Oaks: C.A: Sage. • Travers, Robert M.W. (1978). *An Introduction to Educational research (4th edition)*. London: MacMillan. • Van Dalen, Debonald, B. and Meyer, William J. (1979). *Understanding Educational Research: An Introduction.* New York: McGraw Hill.
3	ई-संसाधन	https://hi.wikihow.com/%E0%A4%8F%E0%A4%95-%E0%A4%B6%E0%A5%8B%E0%A4%A7%E0%A4%AA%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0-(Research-Paper)-%E0%A4%B2%E0%A4%BF%E0%A4%96%E0%A5%87%E0%A4%82 https://medium.com/@Write4Research https://courses.lumenlearning.com/suny-

		englishcomp2kscopexmaster/chapter/what-is-research-writing/ https://youtu.be/oX0YjYX4HTU https://www.youtube.com/watch?v=ogPygxnVg-4 https://www.youtube.com/watch?v=eALzUfkQJRU https://youtu.be/rgoCln1lSds https://www.youtube.com/watch?v=hXvoKE6_wQo https://www.youtube.com/watch?v=xhwzW6urTG8 https://www.youtube.com/watch?v=1VbCvj2Rn88